जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 16 संख्याः 273 प्रभात हिण्डौन सिटी, मंगलवार 6 अगस्त, 2024 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

बांग्लादेश का घटनाक्रम, भारत के लिये बहुत महत्वपूर्ण है

भारत की पहली प्राथमिकता है, इस बात की चौकसी रखना कि, कोई अन्य देश, मुख्य रूप से पाकिस्तान व चीन, अशांत परिस्थिति का लाभ उठाते हुए, बांग्लादेश में अपनी चौधराहट स्थापित करने का प्रयास न करें

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 अगस्त। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अपना देश छोड़ कर भारत में शरण ली है। भारत की जिम्मेदारी है कि इसके विपरीत प्रभाव को नियंत्रित करे। बांग्लादेश में सेना ने सत्ता पर नियंत्रण कर लिया है।

बांग्लादेश में स्वतंत्रता सेनानियों के वंशजों को आरक्षण दिलाने के सरकार के निर्णय पर देश भर में महीने भर से विरोध प्रदर्शन हो रहा है, लेकिन गत दो दिनों के हालात ने प्रधानमंत्री शेख हसीना के लिए देश छोड़ने के हालात बना दिए।

खबरों के अनुसार, बांग्लादेश सेना प्रमुख राष्ट्रपति से मिले और निर्वाचित प्रतिनिधियों की चुनी हुई सरकार बनाने के विकल्पों पर बात की। बांग्लादेश के हालात और शुरुआती रिपोर्ट से संकेत मिलता है कि वहां अराजकता पनप रही है।

बांग्लादेश के घटनाक्रम का भारत पर, खास कर बंगाल पर भारी प्रभाव पड़ेगा। सीमा सुरक्षा बल ने सीमा पर, सुरक्षा बढ़ा दी है। भारत और बांग्लादेश की सभी रेल सेवाएं फिलहाल रद्द कर दी गई हैं। ढाका हवाई अड्डा बंद है और फिलहाल दोनों देशों के बीच विमान सेवा भी बंद है।

पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के भारत से अच्छे संबंध हैं, उनके अचानक सत्ता से बेदखल होने से भारत के लिए वहां हालात मुश्किल बन जाएंगे। बदले हालात में भारत को नई सरकार के साथ नए सिरे से रिश्ते बनाने होंगे और वह आसान नहीं होगा क्योंकि बांग्लादेश में कई ताकतें हैं, जो भारत के खिलाफ काम कर रही हैं।

बदले हालात में भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई भी अन्य देश, चीन या पाकिस्तान इस मुसीबत में फायदा उठाने की कोशिश न करें। यह भारत के लिए बड़ा खतरा हो सकता है क्योंकि पूर्व सरकार के साथ भारत से हमेशा के अच्छे रिश्ते रहे हैं।

हाल ही में जब शेख हसीना चीन गई थीं और शी जिनपिंग से मिली थीं तो बड़े इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट चीन को देने और चीन को काफी राहतें देने के दबाव में नहीं आईं थीं।

प.बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पहले ही बांग्लादेश के साथ भारत के रिश्ते बिगाड़ने की कोशिश कर चुकी हैं। जब उन्होंने बांग्लादेश के विरोध प्रदर्शन से पीड़ित लोगों को बंगाल में शरण देने की अपील की थी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- हाल ही में निवर्तमान प्र.मंत्री शेख हसीना चीन गई थीं, राष्ट्रपति शी से मिलने, पर, वे चीन के दबाव में नहीं आयीं, बांग्लादेश के बड़े-बड़े इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट में चीन को सर्वाधिकार कन्सैशन देने के लिए।
- शेख हसीना के बहुत अच्छे संबंध रहे हैं भारत से तथा वे अब बांग्लादेश छोड़कर भारत आयी हैं। अतः भारत के लिये अति महत्वपूर्ण यह भी है कि बांग्लादेश में विकसित होने वाली व्यवस्था व शेख हसीना के बीच बारीक संतुलन बनाकर रखे।
- इस संदर्भ में यह भी उल्लेखनीय है कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने प्र.मंत्री से लम्बी मुलाकात कर इस घटनाक्रम की सभी बारीकियां स्पष्ट की हैं प्र.मंत्री के सम्मुख।
- चर्चा है कि भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने दिल्ली में शेख हसीना से मुलाकात की है।

आर.सी.ए. को भंग करने के खिलाफ अपील पर सुनवाई टली

जयपुर, 5 अगस्त (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन(आर.सी.ए.) को भंग करने के मामले में दायर अपील पर सुनवाई 12 अगस्त तक टाल दी है। मुख्य न्यायाधीश एम.एम. श्रीवास्तव और जस्टिस गणेश मीणा की खंडपीठ के समक्ष महाधिवक्ता ने जवाब पेश करने के लिए समय मांगा। इस पर अदालत ने मामले की सुनवाई टाल दी।

- इस मामले में महाधिवक्ता द्वारा जवाब पेश करने के लिए समय मांगे जाने पर हाई कोर्ट ने सुनवाई 12 अगस्त तक टाल दी है।

अपील में कहा गया कि सहकारिता रजिस्ट्रार ने गत 28 मार्च को एसोसिएशन भंग कर दी थी। इसके खिलाफ दायर याचिका को एकलपीठ ने यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि उन्हें रजिस्ट्रार के आदेश के खिलाफ अपीलीय अधिकारी के समक्ष अपनी आपत्ति रखनी चाहिए थी। जबकि, खेल परिषद की शिकायत पर ही रजिस्ट्रार ने एसोसिएशन को भंग किया था। ऐसे में अपीलीय अधिकारी के तौर पर खेल सचिव के समक्ष याचिका दायर करने का कोई औचित्य ही नहीं है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बांग्लादेश का घटनाक्रम एक अन्तर्राष्ट्रीय साजिश है?

ऐसा लगता है कि साजिश का मन्तव्य पूरे भारतीय उपमहाद्वीप को अशांत बनाना है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 अगस्त। शेख हसीना सरकार के एकाएक हुये पतन को इस पूरे उपमहाद्वीप को बेचैन कर देने वाली किसी अन्तर्राष्ट्रीय साजिश की पराकाष्ठा के रुप में देखा जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस घटना पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर तथा अन्य वरिष्ठ कैबिनेट मंत्रियों के साथ विचार-विमर्श करना शुरु कर दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, वहाँ हिन्दू अल्पसंख्यक प्रचंड हमलों का शिकार पहले से ही हो रहे हैं। भारत में रह रहे कुछ बाँग्लादेशी नागरिक आंदोलनकारियों के समर्थन में बोल रहे हैं।

कुछ लोगों का कहना है कि इस घटनाक्रम में पश्चिम शामिल है। यह संभव है कि कुछ पश्चिमी सूत्र तथा मध्य-पूर्व की कुछ ताकतें इसमें लिप्त हो सकती हैं।

अराजक बाँग्लादेश पड़ोसी के लिये एक बड़ा सिर दर्द बन सकता है।

ज्ञातव्य है कि बाँग्लादेशी संगठन 'जमात' तथा वहाँ का विपक्षी दल 'बाँग्लादेश नैशनलिस्ट पार्टी (बी.एन.पी.) भारत के विरुद्ध हैं।

वर्तमान आंदोलन के कुछ तौर-तरीके ऐसे हैं जो भारत को व्याकुल कर देने वाले हैं। आंदोलनकारियों ने ढाका के उस 'इन्दिरा गांधी सैंटर' को बेरहमी से ध्वस्त कर दिया है, जिसने बाँग्लादेश मुक्ति आंदोलन के समय तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री के योगदान का यशोगान किया था।

और भी ज्यादा परेशान करने वाला वह हमला है, जो देश के सर्वाधिक प्रतिष्ठित एवं प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी, शेख मुजीबुर्रहमान की स्मृतियों के जुड़ी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- पूरे देश में हिन्दू मंदिरों, रामकृष्ण मिशन व भारत सेवाश्रम संघ के प्रतिष्ठानों पर हमले हुए हैं।
- यह भी धारणा बन रही है कि पश्चिमी देश तथा कुछ ''मिडिल ईस्ट'' ताकतें इस साजिश से जुड़ी हुई हैं।
- वैसे भी बांग्लादेश में मुख्य आंदोलनकारी संगठन जमात व बांग्लादेश नैशनलिस्ट पार्टी भारत के खिलाफ ही रही हैं।
- प्रदर्शनकारियों में कुछ भारत विरोधी भावनाएं भी देखी गई, जैसे- ढाका के इंदिरा गांधी सैन्टर में प्रदर्शनकारियों ने तोड़फोड़ की, जो पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी, जिन्होंने बांग्लादेश को स्वतंत्र देश बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थीं, की याद में बनाया गया था बांग्लादेश की आज़ादी के महानायक शेख मुजीबुर रहमान की प्रतिमा को भी नष्ट कर दिया गया।
- ऐसा माना जा रहा है कि अब बांग्लादेश कट्टर इस्लामिक प्रभाव में आयेगा।

कांग्रेस ने शिवराज सिंह के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव रखा

मध्य प्रदेश के पूर्व मु.मंत्री दिग्विजय सिंह ने विशेषाधिकार प्रस्ताव लोकसभा में रखा

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली,5 अगस्त। कांग्रेस पार्टी ने एक और विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव रखा है, इस बार यह प्रस्ताव केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के खिलाफ है।

कांग्रेस ने पूर्व में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ विशेषाधिकार प्रस्ताव रखा था। सूत्रों का कहना है कि विशेषाधिकार प्रस्ताव अभी भी विचाराधीन है क्योंकि लोकसभा स्पीकर के कार्यालय से कांग्रेस द्वारा रखे गए प्रस्ताव के बारे में कोई सूचना नहीं मिली है।

पता चला है कि संसद की विशेषाधिकार कमेटी का अभी तक भी गठन नहीं हुआ है और विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव का मसला तब ही उठाया जा सकता है, जब समिति का गठन हो जाए।

कांग्रेस सांसद और वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान पर झूठ बोलने का आरोप लगाया है।

गौरतलब है कि दोनों नेता मध्यप्रदेश से हैं तथा मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री रह चुके हैं और दोनों के बीच हमेशा से स्वस्थ प्रतिस्पर्धा रही है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि जहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हमेशा दावा करते रहे हैं कि किसानों को इनपुट लागत और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- दिग्विजय सिंह ने प्रस्ताव में कृषि मंत्री शिवराज पर संसद में झूठ बोलने का आरोप लगाया है।
- दिग्विजय सिंह के अनुसार, कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि किसानों को एम.एस.पी. पर खरीद की कोई आवश्यकता नहीं है, क्योंकि किसानों को एस.एस.पी. से अधिक दाम तो बाज़ार में वैसे ही मिल रहे हैं।
- दिग्विजय सिंह ने ऐसे कई और दृष्टांत पेश किये, जब शिवराज सिंह ने गलत जानकारी दी थी।
- जैसा कि विदित ही है, कांग्रेस ने प्र.मंत्री मोदी के खिलाफ भी विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव स्वीकृति के लिये स्पीकर के ऑफिस को भेज रखा है, क्योंकि अभी तक विशेषाधिकार हनन के संबंध में कोई कार्यवाही नहीं हुई है।

जयपुर ग्रामीण सीट के लोकसभा चुनाव नतीजे को चुनौती

जयपुर, 5 अगस्त (का.सं.)। जयपुर ग्रामीण लोकसभा चुनाव में पराजित कांग्रेस प्रत्याशी अनिल चोपड़ा ने राजस्थान हाईकोर्ट में चुनाव याचिका दायर की है। जस्टिस उमाशंकर व्यास ने इस याचिका पर 13 अगस्त तक सुनवाई टाल दी है। याचिका में विजयी सांसद राव राजेन्द्र सिंह और मुख्य

- कांग्रेस के प्रत्याशी अनिल चोपड़ा, जो मात्र 1,615 मतों से हारे थे, ने याचिका दायर की है, जिस पर 13 अगस्त को सुनवाई होगी।

निर्वाचन अधिकारी सहित अन्य को पक्षकार बनाया गया है।

याचिका में कहा गया कि चुनाव परिणाम के लिए की गई मतगणना में काफी अनियमितांए हुई हैं। ऐसे में चुनाव परिणाम को रद्द कर ई.वी.एम. और पोस्टल बैलेट के मतों की गणना पुनः की जाए। इसके अलावा, पूरी मतगणना की प्रक्रिया के सी.सी.टी.वी. फुटेज भी अदालत में पेश किए जाएं। याचिका में कहा गया कि उन्हें (अनिल चोपड़ा को)

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'पर्यटन की दृष्टि से किया गया ओवर एक्स्प्लॉयटेशन वायनाड दुर्घटना का कारण है'

पर्यावरण विशेषज्ञों ने पर्यटन के लिए किए जा रहे विकास पर रोक लगाने की मांग कई बार की, पर वायनाड के लोगों ने ही इसे ठुकरा दिया

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 अगस्त। जुलाई के उस विनाशकारी दिन भोर होने से पहले ही, केरल के वायनाड जिले के कई गाँव भूस्खलन की चपेट में आ गये। घनघोर बरसात के कारण हुये भूस्खलनों से पहाड़ियां ढह गईं तथा चट्टानें, मिट्टी और पानी के प्रवाह ने अपने प्रचंड वेग से सब कुछ नष्ट और ध्वस्त कर दिया। इस महाविपदा में कम से कम 386 लोग मारे जा चुके हैं, 273 से अधिक लोग घायल हो गये हैं तथा 180 लोग लापता हैं। इस प्रकार, यह विपदा केरल के इतिहास की सर्वाधिक घातक प्राकृतिक आपदा बन गई है।

वैस्टर्न घाट की पहाड़ियों में स्थित वायनाड में मानसून के मौसम में भूस्खलन की घटनाएं खासतौर से संभावित रहती हैं और 29 जून को लगातार मूसलाधार बरसात के कारण, राहत शिविरों में रह रहे लोगों को शिविर खाली करने पड़े थे। जिला प्रशासन द्वारा 'अलर्ट' कर दिये जाने के बावजूद, कोराल्माला गाँव के बहुत से लोग अपने घरों में ही बने रहे, क्योंकि यह क्षेत्र भूस्खलन संभावित क्षेत्र के रूप में चिन्हित नहीं था। भूस्खलन से दो दिन पहले, इस क्षेत्र में करीब 570 मिमी. वर्षा हुई।

वायनाड में हुई इस दुर्घटना के रूप में, पर्यटन को मद्देनजर रखते हुए किये गये विकास के परिणाम एक बार फिर सामने आ गये हैं। इस विकास की सनक में, इस क्षेत्र की पर्यटकों की संख्या को वहन करने की क्षमता की अनदेखी की गई तथा कथित विकास तथा क्षेत्र की क्षमता की अनदेखी, हाल ही के दिनों में भारत को प्रभावित करने वाली मौसम संबंधी बहुत बड़ी और दुखान्त घटनाओं की श्रृंखला का हिस्सा बन गई है।

वर्ष 2011 में इकोलॉजिस्ट माधव गाडगिल के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने एक समिति का गठन किया था, जिसने वैस्टनर्न घाट की इकोलॉज़िकल संवेदनशीलता का परीक्षण किया था, उसने सम्पन्न-संभ्रांत लोगों और तत्कालिक स्थानीय लोगों, दोनों के कारण पर्यावरण को खतरनाक नुकसान पहुंचने की बात को उजागर किया था। कमेटी ने इस नुकसान को दुखद माना था, क्योंकि दक्षिण भारत की परिस्थिति व अर्थव्यवस्था में वैस्टर्न घाट की व्यापक भूमिका है। इस समिति ने खनन बंद करने, नई रेल लाइनें बिछाने और संवेदनशील क्षेत्रों में बड़े रोड बनाने पर प्रतिबंध की सिफारिश की थी, इसके साथ ही संरक्षित क्षेत्रों में विकास पर अंकुश लगाने की भी सिफारिश की थी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- स्थानीय लोगों का कहना था कि पर्यटन से रोजगार मिल रहा है। उनका कहना सही हो सकता है, पर, यह भी सत्य है कि जरूरत से ज्यादा पर्यटन व इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास के कारण ही ''लैण्ड स्लाइड'' हुआ।
- वैस्टर्न घाट की पहाड़ियों में स्थित वायनाड में हमेशा बरसात में लैण्ड स्लाइड होता है, पर, इस बार वायनाड के वो भाग भी विनाश की चपेट में आए, जहां कभी लैण्ड स्लाइड नहीं हुआ था।
- इस संदर्भ में 2011 में केन्द्र सरकार द्वारा गठित कमेटी की रिपोर्ट का जिक्र किया जा रहा है, जिसमें वैस्टर्न घाट में सड़क, रेल विस्तार तथा खनन पर प्रतिबंध लगाने की बात कही गई थी, पर, केरल सरकार ने वह रिपोर्ट ठुकरा दी थी।

राहुल ने की जयशंकर से मुलाकात

नयी दिल्ली, 05 अगस्त। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की और बंगलादेश के राजनीतिक हालात पर विचार विमर्श किया।

कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, गांधी ने संसद भवन परिसर में विदेश मंत्री से मुलाकात की और वहां के हालात पर चर्चा की।

- विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने विदेश मंत्री जयशंकर के साथ बांग्लादेश के राजनैतिक हालात पर चर्चा की।

बंगलादेश में प्रदर्शनकारियों द्वारा संसद भवन तथा आसपास के इलाकों पर कब्जा करने के बाद प्रधानमंत्री शेख हसीना द्वारा पद से इस्तीफा देने और सेना के विशेष विमान से भारत के लिए रवाना होने के बाद गांधी ने विदेश मंत्री से मुलाकात की।

बांग्लादेश में भारी बवाल, प्रधानमंत्री शेख हसीना ने देश छोड़ा, सेना ने कमान संभाली

फिलहाल वे भारत में हैं और स्थायी व्यवस्था होने तक यहीं रहेंगी

-सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 अगस्त। बांग्लादेश में एक माह तक चले छात्रों के हिंसक विरोध प्रदर्शन और हिंसा के बाद सोमवार को बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना वाजिद ने प्रधानमंत्री पद से त्याग पत्र दे दिया और सेना प्रमुख वकार-उज़-ज़मान के हस्तक्षेप के बाद अपनी बहन शेख रेहाना के साथ देश छोड़कर भाग गईं। इससे पहले, ढाका में प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री आवास पर हमला बोल दिया।

इस बीच, ज़मान ने इस खबर की पुष्टि कर कहा कि शेख हसीना ने इस्तीफा दे दिया है तथा देश छोड़ कर चली गई हैं। यहां पहुंच रही मीडिया की खबरों के अनुसार, उन्होंने कहा है कि शीघ्र ही देश में एक अन्तरिम सरकार का गठन किया जाएगा।

ज़मान ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि ''पी.एम. हसीना ने इस्तीफा दे दिया है, अन्तरिम सरकार देश में शासन चलाएगी। हम देश में वापस शान्ति की बहाली करेंगे। हमने देश की जनता से हिंसा बंद करने को कहा है। हम सभी हत्याओं की जांच करेंगे जो कि पिछले कुछ सप्ताहों के दौरान हुई हैं।''

ज़मान ने कहा कि देश में कर्फ्यू या किसी प्रकार का आपातकाल लगाने की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि आज रात तक सेना इस वर्तमान संकट का समाधान निकाल लेगी।

शेख हसीना के लिए अगस्त माह एक बार फिर घातक सिद्ध हुआ है क्योंकि उनके पिता बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुज़िबुर रहमान की हत्या भी वहां 15 अगस्त 1975 को हुई थी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- गत एक माह से बांग्लादेश भारी हिंसा से जूझ रहा है, पर, आज हालात चरम पर पहुंच गए, लाखों प्रदर्शनकारी प्रधानमंत्री आवास की ओर बढ़ने लगे। बताया जाता है कि तब सेना प्रमुख की सलाह पर शेख हसीना ने इस्तीफा दिया और देश छोड़ दिया, सेना ने ही उनके सुरक्षित निकलने की व्यवस्था की।
- शेख हसीना के इस्तीफे के बाद प्रदर्शनकारी जश्न मनाने लगे, उन्होंने बांग्लादेश की आज़ादी के महानायक शेख मुजीबुर रहमान की मूर्ति भी गिरा दी।
- बांग्लादेश के सेना प्रमुख वकार-उज-ज़मान ने शेख हसीना के इस्तीफे और देश छोड़ने की पुष्टि की तथा लोगों से हिंसा रोकने की अपील की।
- बांग्लादेश में आरक्षण के खिलाफ शुरु हुए छात्र विरोध ने भारी दमन के बाद हिंसक रूप ले लिया। इस हिंसा में कई लोग मारे जा चुके हैं।

बांग्लादेश में इस घटना के बाद कानून व व्यवस्था की बिगड़ी हुई स्थिति के मद्देनज़र भारत में भी सीमा सुरक्षा बल ने भारत-बांग्लादेश की सीमा को लेकर हाईअलर्ट जारी किया हैं। बी.एस.एफ. के महानिदेशक भी इस बीच कोलकाता पहुंच गए हैं।

खबरों के अनुसार, शेख हसीना उनकी छोटी बहिन शेख रेहाना के साथ सेना के हैलिकाप्टर में सवार होकर सोमवार को दिन के लगभग 02.30 बजे बांग्लादेश से ''सुरक्षित स्थान'' के लिए निकल गईं।

बांग्लादेश में रविवार को पूरे दिन भारी हिंसा हुई और पूरे दिन चले संघर्ष में 14 पुलिसवालों सहित, 100 से अधिक लोगों की मौत हुई थी। हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतर गए और उन्होंने पुलिस एवं सत्तारूढ़ पार्टी के कार्यकर्ताओं पर हमला बोल दिया, कुछ पार्टी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बेसमेंट में विद्यार्थियों की मौत, एक्शन में सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली, 05 अगस्त। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली के राजेंद्र नगर इलाके में एक निजी कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में गत 27 जुलाई को पानी में डूबकर तीन विद्यार्थियों की मौत के मामले में सोमवार को स्वत: संज्ञान और नोटिस जारी किया।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने स्वत: संज्ञान लेते हुए केंद्र और दिल्ली सरकार को नोटिस जारी कर उनसे सुरक्षा मानदंडों पर जवाब मांगा। पीठ ने उनसे पूछा है कि, सभी कोचिंग सेंटरों में किस तरह के पर्याप्त सुरक्षा मानदंडों का पालन किया जा रहा है।

शीर्ष अदालत ने दिल्ली में तीन भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस)

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- सुप्रीम कोर्ट ने घटना का स्वतः संज्ञान लिया तथा केन्द्र सरकार व दिल्ली सरकार को नोटिस भेजा।

विचार बिन्दु

महान विचार ही कार्य रूप में परिणत होकर महान कार्य बनते हैं। –विनोबा

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक और क्रांतिकारी निर्णय

1 अगस्त 2024 को सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की सात सदस्य पीठ ने 6-1 के बहुमत से आरक्षण से सम्बंधित एक ऐतिहासिक और क्रांतिकारी फैसला दिया है। इस पीठ में मुख्य न्यायाधीश डॉक्टर डी वाई चंद्रचूडकर के अतिरिक्त अन्य न्यायाधीश थे, न्यायमूर्ति गवाई, न्यायमूर्ति बेला त्रिवेदी, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति पंकज मित्तल, न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा, और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा। इस फैसले में आरक्षण के पूरे विषय को एक नई दिशा दी है एवं वर्षों से चली आ रही आरक्षण के कारण आरक्षित वर्ग में उत्पन्न असंतुलन को सुधारने का एक अवसर दिया है।

अब तक यह माना जाता था कि अनुसूचित जाति और जनजाति का आरक्षण एक ऐसा पवित्र विषय है जिसे कोई छूना नहीं चाहता। कुछ वर्ष पूर्व उत्तर प्रदेश की सरकार ने पदोन्नति में अनुसूचित जाति, जनजाति के आरक्षण को समाप्त कर दिया था और माननीय उच्चतम न्यायालय ने भी उसे सही माना था, किंतु अनुसूचित जाति, जनजाति के द्वारा देशव्यापी प्रदर्शन और आंदोलन के परिणाम स्वरुप सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को प्रभावहीन करते हुए संसद के माध्यम से एक संविधान संशोधन कर दिया, जिसके द्वारा पदोन्नति में अनुसूचित जाति जनजाति के आरक्षण का प्रावधान कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय

पंजाब सरकार के 2006 के उस आदेश के संबंध में है जिस से सरकारी भर्तियों में अनुसूचित जातियों में से कुछ जातियों के लिए एक कोटा निर्धारित कर दिया था। इस निर्णय पर पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने इसे संविधान के विरुद्ध मानते हुए इस पर 2010 में रोक लगा दी थी। पंजाब सरकार द्वारा इस निर्णय के विरुद्ध सुप्रीम कोर्ट में अपील प्रस्तुत की गई जिस पर फरवरी, 2024 में विस्तृत सुनवाई के पश्चात यह निर्णय दिया गया है। इस निर्णय से पंजाब सरकार के अनुसूचित जातियों में से कुछ के लिए विशेष कोटा निर्धारित करने के आदेश को सही करार दिया गया है।

यह आश्चर्यजनक है कि अब तक किसी भी राजनीतिक दल ने इस निर्णय के संबंध में कोई टिप्पणी नहीं दी और चुप्पी साध ली है। शायद इसके राजनीतिक लाभ हानि का आकलन कर रहे हों। आरक्षण समर्थक विचारकों द्वारा निर्णय का विरोध किया जा रहा है और संविधान के विरुद्ध ठहराया जा रहा है। इससे पहले कि इस निर्णय के गुणवगुण पर विचार करें, इस निर्णय के प्रमुख बिंदुओं पर बात करना उपयुक्त होगा।

वर्ष 2004 में आंध्र सरकार बनाम चिन्नैया के निर्णय में उच्चतम न्यायालय ने स्पष्ट कर दिया था कि एस सी/एस टी में वर्गीकरण संविधान सम्मत नहीं है। तब से अब तक इसी दृष्टिकोण को सही माना जाता रहा है। इस निर्णय के द्वारा अब उच्चतम न्यायालय ने अपने पुराने निर्णय को बदल दिया है एवं राज्य सरकारों द्वारा अनुसूचित जातियों/जनजातियों के उप वर्गीकरण को संविधान सम्मत माना है। उच्चतम न्यायालय ने अपने बहुमत के निर्णय से स्पष्ट कर दिया है कि सभी अनुसूचित जाति और जनजाति को एक समान नहीं रखा जा सकता एवं इनका वर्गीकरण करना संविधान की भावना के विपरीत नहीं है। पूर्व में 2004 में माननीय उच्चतम न्यायालय ने चिनाइया बनाम आंध्रप्रदेश सरकार के प्रकरण में यह निर्णय दिया था कि संविधान में जो अनुसूचित जातियां और जनजातियां दर्ज हैं, उनको विभाजित नहीं किया जा सकता, एवं यदि ऐसा किया जाता है तो यह संविधान के विरुद्ध होगा। अब सुप्रीम कोर्ट की सात सदस्यीय पीठ ने इस निर्णय को बदल दिया है एवं यह स्पष्ट कर दिया है कि सभी एस टी, एस टी जाति एक समान नहीं हैं। इनमें से कुछ जातियां गत वर्षों में मिले आरक्षण के लाभ के कारण सामाजिक एवं शैक्षिक रूप से अन्य के मुकाबले में अधिक बेहतर स्थिति में आ गई हैं। इसके फल स्वरुप, आरक्षण का अधिकांश लाभ इन्हीं जातियों ने लेना प्रारंभ कर दिया है और अन्य कई जातियों को लगभग नगण्य लाभ मिला है।

न्यायमूर्ति बी आर गवाई ने तो यहां तक कहा कि अनुसूचित / जनजाति में भी क्रीमी लेयर के सिद्धांत को लागू किया जाना चाहिए, जैसे ओबीसी के लिए किया जाता है। इसका अर्थ यह हुआ कि जिन परिवारों की आय अधिक हो गई है एवं जिनकी सामाजिक स्थिति भी सुदृढ़ हो गई है उन्हें, इसी वर्ग की अन्य जातियों के निर्धन व्यक्तियों के बराबर नहीं माना जा सकता। माननीय न्यायाधीशों ने उदाहरण देते हुए बताया कि यदि आरक्षण के कारण अनुसूचित जाति/ जनजाति वर्ग का कोई व्यक्ति आईएएस, आईपीएस या किसी अखिल भारतीय सेवा में आ जाता है एवं उसके बच्चे यदि अच्छे अंग्रेजी माध्यम के प्रतिष्ठित स्कूल में अध्ययन करते हैं तो उनकी तुलना में एस सी/ एस टी वर्ग के उन व्यक्तियों का चयन संभव ही नहीं है जो ग्रामीण इलाकों के सरकारी विद्यालयों में बिना सुविधा के पढ़कर निकलते हैं। अत: उल्लिखित जातियों को उप विभाजित करके गैर क्रीमी लेयर को आरक्षण का विशेष लाभ दिया जाना उपयुक्त होगा। उदाहरण के लिए, जनजातियों में पूर्वी राजस्थान के मीना परिवारों के अनेक सदस्य अखिल भारतीय सेवाओं में चयनित हुए हैं। जनजाति के लिए आरक्षण का अधिकांश लाभ इन्हीं के हिस्से में आता है, जबकि इनसे कहीं अधिक पिछड़े अनुसूचित जनजाति जैसे गरासिया, भील, सहरिया आदि का प्रतिनिधित्व उच्च शिक्षण संस्थानों एवं अखिल भारतीय सेवाओं एवं राज्य सेवाओं में लगभग नगण्य है। सुप्रीम कोर्ट ने इस बात की भी चेतावनी दी है कि उप वर्गीकरण राजनीतिक आधार पर नहीं किया जाए अपितु विभिन्न जातियों की शैक्षिक, सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति की पूरी जानकारी प्राप्त करके, विश्लेषण के पश्चात सोच समझकर निर्णय लिया जाए।

उच्चतम न्यायालय का यह निर्णय ऐतिहासिक, क्रांतिकारी और दूरगामी प्रभाव वाला है। अब देखना यह है कि वास्तव में यह फैसला धरातल पर लागू हो पाता है या राजनीतिक स्वार्थ के कारण संसद में इसको भी उसी प्रकार बदल दिया जाएगा जैसा पदोन्नति में अनुसूचित जाति / जनजाति के आरक्षण के संबंध में किया गया था।

यह प्रश्न महत्वपूर्ण है कि 70 वर्षों में आरक्षण का लाभ किसे मिल रहा है और किसे मिलना चाहिए? आरक्षण की समीक्षा के बारे में संविधान में भी प्रावधान था कि प्रत्येक 10 वर्ष में आरक्षण की समीक्षा की जाएगी ताकि उसे अधिक विधि सम्मत बनाए जा सके। दुर्भाग्य से ऐसा हुआ नहीं और आरक्षण निरंतर एक ही पद्धति के आधार पर चलता रहा। आर्थिक स्थिति से संपन्न होने के कारण कई एस सी/एस टी के बच्चे शहरों के श्रेष्ठ विश्वविद्यालय में अध्ययन कर रहे हैं। इनकी तुलना में कई ऐसी जातियां हैं जिन्हें आरक्षण का लाभ एक भी बार नहीं मिला एवं वह अन्य की तुलना में कई अधिक पिछडते जा रहे हैं।

यह आश्चर्य की बात है कि निर्णय आए दो-तीन दिन हो चुके हैं किंतु अब तक किसी भी प्रमुख राजनीतिक दल की ओर से कोई प्रतिक्रिया इसके समर्थन या इसके विरोध में नहीं आई है। स्पष्ट है कोई भी दल अनुसूचित जाति और जनजाति की कमजोर जातियों को एवं इनके निर्धन व्यक्तियों को नाराज नहीं करना चाहता, क्योंकि चुनाव के समय उनकी बहुत बड़ी भागीदारी रहती है।

सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय सामान्य जन की वर्षों पुरानी इस मांग की पूर्ति करता है कि आरक्षण की समीक्षा विवेकपूर्ण ढंग से निष्पक्षता के साथ की जाए ताकि आरक्षण का लाभ वास्तव में उन व्यक्तियों तक पहुंचे जो अब तक इससे वंचित हैं।

यह उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का आरक्षण समर्थक कुछ विचारकों द्वारा विरोध किया जा रहा है। विरोध का एक आधार केवल यह है कि क्रीमी लेयर के व्यक्तियों की पहचान करना संभव नहीं है। हमने हाल ही में देखा है की पूजा खेडकर के परिवार ने किस प्रकार स्वयं को गैर क्रीमी लेयर का बताते हुए ओबीसी श्रेणी में गलत लाभ लिया था, जबकि उसके पिता की संपत्ति 40 करोड़ रुपए के लगभग थी। जो व्यक्ति व्यवसाय में है, उनकी आय के बारे में आकलन संभव नहीं है। जिस प्रकार स्वयं को गैर क्रीमी लेयर का बताते हुए ओबीसी में लाभ ले लेते हैं, वैसे ही अनुसूचित जाति, जनजाति में भी ग़ैर क्रीमी लेयर का लाभ लिया जा सकता है।

माननीय उच्चतम न्यायालय ने सरकार को यह निर्देश भी दिए हैं कि उपवर्गीकरण का अधिकार राज्य सरकारों को है। यह अवश्य है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को धरातल पर लागू करना टेढ़ी खीर सिद्ध होगा। प्रत्येक जाति स्वयं को अन्य से पिछड़ा हुआ सिद्ध करने में लगेगी एवं सरकार के लिए स्पष्ट आंकड़ों के भाव में किसी भी जाति को कमजोर मानना सरल नहीं होगा। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि किसी भी जाति की ओर से सामान्यतया वही व्यक्ति पैरवी करते हैं जो प्रभावशाली पद प्राप्त कर चुके हैं। उन्हीं जातियों के कमजोर एवं पिछड़े लोगों की निर्णय में कोई भागीदारी नहीं है एवं न ही उनकी बात को गंभीरता से सरकार द्वारा सुना जाता है। जैसा किसी भी जाति को उप वर्गीकृत करके आरक्षण में आरक्षण का लाभ दिया जाना संभव नहीं होगा।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला ऊपरी तौर पर कितना ही न्याय संगत और उपयुक्त क्यों ना लगे, इसका क्रियान्वयन किस प्रकार होगा यह स्पष्ट नहीं है। माननीय न्यायालय ने स्वयं यह कहा है कि बिना वस्तुनिष्ठ आंकड़े इकट्ठे किए और बिना विश्लेषण और विवेचना के उप वर्गीकरण नहीं किया जा सकता।

भारत में जातिगत जनगणना अंतिम बार 1935 में हुई थी। कुछ वर्षों से जातिगत जनगणना की मांग कई दलों द्वारा की जाती रही है किंतु अब तक इस बारे में एक राय नहीं बन पाई है। इस निर्णय के विरोधियों का यह भी तर्क है कि एस सी/एस टी में उपवर्गीकरण की बात की जाती है तो फिर यही सिद्धांत सामान्य वर्ग पर लागू क्यों नहीं किया जाता? क्या सामान्य वर्ग के लोगों में सभी जातियों को विभिन्न प्रवेश संस्थानों और नौकरियों में प्रतिनिधित्व समान रूप से प्राप्त हो पाया है? यदि नहीं तो फिर उनमें उप वर्गीकरण की बात क्यों नहीं उठाई जाती? एस सी/एस टी के कुछ नेताओं ने इसे दलित और आदिवासियों में फूट डालने वाला निर्णय भी बताया है। निर्णय के विरोधियों का यह तर्क भी है कि एक या दो पीढ़ी के अच्छी नौकरी में आ जाने मात्र से उसकी सामाजिक वंचना समाप्त नहीं हो जाती है। जाति जनजाति का आरक्षण कोई गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम नहीं है अत: संपन्नता का मापदंड आरक्षण में लागू करना सही नहीं है। उन्हें यह पूछा जाना चाहिए कि जब नौकरियों में आरक्षण के कारण सामाजिक वंचना पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है तो फिर इसके लिए आरक्षण को इसका उपाय मानना कहां तक सही है?

भेदभाव केवल सवर्णों और अनुसूचित जातियों/ जनजातियों में ही नहीं होता। एक अनुसूचित जाति के सदस्य ही कई बार अन्य अनुसूचित जातियों के साथ अछूत सा व्यवहार करते हैं। यह तो सही है कि अनुसूचित जातियों में जितनी जातियां सम्मिलित हैं वे सभी सामाजिक और शैक्षिक रूप से समान रूप से वंचित नहीं रहे हैं।

माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय के संदर्भ में ऐसा लगता है कि इंडिया गठबंधन के द्वारा उठाई गई जाति गत जनगणना की मांग सही है क्योंकि इसी के आधार पर यह पता चल पाएगा कि किस जाति की आर्थिक और सामाजिक स्थिति में, वर्षों में, कितना सुधार हुआ है ?

उच्चतम न्यायालय का यह निर्णय ऐतिहासिक, क्रांतिकारी और दूरगामी प्रभाव वाला है। अब देखना यह है कि वास्तव में यह फैसला धरातल पर लागू हो पाता है या राजनीतिक स्वार्थ के कारण संसद में इसको भी उसी प्रकार बदल दिया जाएगा जैसा पदोन्नति में अनुसूचित जाति / जनजाति के आरक्षण के संबंध में किया गया था।

उच्चतम न्यायालय ने आरक्षण की समीक्षा के बारे में बहस तो छेड ही दी है। यह तो भविष्य के गर्भ में है कि वास्तव में ऐसा होगा या नहीं?

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

पिछले सालों में नैतिकता का स्थान अनैतिकता ने ले लिया है, जाने इसका दुष्प्रभाव

डॉ. जे.के.गर्ग

एक जमाना ऐसा भी था जब देश में जन नेता आम जनता की बात/समस्याओं को ध्यान से सुनते थे किन्तु आज सिर्फ व्यापारिक घरानों की ही बात सुनी जाती है।

एक जमाने में नेताओं का लक्ष्य गरीब से भी गरीब की भलाई के कार्यक्रमों को केंद्र में रख कर नीतियां बनाई जाती थी किन्तु आज तो सिर्फ पूंजीपतियों और उद्योगपतियों के हित साधन के लिये नीतियाँ बनाई जाती है।

किसी जमाने में नेताओं के चारों तरफ साधारण जनमानस होते थे किन्तु आज के नेताओं के चारों तरफ उनके बन्दूकधारी कमांडों ही रहते हैं।

किसी जमाने में गांधीजी जैसे जन नेताओं के नाम पर कसमे खाई जाती थी किन्तु आज के जमाने में माता आज के नेताओं का नाम लेकर अपने बच्चों को डराया करती हैं।

कोई समय था जब समाज विरोधी तत्व गुंडे/अपराधियों का घर जेल ही होता था किन्तु आज मता अधिकार प्राप्त नागरिक उन्हें ससम्मान चुनावों में जीत दिला कर लोकसभा/ विधानसभा/ नगर निगम आदि में भेजते हैं।

किसी जमाने में पंचों को परमेश्वर माना जाता था किन्तु आज पंच/सरपंच न्याय से कोसों दूर रहते हैं और सिर्फ अपने स्वार्थ के लिये न्याय का खुलेआम कत्ल करते हैं।

किसी जमाने में सिद्धांतों पर राजनीति की जाती थी, राजनेता जीवन पर्यन्त अपने अपने सिद्धांतों पर अटल रहते थे किन्तु आज तो अपने तुच्छ निजस्वार्थों के खातिर पार्टी बदल सत्ताशीन होने की होड़ मची है, कल तक वें जिन आदर्श और सिदांत का खुले आम विरोध करते आज वें ही उनका गुणगान कर उनके शरणागत होने में अपनी शान समझते हैं।

एक समय था जब अख़बारों की निती का निर्धारण अख़बार के संपादक सर्वहित में निस्वार्थ भावना से करते थे, सच्ची, सही खबरें प्रकाशित होती थी किन्तु आज औद्योगिक घराने समाचार पत्रों के सम्पादकों को अपना सेवक बना कर अख़बार एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के जरीयें अपने स्वार्थ पूर्ति हेतु आधी सच्ची-झूठी खबर देकर जनमानस को भ्रमित कर अपने व्यापारिक स्वार्थ एवं अपने राजनैतिक आकाओं की जी हजुरी के लिये करते हैं। पेड न्यूज के जरिये सत्ता प्राप्त की जाती है। फेक न्यूज को फैलाने में मीडीया सेल मुख्य भूमिका निभाते है।

कोई समय था जब साधारण जनता भी डॉक्टर एवं शिक्षक गुरु का का दिल से आदर और सम्मान करती थी उन्हें अपना आदर्श मानती थी किन्तु आज तो डॉक्टर-गुरु को चाहिए सिर्फ पैसा-पैसा-पैसा।

एक जमाने में शिक्षक शिक्षा प्रदान करता था और शिष्य शिक्षा ग्रहण करता था किन्तु आज शिक्षक पूर्णता से व्यापारी बन गया है और शिष्य उसके उत्पाद का खरीददार हो गया है।

एक वक्त जनसंख्या एक बड़ी और विकराल समस्या बन गयी थी किन्तु आज यह एक उभरता बाज़ार बन चुका है।

एक जमाने में गोल्डन रूल से शासन चला करते थे किन्तु आज अगर आप के पास गोल्ड (सोना) हो तो ही आप शासन कर सकते हैं।

एक जमाने में जीवन मे सफलता का अर्थ था अपने सिद्धांतों एवं आदर्शों पर चल कर जीना किन्तु आज के समय सफलता अर्जन के लिये जरूरी है अपने सिद्धांतों और आदर्शों को तिलांजलि देना उन्हें पूरी तरह से भूल जाना।

एक जमाने में आदमी अपनी आत्मा के कल्याण हेतु सच कहना, सच सुनना और सच देखना आवश्यक मानता था किन्तु आज सफलता प्राप्त करने/ आगे बढने के लिये इन को तिलांजलि देकर, निजी स्वार्थ के लिये ही झूठ बोलना, झूठ सुनना और झूठ को सच बना कर प्रचार करना जायज बन चुका है।

एक जमाने में धार्मिक सहिष्णुता हमारी संस्कृति का अभिन्न होता था किन्तु आज तो धार्मिक उन्माद का बोलबाला है।

एक जमाने में सुंदरता आंखों में बसती थी किन्तु आज सुन्दरता को व्यापार एवं धन कमाने की वस्तु बना दिया गया है।

एक जमाने में सरकार निष्पक्ष/ तर्कसंगत/न्यायसंगत तरीके से काम करती थी, सेक्स के प्रदर्शन को हेय एवं गंदा माना जाता था किन्तु आज के समय इसके बारे में क्या कहा जाये, पता नहीं?

किसी जमाने में नारी का सर्वत्र सम्मान होता था किन्तु आज के वक्त में बलात्कार, अपहरण की घटनायें आम हो गई है, नारी को वास्तव में सुरक्षा एवं सम्मान प्रदान करवाने के स्थान पर इन घटनाओं का राजनीतिकरण कर राजनैतिक लाभ प्राप्त करने की कोशिश की जाती है। एक समय मे कहा जाता था कि इतिहास सच का आईना होता वो कभी झूठ नहीं बोलता किन्तु आज के जमाने मे कतिपय चाटुकार अपनी सोच/ भावनाओं के अनुसार इतिहास को बदलने की कोशिश करते हैं और सफल भी होते हैं।

एक जमाने मे स्वस्थ प्रतिस्पर्धा/ प्रतिद्वंद्विता के फलस्वरूप श्रेष्ट गुणवत्ता वाले उत्पादों का निर्माण होता था किन्तु आज तो तथाकथित प्रतिस्पर्धा/ प्रतिद्वंद्विता की वजह से आदमी-आदमी के बीच ईर्ष्या/कलह उत्पन्न हो रही है, इंसानियत का जज्बा केवल कागजों में रह गया है।

एक जमाने में हमारी संस्कृति में वाणी की हिंसा को शारीरिक हिंसा से भी बुरा माना जाता था किन्तु आज के उच्चतम पद पर आसीन लोग अनर्गल आरोप-प्रत्यारोप, दोषारोपण, चरित्र हनन द्वारा जनमानस को भ्रमित कर सत्ता प्राप्त करने का कोई अवसर नहीं छोड़ते हैं, उनके लिये एन केन प्रकारेन सत्ता प्राप्त करना हीं एक मात्र लक्ष्य होता हैं।

किसी समय में कारीगर/ दस्तकार/शिल्पकार गुणवत्ता वाले उत्पाद का सर्जन कर अपने आपको गौरवान्वित अनुभव करता था किन्तु आज गुणवत्ता मात्र डिपार्टमेंटल वस्तु बन गयी है।

एक समय माउस को अछूत मैमल (स्तनधारी जीव) समझा जाता था किन्तु आज माउस को खुशी-खुशी हाथ से पकड़ कर उससे काम किया जाता है।

एक जमाना था जब बुद्धीजीवी, अपनी बुद्धि से लोगों को जागरूक करते थे, किन्तु एक जमाना अब है जब बुद्धि का प्रचार अपनी ब्रांडेड महंगे शर्ट और शर्ट पर खुलेआम हास्यास्पद तरीके से प्रदर्शित किया जाता है। आज गरीब और ज्यादा गरीब बन रहा है अमीर ज्यादा अमीर बन रहा है।

एक समय था जब हंस मोती देते थे और खुद दाना-चुनेगा खाते थे और एक जमाना अब है जब, कौवें मोती खाते हैं। समय-समय का भेद है--समय-समय का नजरिया है--सबको साधुवाद।

समय बड़ा बलवान।

–डॉ. जे.के गर्ग,
पूर्व संयुक्त निदेशक कॉलेज शिक्षा जयपुर

साइकिल यात्रा से हरिद्वार से गंगाजल लेकर उज्जैन महाकालेश्वर मंदिर में करेंगे जलाभिषेक

शाहपुरा, (निसं)। सावन मास में साइकिल से यात्रा करने वाले हरियाणा राज्य के करनाल जिले के रवि शर्मा का शाहपुरा पहुंचने पर श्री श्याम मंदिर सेवा समिति के कोषाध्यक्ष राजेश मंडोवरा के नेतृत्व में सचिव अनिल कुमार नरवल के मुख्य अतिथि में श्याम बाबा का दुपट्टा व माला पहनाकर अभिनंदन किया गया। श्याम मंदिर कमेटी के कोषाध्यक्ष राजेश मंडोवरा व सचिव अनिल कुमार नरवल ने बताया कि रवि शर्मा साइकिल यात्रा से हरिद्वार से गंगाजल लाकर उज्जैन महाकालेश्वर मंदिर में शिव जी का जलाभिषेक करेंगे। गंगाजल का कलश साइकिल पर बांधकर यात्रा कर रहे है। हरिद्वार से उज्जैन महाकालेश्वर यात्रा 11 दिन में पूरी होगी। साइकिल यात्री रवि शर्मा रोजाना 100 किलोमीटर साइकिल से यात्रा कर रहे है। कोषाध्यक्ष मंडोवरा ने बताया कि इससे पहले साइकिल यात्री रवि शर्मा केदारनाथ, वैष्णो देवी व अयोध्या आदि जगह साइकिल से यात्रा कर चुके है। श्याम मंदिर कमेटी के द्वारा साइकिल यात्री रवि शर्मा को भोजन प्रसादी व रात्रि विश्राम के लिए संपूर्ण व्यवस्था की गई। स्वागत के दौरान मनीष शर्मा, रामजस यादव, मुकेश सेन, भागीरथ योगी, दिनेश सैनी, लक्ष्मी नारायण सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

हरियाणा राज्य के करनाल जिले के रवि शर्मा का शाहपुरा पहुंचने पर लोगों ने स्वागत किया।

■ **रवि शर्मा इससे पूर्व केदारनाथ, वैष्णों देवी व अयोध्या साइकिल यात्रा कर चुके है।**

बीसलपुर बांध में 86 सेंटीमीटर पानी की आवक हुई

देवली (नि स) उपखंड क्षेत्र और कैचमेंट एरिया में लगातार बारिश होने की वजह से बीसलपुर बांध में सोमवार शाम 8:00 बजे तक 86 सेंटीमीटर पानी की आवक हुई है। सोमवार शाम 8:00 बजे तक बीसलपुर का जलस्तर 311 मीटर को छू गया है। शनिवार तक बीसलपुर बांध का जलस्तर 310, 14 तक स्थिर था यहां शनिवार की देर रात को शुरू हुई बारिश ने सोमवार की सुबह तक देवली उपखंड क्षेत्र को पानी से सराबोर और कर दिया। जानकारी के अनुसार उपखंड क्षेत्र में कल हुई व्यापक वर्षा के फलस्वरूप बीसलपुर परियोजना के कमाण्ड क्षेत्र में धुआँकला स्थित मोती सागर बाँध और करीमपुरा स्थित दाखियाँ बांध अपनी पूर्ण भराव क्षमता प्राप्त की और चादर चली। सोमवार को सायँ 6:00 पर मोतीसागर पर 5 इंच और दाखियाँ बांध पर डेढ़ फुट चादर चल रही थी। इधर बीसलपुर परियोजना के अधिशासी अभियंता मनीष बंसल ने जानकारी में बताया कि मोतीसागर बाँध की पूर्ण भराव क्षमता 454 और दाखियाँ बाँध की 303 है। ऐसे क्षेत्र के बांधों की स्थिति का जायजा सोमवार को लिया गया इस मौक़े पर बीसलपुर परियोजना के अधीक्षण अभियंता वीरेंद्र सिंह सागर,अधिशाषी अभियंता मनीष बंसल, सहायक अभियंता जगदीश मीना तथा कनिष्ठ अभियंता पूरण बैरवा व साहून दीन ने क्षेत्र के बांधों की भराव क्षमता और स्थिति का भी निरीक्षण किया। वही जानकारी यह भी सामने आई की

उपखंड क्षेत्र के चांदली तालाब की चादर भी चल पड़ी। यहां लोगों ने बताया कि 2 साल बाद चांदली का तालाब गत वर्ष अपनी भराव क्षमता तक नहीं भर पाया था लेकिन इस वर्ष सावन के महीने में तालाब अपनी भारत और क्षमता को पार करते हुए तालाब के ऊपर लगभग 6 से 8 इंच तक की चादर चल पड़ी।

अधीक्षण अभियंता वीरेन्द्र सिंह सागर ने बीसलपुर बांध का जायजा लिया।

राशिफल मंगलवार 6 अगस्त, 2024

पंडित अनिल शर्मा

सावन मास, शुक्ल पक्ष, द्वितीया तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2081, भद्रा नक्षत्र सायं 5:44 तक, वारियान योग दिन 10:59 तक, बालव करण प्रात: 6:58 तक, चन्द्रमा आज सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कर्क, चन्द्रमा-सिंह, मंगल-वृष, बुध-सिंह, गुरू-वृष, शुक्र-सिंह, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज राजयोग सायं 5:44 से आरम्भ होगा। आज चन्द्र दर्शन, उत्तर श्रृंगोन्नति, सिंजारा (तीज का), मंगला गौरी पूजा है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:15 से 10:54 तक, लाभ-अमृत 10:54 से 2:51 तक, शुभ 3:50 से 5:29 तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 5:58, सूर्यास्त 7:08

मेष
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

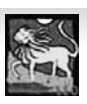

सिंह
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

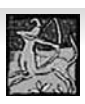

धनु
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है। परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

वृष
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी।

कन्या
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। पारिवारिक कारणों से मानसिक तनाव बना रहेगा। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा।

मकर
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

मिथुन
परिवार में शुभ-मांगलिक संदेश प्राप्त होंगे। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक-सामाजिक कार्य के लिए बाहर जा सकते हैं। व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा।

तुला
आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

कुंभ
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कर्क
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
अस्त-व्यस्त कार्य व्यवस्थित होने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

प्राचार्य को ज्ञापन सौपा

गंगापुर सिटी । अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) इकाई वजीरपुर के पदाधिकारी-कार्यकर्ताओं ने गवर्नमेंट गर्ल्स कॉलेज में अगस्त महीने में परिसर चलो अभियान का शुरू किया।

इसके तहत परिषद के पदाधिकारी-कार्यकर्ता पूरी तरह से प्रयास कर रहे हैं, लेकिन कॉलेज में छात्राओं की उपस्थिति कम हो रही है। कॉलेज में 500 छात्राओं में से 20०-30० ही दिखाई देती हैं। उन्होंने उपस्थिति बढाने के लिए प्रिंसिपल को ज्ञापन दिया। कॉलेज एसएफएस संयोजक पिंकी सैनी ने बताया कि सरकार की ओर से कालेजों की स्थापना एक विशेष उद्देश्य से की गई है।

इसी को ध्यान में रखते हुए कॉलेजों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए 75 प्रतिशत उपस्थिति को अनिवार्य किया जाए।

एबीवीपी की इकाई सचिव खुशी जागिड ने बताया कि गवर्नमेंट गर्ल्स कॉलेज में लगभग 500 छात्राएं हैं, लेकिन कॉलेज में 25-30 विद्यार्थी ही दिखाई देती हैं। उन्होंने प्रिंसिपल प्रो. रमेशचंद बैरवा से इस दिशा में कठोर कदम उठाने की मांग की है। एबीवीपी कॉलेज इकाई उपाध्यक्ष राशि ने बताया कि गवर्नमेंट गर्ल्स कॉलेज वजीरपुर गंगापुर सिटी में छात्राओं की उपस्थिति कम देखने को मिल रही है।

उपखण्ड अधिकारी ने निरीक्षण किया, 52 कर्मचारी अधिकारी अनुपस्थित

पहाड़ी (निस)। उपखण्डाधिकारी, तहसीलदार पहाडी ने सोमवार को विभिन्न कार्यलयो का औचक निरीक्षण किया। जिसमें 52 कर्मचारी व अधिकारी अनुपस्थित पाऐ गए।

■ **पंचायत समिति में 23, मुख्य ब्लॉक शिक्षाधिकारी 6, ब्लॉक सांख्यिकी अधिकारी 2, एंव सहायक अभिंयता कार्यलय जेवीवीएनएल पहाड़ी के कार्यलय में 21 अधिकारी कर्मचारी औचक निरीक्षण मे अनुपस्थित पाऐ गए।**

उपखण्डाधिकारी, तहसीलदार पहाडी ने सोमवार को विभिन्न कार्यलयो का औचक निरीक्षण किया।

जानकारी के अनुसार उपखण्डाधिकारी सुनीता यादव, तहसीलदार अनील कुमार वर्मा ने पचांयत राज विभाग के पंचायत समिति में 23, मुख्य ब्लॉक शिक्षाधिकारी 6, ब्लॉक सांख्यिकी अधिकारी 2, एंव सहायक अभिंयता कार्यलय जेवीवीएनएल पहाडी के कार्यलय में 21 अधिकारी कर्मचारी औचक निरीक्षण मे अनुपस्थित पाऐ गए।

पंचायत राज विभाग के कार्यवाहक विकास अधिकारी मुरारी लाल गौतम, सुन्दर सिह अतिरिक्त विकास अधिकारी के 2 दिवस के, टीकमंचंद मीना सहायक विकास अधिकारी के 3 दिवस के, सहायक अभिंयता गंगाराम 2 दिवस, सतवीर सिह लेखा सहायक द्वितीय, यशवन्त सिह सहायक प्रशासनिक अधिकारी, आर्शीष कुमार एएसओ, श्रीचंद मीना, लौकमणी शर्मा, निरंजन सिह मीना, सतवीर सिह वरिष्ठ सहायक, केजयगोपाल सहायक कर्मचारी के 1 दिवस के, उदय सिह सहायक कर्मचारी 2 दिवस के, बी.सी (एसबीएम) भगवानसिह, कम्प्यूटर ऑपरेटर नरेगा राहुल शर्मा, लोकेश सेनी, इरफान खान, वाहन चालक धमेन्द्र के 2 दिवस के, कनिष्ठ तकनीकी सहायक बलराम के 1 दिवस के, कनिष्ठ तकनीकी सहायक देवदत 3 दिवस के, कनिष्ठ तकनीकी सहायक सुखदेव, लेखा सहायक भूदेव शर्मा, सौजन्य सिह 1 दिवस के, ब्लॉक सांख्यिकी अधिकारी वन्दना चौधरी 2 दिवस के, अनिल कुमार संगणक के 1 दिवस के, विधुत विभाग के कुलदीप सिह, दीपक मीणा, सीए द्वितीय, दिनेश कुमार, जीवन लाल, जुबेर खॉं, टीईसीएंच प्रथम, धर्मवीर सिह ईएस, कृष्ण कुमार हेल्पर के 1 दिवस के, सहायक अभिंयता आनन्द तिवारी, राहुल रातावाल कनिष्ठ सहायक, विक्रम कुमार, विक्रम सिह गुर्जर, प्रदीप कुमार, तकनीकी सहायक के 2 दिवस के, चरण सिह, राजेश कुमार, रामकिशन, सुशील कुमार, रवि कुमार तकनीकी सहायक, हर गोविन्द हेल्पर, दामोदर लाल 1 दिवस के, मोहनसिह तकनीकी सहायक 2 दिवस, दिनेश चंद तकनीकी सहायक के 4 दिवस, शिक्षा विभाग के एमआईएस विशाल पाठक, रोबिन वर्मा बीसीआई, सुनीता प्रबोधक 1 दिवस के, पालेन्द्र सिह प्रयोग शाला सहायक, प्रेमप्रकाश शर्मा कनिष्ठ सहायक के 2 दिवस व ललित कुमार वरिष्ठ सहायक एक दिवस के उपस्थिति रजिस्ट्रर मे अनुपस्थित पाए गए है। जिनकी रिपोर्ट अग्रीम कार्यवाही हेतु जिला कलेक्टर को प्रेषित कर दी गई है।

सार-समाचार

प्रशिक्षण का समापन

भरतपुर (निस)। ग्रामीण एंव विकास मंत्रालय और राजस्थान सरकार के तत्वाधान में पंजाब नैशनल बैंक द्वारा संचालित पीएनबी ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान द्वारा गॉव सांतरूक ब्लॉक कुम्हेर जिला डीग में 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आचार पापड मसाला पाउडर मेकिंग बैच का समापन पीएनबी मण्डल प्रमुख प्रमोद कुमार के नेतृत्व में पीएनबी आरसेटी निदेशक उपेन्द्र कुमार श्रीवास्तव द्वारा दीप प्रज्जवलन एवं ईश वन्दना के साथ किया गया, प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षणार्थियों द्वारा निर्मित विभिन्न प्रकार के आचार जैसे नींबू का आचार, आम का आचार, लाल मिर्च का आचार, हरी मिर्च का आचार, करौजा का आचार एवं मूग दाल, उडद दाल बेशन पापड, मसाला पाउडर में गरम मसाला, मैगी मसाला, सांबर मसाला आदि की जानकारी प्राप्त कि तथा निर्मित सभी साम्रगी की प्रशंसा भी की। उपेन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने बैंकों से सम्बधित सभी जानकारी बताई गई कि किस प्रकार बैकों के आधुनिक तरीकों का प्रयोग किस जा सकता है। जैसें पीएनबी वन ऐप, एम पासबुक तथा उनकें द्वारा ऋणों के सम्बधित जानकारियां भी दी गई और यह भी बताया कि किस प्रकार समाज में महिलाओं के लिए सामजिक कुरतिया व्याप्त है, समाज में महिलाओं को पुरूषों से कम समझा जाता है। उनके द्वारा महिलाओं को महिला सशतीकरण के बारे में बताया किस प्रकार वर्तमान में महिलाएं भारत के विभिन्न पदों पर अपनी सेवाएं दे रही है, उन्होने उदाहरण देते हुए भारत के सर्वोच्च पद राष्ट्रपति के पद पर एक महिला के सेवा का उदाहरण दिया गया। उनके द्वारा सभी महिला प्रशिक्षणाथियों को प्रशिक्षण प्राप्त कर भविष्य में आगे बढने की एवं सफल उद्यमी की शुभकामनाऐं दी।

कावड़ यात्रा हरिद्वार के लिए रवाना

भरतपुर (निस)। सोमवार सुबह देवी मंदिर स्थित रणजीत नगर से भरतपुर साइकिल क्लब की कावड यात्रा हरिद्वार के लिए रवाना हो गई। बीसीसी अध्यक्ष पंकज गोयल ने बताया कि कावड यात्रा अपनी तरह से अलग है। यह यात्रा साइकिल से अपने तय समयानुसार भरतपुर आएगी। इस दल में कुल 31 सदस्य हैं। भरतपुर संभाग की यह एक अकेली इस तरह की कावड यात्रा है। बीसीसी सचिव जीवन जैन ने बताया कि आज यहां देवी मंदिर पर प्रारंभ के समय यहाँ के गणमान्य तथा बुजुर्ग व्यक्तियों ने दुप्पटा पहना कर यात्रा के सकुशल पहुंच कर आने की कामना की तथा कहा कि यह यहां के युवकों का बहुत ही अच्छा धर्म के प्रति एक रुझान होना एक सकारात्मक संकेत है। बीसीसी संरक्षक लोकेश अग्रवाल तथा नवीन पाराशर ने बताया इस कावड यात्रा में इस यात्रा में धर्म के साथ पर्यावरण के लिए एक संदेश दे रहे है। जिसमे सदस्य जाते समय नमी बाले एरिया में बीजों का रोपण करते हुए जा रहे है।

सफाई कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया

डीग (निस)। पूरे प्रदेश में सफाई कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर हड़ताल पर हैं और हड़ताल के चलते डीग शहर की सफाई व्यवस्था चरमरा गई है। जिसके चलते शहर की वार्डों में जगह जगह कचरे के ढेर लगे हुए हैं। सोमवार को सफाई कर्मचारी संघ के अध्यक्ष लख्मी तमोलिया के नेतृत्व में सफाई कर्मचारी एक जगह एकत्रित हुए तथा शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए रैली निकाली तथा मुख्य बाजार स्थित नगर परिषद कार्यालय पर प्रदर्शन करते हुए जमकर नारेबाजी की गई। सफाई कर्मचारी संघ के अध्यक्ष लख्मी तमोलिया ने जानकारी देते हुए बताया कि वाल्मीकि समाज सफाई कार्य कर अपना जीवन यापन करते हैं। लेकिन सरकार अन्य समाज को भी शामिल कर हमारे अधिकारों का हनन कर रही है। उन्होंने सरकार से मांग की है कि इस भर्ती में शत प्रतिशत वाल्मीकि समाज को प्राथमिकता दी जाए। तमोलिया कहा कि ऐसे 24 कर्मचारी भी है जो डीग में विभिन्न सरकारी कार्यालयों में लगे हुए हैं। उन्हे अपने मूल पद पर बुलाकर उनसे सफाई कार्य ही कराया जाये। इस मौके पर पप्पू, मनोज, यादराम, परसोत्तम सहित बडी संख्या में बाल्मिकी समाज के लोग उपस्थित थे।

समस्या के समाधान की मांग की

भरतपुर (निस)। नवीन मंडी यार्ड व्यापार संघ भरतपुर द्वारा जिला कलेक्टर अमित यादव एवं एडीएम सिटी को अध्यक्ष रघुवीर सिंह टुंडा के नेतृत्व में मंडी में जल भराव की कई वर्षों से चली आ रही स्थाई समस्या के निराकरण हेतु ज्ञापन दिया गया। मंडी यार्ड में पिछले 8 वर्षों से जल भराव की समस्या एवं गंदगी के साथ साथ मंडी में रोड को ऊंचा उठाने की मांग आधुनिक लाइट आदि की समस्या चली आ रही है। जल भराव के कारण व्यापारी एवं पल्लेदारों और किसानों को जान का खतरा रहता है। कई बार किसानों एवं पल्लेदारों को सांप एवं जहरीले कीड़ों द्वारा काटा जा चुका है। अगर जिला प्रशासन मंडी में पानी निकासी का स्थाई समाधान नहीं करती है तो व्यापार मंडल को अनिश्चितकाल के लिए मंडी को बंद करना पड़ेगा जिसकी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी। इस अवसर पर रघुवीर सिंह टुंडा, इंजीनियर घमंडी सिंह, अभय जैन, बॉबी, हाकिम सिंह, राधे, मुकेश कुमार, मनीष, तेज प्रकाश, कालीचरण, नीरज, महेश, धनेश चंद, मनोज, अजय आदि व्यापार संघ के पदाधिकारी मौजूद रहे।

जयकारों से गुंजा जगदीश धाम

हिण्डौन सिटी । श्री जगदीश भक्त मंडल चाँदनगांव से भगवान जगदीश जी की पदयात्रा जगदीश धाम कैमरी पहुंची जहां सम्पूर्ण मंदिर परिशर सहित जगदीश धाम कैमरी में भगवान जगदीश जी के जयकारों से गूंज उठा । जगदीश भक्त मंडल कमेटी अध्यक्ष बहादुर सिंह ने बताया कि हरियाली अमावस्या के अवसर पर रविवार शाम को जगदीश मंदिर पर यात्रा के पहुंचने पर महन्त मनोज शास्त्री ने विधिवत रथ व झंडा का पूजन कराया । श्री कल्याण सेवा चैरीटेबल ट्रस्ट नादौती के अध्यक्ष शीशराम खटाना सहित सदस्य अतर धमाड़ी, सुरेश शर्मा, गोविंद शर्मा ने चाँदनगांव से यात्रा लेकर आये ध्वजवाहक का साफा व माल्यार्पण कर स्वागत किया गया तथा सभी पदयात्रियों को जलपान कराया गया । वहीं पुल की ढाणी कैमरी में गिर्राज पटेल परिवार द्वारा जलपान कराया गया , श्री जगदीश भक्त मंडल चाँदनगांव के सदस्यों ने पूर्व सरपंच सुग्रीव खटाना का भगवान जगदीश जी की प्रतिमा और भगवान का दुपट्टा देकर सम्मान किया गया । इसके बाद भगवान जगदीश जी मंदिर पहुंचे यात्रियों ने भगवान के दर्शन कर धर्म लाभ उठाया और झंडे का पूजन महंत मनोज शास्त्री द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ कर भगवान को अर्पित किया । पदयात्रा के भंडारे में सभी पदयात्रियों ने भगवान की प्रसादी ग्रहण की । पदयात्रा में जगदीश भक्त मंडल कमेटी अध्यक्ष बहादुर सिंह सहित कमेटी सदस्य दीवान गुर्जर, भीमराज सहित सैंकड़ो श्रद्धालु मौजूद रहे ।

4 सूत्रीय माँगों के संदर्भ में ज्ञापन प्रेषित किया

भरतपुर (निस)। राजस्थान राज्य राशन विक्रेता संघर्ष समिति के ज़िला संयोजक गौरव सोनी के नेतृत्व में भरतपुर ज़िला मुख्यालय पर मुख्यमंत्री के नाम ज़िला कलेक्टर को अपनी 4 सूत्रीय माँगों के संदर्भ में ज्ञापन प्रेषित किया गया। ज्ञापन में बताया गया कि राजस्थान के उचित मूल्य दुकानदार 1 अगस्त से अपनी 4 सूत्रीय माँगों को लेकर कार्य बहिष्कार पर हैं। जिसके सम्बन्ध में सरकार और प्रशासन द्वारा हमारी माँगों पर सहानुभूतिपूर्वक कोई विचार नही किया गया एवं इसके विपरीत प्रशासन द्वारा उचित मूल्य दुकानदारों के स्थान पर जीएसएस एवं अन्य संगठनों के द्वारा राशन वितरण करने के आदेश जारी किये। उक्त आदेश के चलते हमारे एक उचित मूल्य दुकानदार स्व. रामेश्वर मीणा का सदमा लगने से हृदय घात होने से निधन हो गया। साथ ही सरकार से हमारा विनम्र निवेदन है कि हमारी 4 माँगों के अलावा हमारे शहीद हुए उचित मूल्य दुकानदार रामेश्वर मीणा के परिवार को 50 लाख रुपए की आर्थिक सहायता तथा परिवार के एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी दी जाये और जल्द से जल्द उचित मूल्य दुकानदारों की वर्तमान माँगों का निराकरण किया जाये। राजस्थान की कई वर्षों से राशन डीलर्स उपभोक्ताओं को गेंहू वितरण करके सेवा करते आ रहे हैं। कोरोना काल हो या अन्य आपदा महामारी हो राशन डीलर्स ने हमेशा सहयोग किया है। इसके साथ ही सभी उचित मूल्य दुकानदारों ने शहीद हुए उचित मूल्य दुकानदार रामेश्वर मीना को पुष्पमाला व पुष्प अर्पण कर श्रद्धांजलि दी।

सार्वजनिक सेवाओं से संबंधित बैठक सम्पन्न

गंगापुर सिटी । जिला कलेक्टर डॉ. गौरव सैनी ने कलक्ट्रेट में सोमवार को जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ सार्वजनिक आवश्यक सेवाओं से संबंधित कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में जिला कलक्टर ने बजट-घोषणा, रेड क्रॉस सोसाइटी के गठन, हरियाली तीज पर वृहद वृक्षारोपण, पेयजल व विद्युत आपूर्ति, मौसमी बीमारी, संपर्क पोर्टल, ई-फाइलिंग निस्तारण समय, आशान्वित ब्लॉक कार्यक्रम आदि की जिले में प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। जिला कलक्टर ने प्रभारी सचिव श्री महेन्द्र सिंह सोनी एवं सम्भागीय आयुक्त सांवरमल वर्मा द्वारा विभिन्न समीक्षा बैठक के दौरान बजट घोषणा में घोषित परियोजनाओं, जिले में संचालित विभागीय जनकल्याणकारी योजनाओं के सम्बन्ध में प्रदान किये निर्देशों की अनुपालना की विस्तृत रिपोर्ट विभागवार प्राप्त की। साथ ही उन्होंने इस सम्बन्ध में विभिन्न विभागों द्वारा अब तक की गई कार्यवाही, तैयार प्रस्ताव, आवश्यक स्वीकृतियाँ, प्रगतिरत एवं सम्पादित कार्यों की भी समीक्षा की। डॉ. सैनी ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बत्तीलाल मीना से जिला रेड क्रॉस सोसाइटी के गठन के पश्चात् सकुशल संचालन, पदाधिकारियों की नियुक्ति एवं विस्तार से संबन्धित कार्यवाही का विस्तृत ब्यौरा लिया और नियमानुसार विस्तार कर नियमित बैठकें आहूत करवाने के निर्देश प्रदान किये। जिससे जिले में रेड क्रॉस सोसाइटी की समस्त गतिविधिओं को जनहित में शीघ्र शुरू किया जा सके। साथ ही क्षय रोगियों के उचित पोषण हेतु निर्धारित लक्ष्य के अनुसार निक्षय मित्र की संख्या में विस्तार करवाने के निर्देश सीएमएचओ को दिए।

जिला स्तरीय अधिकारियो की बैठक लेते जिला कलेक्टर

गंभीर नदी के बहाव में बहे चार छात्र

बयाना भरतपुर। पांचना बांध से गंभीर नदी में छोड़ा गया पानी आज जब बयाना क्षेत्र के गांव खिरकवास के पास पहुंचा तो वहां वर्षों बाद नदी में आए पानी को देखने के लिए कौतूहल वश बच्चों व ग्रामीणों की भीड़ लग गई थी । इसी दौरान इस नदी में इसी गांव के दसवीं कक्षा के चार छात्र भी कौतूहल वश नहाने के लिए नदी में उतर गए । जिनमें से दो छात्र अभी लापता है और दो छात्रों को वहां मौजूद एक चरवाहे ने बचा लिया ।देर शाम को भरतपुर से एसडीआरएफ की टीम भी पहुंच गई है। मौके पर पहुंचे एसडीएम राजीव शर्मा व तहसीलदार विनोद मीणा ने बताया कि लापता छात्र गांव खिरकवास निवासी लवकुश पुत्र सतवीर व हितेश पुत्र दिनेश गुर्जर बताए हैं। जिनकी तलाश के लिए ग्रामीणों के सहयोग से अभी तक एसडीआरएफ की ओर से रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है ।

प्रवेश लेने की अंतिम तिथि आज

भरतपुर (निस)। महारानी श्री जया राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में स्नातक पार्ट प्रथम वर्ष के सेमेस्टर प्रथम में प्रवेश लेने की अंतिम तिथि आज है। प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. हरबीर सिंह ने बताया कि आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा राजस्थान,जयपुर के निर्देशानुसार विद्यार्थियों के लिए दस्तावेजों का सत्यापन एवं ई-मित्र पर शुल्क जमा कराने की अंतिम तिथि आज है। प्राचार्य ने बताया कि विद्यार्थी ई-मित्र के माध्यम से बधाई संदेश एवं अन्य मूल दस्तावेजों को महाविद्यालय में लाकर समिति सदस्यों से सत्यापन कराकर प्रवेश शुल्क जमा करायें। उन्होंने कहा कि जिन विद्यार्थियों ने दस्तावेजों का सत्यापन करा लिया है लेकिन शुल्क जमा नहीं कराया है वे सब विद्यार्थी आज ही अतिशीघ्र शुल्क जमा करा देवें, शुल्क जमा नहीं होने की स्थिति में उनके आवेदन स्वत: निरस्त हो जायेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस प्रवेश प्रक्रिया में विलम्ब शुल्क का कोई प्रावधान नहीं है। मीडिया प्रभारी एवं प्रवेश हेल्प डेस्क समिति के सदस्य प्रोफेसर डॉ. अशोक कुमार गुप्ता ने बताया कि आज निर्धारित तिथि तक शुल्क जमा करवाने वाले प्रवेशित विद्यार्थियों की ही प्रथम सूची का प्रकाशन 8 अगस्त को होगा। प्रवेशित विद्यार्थियों का वर्ग निर्धारण एवं विषय आवंटन शनिवार, 10 अगस्त तक कर दिया जाएगा। स्नातक ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया के संयोजक एवं नोडल अधिकारी प्रोफेसर डॉ. महेश कुमार गुप्ता ने बताया कि आयुक्तालय ने श्रेणीवार रिक्त स्थानों के लिए ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया तिथि भी जारी कर दी है।

आरोपी गिरफ्तार

नदबई, । नगर रोड बाईपास चौराहे पर कट्टा दिखाकर नगदी सहित बाइक व मोबाइल लूट के मामलें में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। जहां से आरोपी को जेल भेज दिया।

पुलिस के अनुसार कटारा निवासी भानूप्रताप सिंह उर्फ भानू पुत्र वीरेन्द्र सिंह को मुखबिर की सूचना पर डहरा रोड स्थित बस स्टेण्ड से हिरासत में लिया। बाद में जांच पडताल कर आरोपी को गिरफ्तार किया। गौरतलब है कि, गिरफ्तार आरोपी ने 29 जुलाई की रात अपने साथियों के साथ मिलकर बाईपास चौराहे के समीप रौनीजा निवासी निशांत सिंह का अवैध हथियार दिखाते हुए रास्ता रोक लिया।

बाद में 3500 नगदी सहित, बाइक, मोबाइल व दस्तावेज लूटकर फरार हो गया। मामला दर्ज होने पर पुलिस ने जांच पडताल कर आरोपी को वापर्दा गिरफ्तार किया। बाद में आरोपी को जेल भेज दिया गया।

सिंघल को ऑटोमोबाइल सोसासटी का अध्यक्ष चुना गया

भरतपुर (निस)। भरतपुर ऑटो मोबाइल सोसासटी के त्रिवर्षीय 21 सदस्यीय कार्यकारिणी के चुनाव सोसायटी भवन पर यदुवीर सिंह डागुर एडवोकेट चुनाव अधिकारी एवं सहचुनाव अधिकारी कपिल देव चौधरी, राधेश्याम जादौन एडवोकेट, प्रशान्त डागुर एडवोकेट, देवकीनन्दन एवं ओम डागुर ने सम्पन्न कराए। कुल 306 मतदाताओं में से 3281 मतदाताओं ने मतदान किया। मतदान के बाद मतगणना प्रारंभ की गई। 281 मतों से से 4 मत निरस्त पाए गए। चुनाव में कार्यकारिणी सदस्य के लिए कुल 41 उम्मीदवारों ने अपना भाग्य आजमाया। सर्वाधिक मत प्राप्त करने वाले प्रथम 21 उम्मीदवारों को कार्यकारिणी का सदस्य चुना गया। दीनदयाल खण्डेलवाल को सर्वाधिक 224 मत प्राप्त हुए। इसी प्रकार राकेश कपूर को 220 मत, मोहन सिंघल को 216 मत, बनवारी लाल खण्डेलवाल को 213 मत, विनोद चौटाला ने 210 मत, केशव बंसल को 209 मत, बृजेन्द्र गुप्ता को 209द मत, निरंजन मित्तल को 200 मत, दिनेश कुमार को 191 मत, अनिल कुमार गुप्ता को 190 मत, योगेश खण्डेलवाल को 187 मत, सतीश शर्मा को 176 मत, भूप सिंह जादौन को 175 मत, प्रवीण कुमार लाला को 172 मत, गणेश अग्रवाल को 165 मत, कपिल चौधरी को 157 मत, मोहन लाल जैन को 154 मत, हिमान्शु मित्तल को 153 मत, राकेश कुमार जैन को 153 मत, कपिल मुंजाल को 152 मत एवं सचिन कुमार गर्ग ने 137 मत प्राप्त कर 21 सदस्यीय कार्यकारिणी में चुने गए।

कच्चे डण्डे के पट्टे नहीं देने पर सैकड़ों महिलाएं व पुरूष धरने पर

भरतपुर (निस)। कच्चा परकोटा नियमन संघर्ष समिति भरतपुर के संयोजक जगराम धाकड के नेतृत्व में कच्चे डंडे के पटटे देने में नगर निगम प्रशासन की आनाकानी एवं बरती गई। लापरवाही के विरोध में कच्चे डंडे वालों ने आयुक्त नगर निगम कार्यालय भरतपुर के सामने रोष प्रकट कर सैकडों महिलाऍ व पुरूष धरने पर बैठ गये। लेकिन आयुक्त नगर निगम भरतपुर बढती हुई भीड को छोडकर जिला कलक्टर कार्यालय में जाकर बैठ गये।

जब आयुक्त बुलाने पर भी नहीं आये तो पूर्व नेता प्रतिपक्ष इन्द्रजीत भारद्वाज ने अपने कपडे उतारकर अर्ध नग्न अवस्था में निगम कार्यालय से लेकर जिला कलक्ट्रेट कार्यालय तक पटिया परिक्रमा देने की घोषणा कर दी। पटिया परिक्रमा की घोषणा करने से पूर्व कच्चे डंडे वालों को सम्बोधित करते हुए पूर्व नेता प्रतिपक्ष इन्द्रजीत भारद्वाज ने कहा कि कच्चे डंडे को पटटे देने में व्यवधान पैदा शुरू से ही किया जा रहा है जिसमें पूर्व आयुक्त कमलराम मीणा, वीना महावर, भावना शर्मा एवं रिछपाल सिंह बुडरक का व्यवधान पैदा करने में प्रमुख हाथ रहा है।

जिन्होंने कच्चे डंडे की भूमि को गलत तथ्यों के आधार पर गोवर्धन गेट से सहयोग नगर तक के लोगों को पटटे देने से वंचित रखा गया। जिसकी जांच कराने पर कच्चे डंडे की भूमि जलडूब की न होकर आबादी की भूमि प्रमाणित हुई। उक्त स्थान के लोगों से एवं कच्चे डंडे में भारतीय सर्वेक्षण विभाग के प्रतिशिद्ध क्षेत्र दिल्ली दरवाजा, सूरजपोल बुर्ज, फतेह बुर्ज के आसपास रहने वाले लोगों से भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग से 20 सितम्बर 2023 को स्वीकृति मिलने के बाद पटटा शुल्क विधानसभा चुनाव से पूर्व जमा करा लिया गया था। लेकिन वर्तमान आयुक्त नगर निगम भरतपुर द्वारा राज्य सरकार के आदेश दिनांक 12 जुलाई 2024 की अनुपालना में आज तक एक भी पट्टा जारी नहीं किया गया है। आगे कहा कि वर्तमान सरकार के 12 जुलाई 2024 के आदेश के अनुसार जिन पत्रावलियों का पटटा शुल्क जमा नहीं हुआ उन पत्रावलियों का बोर्ड की बैठक बुलाकर निस्तारित कराने का काम आयुक्त नगर निगम भरतपुर द्वारा नहीं किया जा सका। जिसकी हम कडे शब्दों में निन्दा करते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि नगर निगम की लापरवाही एवं अनदेखी के चलते कच्चे डंडे की पत्रावलियों पर अभियान की अन्तिम तिथि 31 मार्च 2024 तक कोई भी सकारात्मक कार्यवाही पूर्व के आयुक्तों एवं वर्तमान के आयुक्त द्वारा भी नहीं की गई जिन्होंने राज्य सरकार से प्राप्त गाइड लाइन एवं सक्षम संबंधित विभागों से प्राप्त अनापित्तयों एवं जांच रिपोर्टों को नजर अंदाज कर एम्पावर्ड कमेटियों से छुपाते हुए 816 लोगों को पट्टों से वंचित रखने का कार्य किया है। पूर्व नेता प्रतिपक्ष ने कच्चे डंडे वालों के सामने एक प्रस्ताव रखते हुए सभी से सहमति ली गई कि अगर सरकार दिनांक 10 अगस्त 2024 के बाद पट्टे देने की तिथि 14 अगस्त 2024 तक नहीं बढाती है तो 15 अगस्त 2024 से भरतपुर के कच्चे परकोटे वाशिंदे भरतपुर से लेकर जयपुर स्थित मुख्यमंत्री आवास पर अपने आपको न्याय दिलाने हेतु पैदल न्याय मार्च निकाला जावे।

जिसका उपस्थित समस्त जन समूह ने समर्थन किया। तदपरांत पूर्व नेता प्रतिपक्ष इन्द्रजीत भारद्वाज ने अर्ध नग्न पटिया परिक्रमा आयुक्त नगर निगम कार्यालय से प्रारम्भ कर मुख्य बाजार होते हुए कलैक्ट्रेट कार्यालय तक देने का आहवान किया।

इस दण्डवत परिक्रमा में श्रीराम चंदेला, बीना पंडित, जगराम धाकड, वीरेन्द्र गोठिया, देवी सिंह, मानसिंह सागर, अनवर खान, मुकेश कुमार, बालकिशन कश्यप, जगदीश खंडेलवाल, महिला वर्ग में सिरोमणि देवी, निर्मला देवी, आशा देवी, इन्द्रा देवी, दयावती, इन्द्रा कौर, शांति देवी, आदि ने भी पटिया परिक्रमा देते हुए जिला कलेक्ट्रेट के गेट तक अर्ध नग्न परिक्रमा दी। जिला कलैक्ट्रेट के बाहर सैकडों की तादाद में पहुँचे महिला पुरूषों को पहले से मौजूद भारी पुलिस बल ने रोक लिया। जहां कच्चे डंडे वालों द्वारा विरोध प्रदर्शन किया।

राशन डीलरों ने रैली निकाल कर किया विरोध प्रदर्शन, हडताल जारी

रैली निकाल कर विरोध जताते राशन डीलर।

गंगापुर सिटी । जिले में राशन डीलरों ने सोमवार को खाद्य विभाग पर तुकलगी आदेश जारी करने और आदेश के बाद एक राशन डीलर की मौत के मामले को लेकर आक्रोश जाहिर किया। राशन डीलरों ने रैली निकाल और कलेक्ट्रेट में नारेबाजी कर विरोध प्रदर्शन किया। साथ ही अपनी मांगों को लेकर कलेक्टर डॉ. गौरव सैनी को ज्ञापन सौंपा। वहीं राशन डीलरों की विभिन्न मांगों को लेकर 5वें दिन सोमवार को भी हडताल जारी रही। गौरलतब है विगत एक अगस्त से राशन डीलर 3० हजार रुपए मानदेय देने सहित अपनी विभिन्न मांगों को लेकर हडताल पर है और सोमवार को हडताल का 5वां दिन रहा। सोमवार को जिलाध्यक्ष केदारलाल के नेतृत्व में गंगापुर सिटी जिले के गंगापुर सिटी, गंगापुर ग्रामीण, बामनवास, वजीरपुर, नादौती और टोडाभीम के राशन डीलर पुरानी अनाज मंडी में एकत्रित हुए और यहां से रैली के रूप में नारेबाजी करते हुए पुरानी अनाज मंडी से पंचायत समिति, कलेक्ट्रेट सक्रिल होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे। यहां अपनी मांगों को लेकर काफी देर तक नारेबाजी की और कलेक्टर को ज्ञापन दिया। राशन डीलरों ने बताया कि विगत कई वर्षो से राशन डीलर उपभोक्ताओं को गेहूं का वितरण कर सेवा कर रहे है, कोराना काल हो या अन्य आपदा महामारी हो, राशन डीलर्स ने हमेशा सहयोग किया है, लेकिन इसके बाद भी खाद्य विभाग के द्वारा तुकलगी आदेश जारी कर दिए, जिससे विक्रेताओं को मानसिक आघात पहुंच रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके कारण एक राशन डीलर रामेश्वर मीणा को मानसिक आघात पहुंचने के बाद हार्ट अटैक से मौत हो गई। उन्होंने सरकार से मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए मृतक परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने और 5० लाख रुपए का मुआवजा देने की मांग की। उन्होंने कहा कि वे विगत एक अगस्त से अपनी 4 सूत्रीय मांगों को लेकर कार्य बहिष्कार कर रहे है लेकिन सरकार और प्रशासन उनकी मांगों पर कोई कार्रवाई नहीं कर रही है, जिससे उनमें रोष है।

फौजी से मारपीट कर लूट ले गए 45 हजार

नदबई, । यहां बेयर हाउस कॉलोनी में दिनदहाडे रिटा. फौजी से मारपीट कर अज्ञात बदमाश करीब 45 हजार की नगदी लूट ले गए। समीपवर्ती लोगों ने रिटा. फौजी का उपजिला चिकित्सालय में उपचार कराया। बाद में पीडित की सूचना पर पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज जांच कर बदमाशों का सुराग लगाने का प्रयास किया। लेकिन, पुलिस को सफलता नही मिल सकी।

सूत्रों की मानें तो रौनीजा निवासी हुकुम सिंह पुत्र गोरधन सिंह ने अपने पोते की बीएड फीस जमा कराने के लिए पीएनबी बैंक खाते से 45 हजार रुपए निकाले। पीडित रिटा. फौजी बैग में राशी रखकर अपने घर जा रहा। इसी दौरान बेयर हाउस कॉलोनी के समीप अज्ञात दो बदमाशों ने मैला डालकर बैग छीनने का प्रयास किया। पीडित रिटा. फौजी ने शोर मचाते हुए बदमाशों का विरोध किया। बाद मे रिटा. फौजी से मारपीट कर अज्ञात बदमाश नगदी बैग लेकर फरार हो गए। समीपवर्ती लोगों ने पीडित का उपजिला चिकित्सालय में उपचार कराया।

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश-5 के नियम-1 और 5)
न्यायालय सिविल न्यायाधीश स्थान हिण्डौन सिटी कला देवी विरूद्ध राजेश आदि
वाद बाबत स्थाई निषेधाज्ञा वाद सं. 53/24
बनाम (1) राजेश पुत्र रामावतार जाति मीना (2) महेन्द्र पुत्र रामावतार जाति मीना निवासीयान नंगला मीना तह. श्रीमहावीरजी जि. करौली (राज.) वादीगण ने आपके विरूद्ध स्थाई निषेधाज्ञा के लिए वाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख-07 माह-08 सन्-2024 को दिन में 10.30 A.M बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हो और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके। जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करे जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल/सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नही होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जावेगा। यह वाद ता. 3 माह 8 सन् 2024 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
(मुहर) आज्ञा से
सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट हिण्डौन सिटी जिला करौली

पाली में 18 घंटे लगातार बारिश से शहर में पानी ही पानी

रेल पटरी पर पानी आने से जोधपुर रेल बंद, दर्जनों कॉलोनी में भरा पानी

पाली जिले में रविवार देर रात शुरू हुई बारिश के बाद कई इलाकों में बाढ़ के हालात हो गये।

पाली, (नि.सं.)। पाली जिले में रविवार देर रात शुरू हुई बारिश ने जिला प्रशासन की पोल खोल दी बारिश शहर सहित कई इलाकों में बाढ़ के हालात हो गए हैं।

पाली शहर में बांडी नदी पर रपट चलने लगी तो वही केशव नगर, मंडिया रोड, रामदेव रोड बापू नगर आदर्श नगर, पैकेज कॉलोनी सहित दो दर्जन कालोनियां जलमग्न हो गई। कॉलोनी में एक से डेढ़ फीट तक पानी जमा हो गया। वही सुबह 6:00 से लाइट कट के कारण परेशानी का सामना करना पड़ा। शाम 8:00 बजे लाइट आई। लोगों को नहर पुलिया बापू नगर विस्तार जाने के चारों रास्ते बंद दिखे। लोढा स्कूल रोड, नहर रोड, कॉलेज रोड, रोटरी क्लब रोड सभी जगह 2 फीट के करीब पानी भर गया। पांच मौका पुलिया पर पानी बहने से स्टेशन रोड शहर से अलग हो गया। नागा बाबा बगीची के आगे से लेकर मिल गेट सुभाष नगर तक जोधपुर रोड बंद हो गया। वही रेल पटरी पर पानी आने से जोधपुर रेल बंद हो गई।

नया गांव स्थित सरकारी स्कूल पानी से डूब गया। स्कूल के प्रिंसिपल रूम से लेकर क्लास तक सभी में पानी भर गया। देर रात शुरू हुई तेज बारिश का दौर अभी भी जारी है। बांगड़ कॉलेज पूरी तरह से समुद्र बन गया। नयागांव रोड स्थित रजत विहार सुंदर नगर इलाके में तीन से चार फीट पानी भर जाने से लोगों का घर के बाहर आना मुश्किल हो गया। एक ही रात में हेमावास बांध में 19 फुट पानी आया। पाली के आसपास की नदियां ओवरफ्लो चल रही है। जिले में सबसे अधिक बारिश सोजत में 261 एमएम हुई। पाली में 83 एमएम, मारवाड जंक्शन में 36 एमएम, सुमेरपुर में 15 एमएम, रानी मे 45 एमएम, बाली में 40 एमएम, देसूरी में 57 एमएम, जैतारण में 60 एमएम, रायपुर में 95 एमएम, रोहट में 56 एमएम बारिस दर्ज की गयी।

जालोर में मूसलाधार बारिश से बांधों-नालों में हुई आवक

जालोर, (कासं)। जिलेभर में मानसून की सक्रियता के चलते सावन माह के सोमवार को मूसलाधार बारिश का दौर जारी रहने से जिले के कई नदी, नालों व बांधों में पानी की आवक देखी गई। वही बारिश के बाद चहूँओर पानी ही पानी नजर आने लगा।

जालोर में शनिवार रात्रि करीब एक बजे से लगातार सोमवार को दोपहर एक बजे तक बारिश का दौर जारी रहने से जिलेभर के नदी, नाले व बांधों में पानी की आवक के साथ कई जगह सड़कों पर पानी भर जाने से मार्ग अवरूद्ध हो गया। जालोर में लगातार बारिश का दौर जारी रहने से कई इलाकों में पानी भर गया। वही कई जगह कच्चे मकान ढह गये। जालोर शहर में मूसलाधार बारिश के चलते शहर के तिलकद्वार, लाल पोल, बडी पोल से पानी पुरे वेग के साथ बहता नजर आया। वही शहर के कलैक्ट्रेट के आगे, आहोर चौराहा, शिवाजी नगर, नया बस स्टेण्ड, सहित कई जगह निकासी के अभाव में पानी भर जाने से आमजन को आवागमन में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। वही शहर की निचले इलाको में लगातार बारिश के चलते पानी भर गया। वही खेतो में भी पानी भर जाने से चहूँओर पानी ही पानी नजर आने लगा है। जालोर के पुलिस लाईन, हायर सैकेण्डरी स्कूल हनुमानशाला स्कूल में पानी भर जाने से मैदान तालाब में तब्दील नजर आ रहे है। जालोर के चवरछा बांध, सरदारगढ़ बांध, बीठन बांध सहित कई बांधो में पानी की आवक नजर आई। वही जिले के कई गांवों में नाले पूरे वेग के साथ बहने से कई जगह से सम्पर्क कट गया। जिलेभर में मानसून की लगातार बारिश के चलते मौसम सुहावना नजर आया। वही समाचार लिखे जाने तक भी रिमझिम बारिश का दौर जारी रहा। वही जालोर के रेल्वे अंडर ब्रिज में पानी भर जाने से मार्ग अवरूद्ध नजर आया। मानसून विभाग की ओर से जालोर जिले में बारिश की संभावना को देखते हुए जिला प्रशासन ने हिदायत दी है कि आमजन नदी नालो व बांधो के साथ पानी के भराव स्थलो से दूर रहे।

बूंदी में पिछले 24 घंटों में 8 इंच बारिश, कई बस्तियों में पानी भरा

प्रशासन ने नवलसागर झील पर एस.डी.आर.एफ. की टीम तैनात की

बूंदी में तेज बारिश के बाद नवल सागर झील लबालब भर गई।

बून्दी (निसं)। बूंदी जिले में रविवार को हरियाली अमावस्या के साथ लगातार हो रही बारिश के चलते कई बस्तियों में पानी भरा। वहीं, लगातार बरसात के चलते जिला कलेक्टर अक्षय गोदारा ने सोमवार को सभी निजी और राजकीय विद्यालय में अवकाश घोषित कर दिया है। इस दौरान शिक्षकों को विद्यालय में उपस्थित रहने के निर्देश दिए।

वहीं जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड पर है। रविवार देर रात से हो रही तेज बारिश के बाद शहर की दोनों झीले नवलसागर व जेतसागर ऑवरफ्लो होने से शहर के निचले इलाकों में जलभराव हो गया है, एक हिस्से का दूसरे हिस्से से सपंर्क टूट गया है। पिछले 24 घंटों में हुई 8 इंच बारिश के बाद भरे नवल सागर झील व जैतसागर को देखने के लिये शहरवासी उमड़ पड़े। जिसके बाद प्रशासन ने नवलसागर झील पर एसडीआरएफ की टीम तैनात कर दी है।

■ बारिश के बाद भरे नवल सागर झील व जैतसागर को देखने के लिये शहरवासी उमड़ पड़े, जिसके बाद प्रशासन ने नवलसागर झील पर एसडीआरएफ की टीम तैनात कर दी है

वहीं लगातार बारिश के कारण गुढ़ा बांध का जलस्तर 25 फीट तक पहुंच चुका है, वहीं बूंदी नैनवा मार्ग पर पड़ने वाले नाले पर 5 फीट पानी की आवक होने से सड़क मार्ग बंद हो गया है। जिले की कई नदियों और तालाबों का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। वही मौसम विभाग द्वारा जिले में 30 से 40 किलोमीटर की स्पीड से तेज आंधी व भारी बारिश की चेतावनी दी हुई है।

जिला कलेक्टर ने लिया बूंदी शहर के प्रभावित क्षेत्रों का जायजा :- बूंदी में रविवार देर रात हुई मूसलाधार बारिश के बाद प्रभावित क्षेत्रों का सोमवार सुबह जिला कलेक्टर ने विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को सुरक्षा संबंधी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ने जैतसागर, मीरां गेट, नवल सागर, बहादुर सर्किल, देवपुरा क्षेत्र में प्रभावित क्षेत्रों का किया दौरा। इस दौरान जिला कलक्टर ने पानी के बहाव वाली जगहों पर सुरक्षा कर्मी तैनात करने के निर्देश दिए। साथ ही सड़कों पर बारिश से जमा मलबा हटाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि बारिश के दौरान टूटे हुए विद्युत पोल को शीघ्र दुरूस्त कर विद्युत आपूर्ति बहाल की जावे। इसके बाद जिला कलेक्टर ने बालचंद पाडा क्षेत्र में स्थित ब्रह्माण्डेश्वर गौशाला का भी निरीक्षण और गौवंश को सुरक्षित रखने के निर्देश भी दिए। उन्होंने पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक को निर्देश दिए कि गौशालाओं में गौवंश को सुरक्षित रखने की दृष्टि से गौशालाओं का निरीक्षण कर सुरक्षा एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया जावे। उन्होंने उपखण्ड अधिकारी बूंदी को निर्देश दिए कि जल बहाव के क्षेत्रों की पूर्ण निगरानी रखें। निरीक्षण के दौरान उपखंड अधिकारी बूंदी दीपक मित्तल, तहसीलदार अर्जुन मीणा, नगर परिषद के अधिकारी सहित बूंदी कोतवाली थाना पुलिस मौजूद रही।

नागदी बाजार में बहीं कारें :- लगातार दो दिनों से हो रही बारिश के चलते बूंदी के जैत सागर तालाब व नवल सागर तालाब लबालब हो गए। दोनों से लगातार पानी की निकासी की जा रही है। जिसके चलते चारभुजा मंदिर से लेकर सदर बाजार, चौमुखा बाजार, नागदी बाजार से मीरा गेट तक पानी तेज रफ्तार से बह रहा है। इस बीच यहां दो कार और एक बैंड गाडी पानी के बहाव के साथ बह गई। वहीं एक मोटरसाइकिल, दुकान का काउंटर व एक युवक भी पानी में बहा। लेकिन युवक किसी तरह सुरक्षित बच निकला। सदर बाजार और नगदी बाजार की कई दुकानों में पानी भर गया है। नागदी बाजार में 5 फीट पानी बह रहा है जिसके चलते चौमुखा बाजार से आवागमन बंद हो गया।

कई घरों में भरा पानी, कॉलोनियां जलमग्न :- लगातार बारिश और जेतसागर और नवल सागर से पानी की निकासी के चलते शहर की जवाहर कॉलोनी, महावीर कॉलोनी, दरेशाह कॉलोनी, शास्त्री नगर कॉलोनी जलमग्न हो गई। कई घरों में पानी भर गया, तो कई लोग अपने घर छोड़कर रात को ही अपने रिश्तेदारों और परिचितों के घर चले गए। मालन मासी बालाजी के पीछे स्थित जवाहर कॉलोनी में 3-4 फीट पानी भर गया।

सांसद नीरज डांगी ने एलिवेटेड रोड की मांग उठाई

नई दिल्ली। सांसद नीरज डांगी ने राज्य सभा में शून्यकाल के दौरान सदन में राजस्थान के उदयपुर, पाली, जैसलमेर व जोधपुर को जोड़ने वाले मुख्य राजमार्ग एस.एच.16 का एक घाट सेक्शन जो राजसमन्द जिले के गढ़बोर से देसूरी के मध्य 8 किलोमीटर का हिस्सा "देसूरी की नाल" पर एलिवेटेड रोड बनाकर व्यापारिक, धार्मिक, ऐतिहासिक महत्व के जिलों एवं अंतर्राष्ट्रीय सीमा जैसलमेर को जोड़ने और यहां लगातार हो रही जनहानि पर रोकथाम की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि इस 'देसूरी की नाल' में सन् 1952 से अब तक लगभग 1000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। नीरज डांगी ने बताया कि व्यापारिक एवं सैन्य स्थल के महत्व का यह राजमार्ग राजस्थान के प्रमुख व्यवसाय मार्बल, ग्रेनाइट के प्रमुख नगरों उदयपुर, राजसमन्द, पाली, जोधपुर, जालौर, सिरोही, भीनमाल व माऊंटआबू तक जाने का मुख्य मार्ग है, जो कम दूरी व कम समय में व्यापार को बढावा देता है एवं यह मार्ग गोमती-चारभुजा-देसूरी होकर आगे गंतव्य तक जाता है। इसके अतिरिक्त यह मार्ग देसूरी की नाल उदयपुर को भारतीय सेना के अंतर्राष्ट्रीय बॉर्डर जैसलमेर से भी जोड़ता है।

उदावास मामले को लेकर पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा का कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन

ऊंट लड्ढे पर बैठकर झुंझुनूं पहुंचे पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा, कहा राजस्थान को उत्तर प्रदेश नहीं बनने देंगे

पूर्व मंत्री गुढ़ा ने सैंकड़ों समर्थकों के साथ उदावास गांव से लेकर झुंझुनूं कलेक्ट्रेट तक विरोध रैली निकाली।

झुंझुनूं, (निसं)। झुंझुनूं के साथ लगते उदावास गांव में एक जमीन पर बसे लोगों को बेघर करने की तैयारी का विरोध हो गया है। पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा ने सोमवार को प्रभावित परिवार और अपने सैंकड़ों समर्थकों के साथ उदावास गांव से लेकर झुंझुनूं कलेक्ट्रेट तक विरोध रैली निकाली।

खुद पूर्व मंत्री गुढ़ा समेत ग्रामीण दो दर्जन से अधिक ऊंट लड्ढों पर बैठक झुंझुनूं पहुंचे और कलेक्ट्रेट में घुसने का प्रयास किया। लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक लिया। इस प्रदर्शन की पूर्व सूचना मिलने के कारण कलेक्ट्रेट पर आधा दर्जन के करीब थानों की पुलिस लगाई गई थी। इसके बाद एक प्रतिनिधि मंडल कलेक्टर से मिला और अपनी बात रखी। कलेक्टर ने मामले की जांच करवाकर कार्रवाई करने की बात कही है। इधर, पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा ने कहा कि जिन लोगों ने उदावास में अपने मकान सालों पहले बना लिए। पीढ़िया गुजर गई। अब प्रशासन के लोग वहां पर फीता लेकर जाते है और तोड़ने की बात कहते है। यह बर्दाश्त नहीं होगा। किसी को भी बेघर नहीं होने दिया जाएगा। इस मौके पर उन्होंने किडनी कांड में जान गंवा चुकी ईद बानो के समर्थन में भी गुढ़ा ने नारेबाजी की और पीडि़त परिवार को एक लाख की सहायता दी। उन्होंने कहा कि झुंझुनूं में यूनिफॉर्म देखकर कार्रवाई की जा रही है। पुलिस और ट्रेफिक वाले रेहड़ी वालों से चौथ वसूली कर रहे है। लेकिन हम राजस्थान को उत्तर प्रदेश नहीं बनने देंगे। इसके बाद कलेक्ट्रेट गुढ़ा वापिस रवाना हुए।

महिला को नशीला पदार्थ पिलाकर किया रेप

बीकानेर। जिले के देशनोक थाना इलाके में महिला से सामूहिक बलात्कार का मामला सामने आया है। घटना दो दिन पहले की बताई जा रही है। पीड़िता ने देशनोक थाने में दो युवकों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। एसएचओ सुमन शेखावत के मुताबिक पीडिता ने बताया कि वह बीकानेर जा रही थी। इस दौरान देशनोक निवासी मुकेश व भैराराम मिले। आरोपियों से जान-पहचान होने के बाद उन्होंने कहा कि वह बीकानेर जा रहे है, तुझे भी छोड़ देंगे। पीड़िता उनके साथ गाड़ी में सवार हो गई। पलाना गांव के पास आरोपियों ने एक होटल पर रोका। यहां एक कोल्डड्रिंक खरीदी। कोल्डड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर उसे पिला दिया, जिससे बेहोशी आने लगी। बाद में आरोपियों ने उसे सुनसान जगह ले जाकर बलात्कार किया। घटना के बाद आरोपी उसे बदहवास हालत में छोड़कर भाग गए। वारदात के जब महिला को होश आया तो वह दर्द से कराह रही थी। पीड़िता महिला पलाना से देशनोक सीएचसी आई। यहां चिकित्सकों ने उपचार करने के बाद पीबीएम अस्पताल रेफर कर दिया। घटना का पता चलने पर पुलिस पीबीएम अस्पताल गई। पीड़िता के बयान लिए है।

25 हजार का इनामी बदमाश पकड़ा

डीग जिले के बहुचर्चित मुल्लाका हत्याकांड का है आरोपी

एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय की टीम ने मुल्लाका हत्याकांड के एक और आरोपी पकड़ा।

जयपुर। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय की टीम ने डीग जिले में 3 साल पहले बहुचर्चित रहे देवी राम मुल्लाका हत्याकांड के एक और आरोपी शिवगणेश उर्फ कंजर गुर्जर पुत्र रामा उर्फ रामचरण निवासी मुल्लाका थाना कामां को पकड़ लिया है। इस पर एसपी डीग द्वारा 25 हजार रुपए का इनाम घोषित है। आरोपी को अग्रिम कार्रवाई के लिए थाना कामां पुलिस को सौंप दिया गया है।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स एवं अपराध दिनेश एमएन ने बताया कि उपमहानिरीक्षक पुलिस योगेश यादव के सुपरविजन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एजीटीएफ सिद्धांत शर्मा के नेतृत्व में इनामी, वांछित अपराधियों, गैंगस्टर इत्यादि के बारे में आसूचना के संकलन के लिए एएसआई शैलेंद्र कुमार शर्मा, हेड कांस्टेबल मदनलाल शर्मा, कांस्टेबल बृजेश कुमार शर्मा, कुलदीप सिंह व श्रवण कुमार की एक टीम भरतपुर रेंज की ओर रवाना की गई है।

एडीजी एमएन ने बताया कि टीम के सदस्य एएसआई शैलेंद्र कुमार शर्मा व कांस्टेबल बृजेश कुमार शर्मा को सूचना मिली कि हत्याकांड में शामिल 25 हजार का इनामी आरोपी शिव गणेश गुर्जर मध्य प्रदेश के इंदौर में फरारी काट रहा है। सूचना पर इंदौर पहुंच आसूचना को डवलप किया गया। इंदौर के संगम नगर स्थित खड़ा गणेश मंदिर में आरोपी के आने की सूचना मिलने पर टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस टीम को देखते ही आरोपी भागने लगा जिसे घेरकर टीम में पकड़ लिया। एमएन ने बताया कि घटना 11 जून, 2021 की है। सुबह गांव से खरीददारी करने कामां की और बाइक लेकर निकले देवी राम गुर्जर निवासी मुल्लाका पर पुरानी रंजिश के चलते गांव के ही रामावतार पुत्र रामप्रसाद पक्ष के 20-22 व्यक्तियों ने लोहे के सरियों और लाठियों से हमला कर दिया और मरा हुआ समझकर हवाई फायर करते हुए गांव आये। गांव में भी फायरिंग की, जिसमें तीन बच्चे व चार अन्य घायल हो गये। गंभीर घायल देवीलाल ने जयपुर लाते समय महुआ से पहले ही दम तोड़ दिया था। मामले में कुल 21 आरोपी है, जिनमें से 8 आरोपियों को घटना के बाद ही थाना कामां पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था और 13 आरोपी फरार हो गये। जिन पर 25-25 हजार का इनाम घोषित किया गया। पिछले डेढ़ महीने में फरार आरोपियों में से 10 आरोपियों को एजीटीएफ व कामां पुलिस ने पकड़ लिया है, बाकी बचे तीन आरोपियों की तलाश की जा रही है।

वरिष्ठ अध्यापक भर्ती प्रतियोगी परीक्षा 2022

एसओजी के हत्थे चढ़ा मुख्य आरोपी

अजमेर, (कासं)। वरिष्ठ अध्यापक प्रतियोगी परीक्षा 2022 में अपने स्थान पर डमी कैंडिडेट बैठाने वाले मुख्य आरोपी को अजमेर एसओजी ने गिरफ्तार किया है। आरोपी कैंडिडेट ने एडमिट कार्ड को एडिटिंग कर अलग-अलग विषयों की परीक्षा में स्वयं के स्थान पर दो डमी कैंडिडेट को परीक्षा देने भेजा था। एसओजी गिरफ्तार कैंडिडेट को रिमांड पर लेकर पूछताछ में जुटी है।

अजमेर एसओजी के एडिशनल एसपी मुकेश सोनी ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि आरपीएससी की ओर से आयोजित वरिष्ठ अध्यापक प्रतियोगी परीक्षा 2022 में स्वयं के स्थान पर डमी कैंडिडेट बैठने के मामले में एसओजी ने कार्रवाई की है। कार्रवाई करते हुए जिला जालौर निवासी कैंडिडेट रमेश कुमार राणा पुत्र धूखा राम राणा को गिरफ्तार किया है। एडिशनल एसपी सोनी ने बताया कि आरोपी कैंडिडेट रमेश कुमार राणा ने वरिष्ठ अध्यापक प्रतियोगी परीक्षा 2022 में स्वयं आवेदन पत्र जारी किया गया।

कलयुगी पिता के खिलाफ मामला दर्ज

भीलवाड़ा, (निसं)। सुभाष नगर थाना क्षेत्र में पिता-पुत्री के रिश्ते को तार-तार करने वाली घटना सामने आई है। आरोपित, शराब पीने का आदी है जो बीते दो माह से अपनी नाबालिग बेटी से अश्लील हकरतें कर रहा था।

इन हरकतों से परेशान बेटी ने मां को आपबीती बताई और इसके बाद मां ने जब पति को उलाहना दिया तो उसके साथ भी आरोपित ने मारपीट कर दी। पत्नी ने इस संबंध में आरोपित पति के खिलाफ पुलिस को रिपोर्ट दी। इस पर पोक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया गया। पुलिस के अनुसार, एक महिला ने मामला दर्ज करवाते हुए बताया कि वह घरों में झाड़ू-पौछा करने जाती है। उसका पति शराब का आदी है।

MUNICIPAL BOARD, NATHDWARA DIST.- RAJSAMAND

S.No./M.B.Nath/Nirman/2024/9992 Date : 02-08-24

Notice Inviting Bid

Bids for different works Nit No. 13 /2024-25 of Municipal Board Nathdwara are invited from interested bidders up to date 12-08-2024 on 18:00 Hours. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state govt.

UBN No. – 1-DLB2425WSOB04873, 2- DLB2425WSOB04874

Raj.Samwad/C/24/3344 Commissioner, Municipal Board Nathdwara

THE RAJASTHAN SMALL INDUSTRIES CORPORATION LTD.

(A Government of Rajasthan Undertaking), Udyog Bhawan, Tilak Marg, C-Scheme, Jaipur-302 005, Phone: 0141-2227079, Fax: 0141-2227257

Website: http://industries.rajasthan.gov.in/rajsicop, E-mail: rajsico@rajasthan.gov.in

NOTICE INVITING BIDS

RSIC is inviting online Bids for selection of "Strategic Business promoter to Equip, Operate, Manage & Transfer Business Services At ICD Jodhpur from the eligible and experienced bidders" up to 2.00 PM dated 02.09.2024.

Other details/ terms and condition of the bid may be seen on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in, https://sppp.rajasthan.gov.in) of the state.

The approximate value of the procurement is INR 25 Crores.

UBN No : RSI2425SLOB00012

Raj.Samwad/C/24/3299 Managing Director

DIRECTOR WORKS (EO)

Rajasthan University Of Veterinary & Animal Science, Bikaner (Raj.)

क्रमांक: F( )/DW(EO)/RAJUVAS/2024-25/ 363-373 दिनांक: 02.08.2024

निविदा सूचना सख्यां. 6 वर्ष 2024-2025

राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविधालय, बीकानेर की ओर से विश्वविधालय में विभिन्न स्थानों पर निर्माण कार्यो के लिए उपयुक्त श्रेणी में, इस विश्वविधालय में एवं अन्य विष्वविधालयों में, राज्य सरकार एवं राज्य सरकार के अधिकृत सगठनों तथा केन्द्र सरकार व केन्द्र सरकार के अधिकृत सगठनों, जो कि राज्य सरकार के उपयुक्त श्रेणी के समकक्ष हो, पंजीकृत संवेदको से ई- टेन्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में ऑन लाईन निविदा प्राप्त की जावेगी। निविदा से सम्बधित विवरण वेब साईट www.dipr.rajasthan.gov.in/tenders.asp, www.rajuvas.org, www.sppp.rajasthan.gov.in व www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

UBN- VAU2425WSOB00054

राज.संवाद/सी/24/3326 भू-सम्पति अधिकारी

उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान

No.:F-2(01)Acct/Contract/2024-25/58-60 Date: 01-08-2024

ई-निविदा सूचना संख्या: 16/2024-25

उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यो मय डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

निविदा कार्यो की कुल लागत	:	रूपये 679.89 लाख (14 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड / अपलोड करने की अवधि	:	03-08-2024 को प्रातः 10.00 बजे से 13-08-2024 को सांय: 6.00 बजे तक
Online EMD, Tender Fee & Processing Fee जमा कराने की तिथी	:	03-08-2024 को प्रातः 10.00 बजे से 13-08-2024 को सांय: 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथी	:	14-08-2024 को प्रातः 11.00 बजे

विस्तृत विवरण वेबसाईट urban.rajasthan.gov.in/uitudaipur, www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

UBN : ITU2425WSOB00146 TO ITU2425WSOB00159

राज.संवाद/सी/24/3322 अधिशाषी अभियन्ता-प्रथम उदयपुर विकास प्राधिकरण

राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर

क्रमांक सं. विज्ञापन सं.09&10/Exam/ASO&A.En/RPSC/EP-I/2024-25 दिनांक-05.08.2024

आयोग द्वारा विभिन्न विभागों के लिए 02 विज्ञापनों के तहत ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। उक्त विज्ञापनों के तहत विज्ञापित पदों की शैक्षणिक योग्यता, विभागवार पदों की संख्या, वर्गवार वर्गीकरण, आवेदन प्रक्रिया, आयु सीमा व अन्य विस्तृत जानकारी के लिए अभ्यर्थी आयोग की वेबसाईट पर उपलब्ध पृथक-पृथक विस्तृत विज्ञापन का अवलोकन करें। इन विज्ञापनों के तहत विज्ञापित पदों हेतु विभाग का नाम, पद नाम, विज्ञापन संख्या, पदों की संख्या, आवेदन अवधि व अन्य विवरण निम्नानुसार है-

क्र.सं.	विभाग का नाम	पद का नाम	विज्ञापन संख्या	पदों की संख्या	आवेदन अवधि
1	आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग	सहायक सांख्यिकी अधिकारी	09/2024-2025	43	12.08.2024 से 10.09.2024
2	कार्मिक (क-4/2) विभाग	सहायक अभियंता	10/2024-2025	1014	14.08.2024 से 12.09.2024

अन्य बिन्दु व सूचना-एकबारीय पंजीयन शुल्क, आवेदन प्रक्रिया, प्रमाण पत्रों से संबंधित सूचना एवं परीक्षा से संबंधित अन्य बिन्दु व सूचना के लिए आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध नवीनतम एवं संशोधित परीक्षार्थियों हेतु आवेदन व परीक्षा संबंधी सामान्य दिशा-निर्देश तथा सम्बन्धित सेवा नियमों का अध्ययन आवश्यक रूप से कर लें। इसके अतिरिक्त उक्त परीक्षा के संबंध में समय-समय पर जारी सूचनाओं का अवलोकन आयोग की वेबसाईट https://rpsc.rajasthan.gov.in पर कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त किसी भी प्रकार के मार्ग निर्देशन/सूचना/स्पष्टीकरण हेतु राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर के परिसर में स्थित स्वागत कक्ष पर व्यक्तिगत रूप से अथवा दूरभाष सं.-0145-2635212 एवं 2635200 पर संपर्क किया जा सकता है। समस्त पत्र व्यवहार सचिव, राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर को सम्बोधित किया जाए।

DIPR/C/7064/2024 राम निवास मेहता, सचिव

मंत्री के बेटे को सरकारी अधिवक्ता बनाए जाने पर विपक्ष ने सरकार से जवाब मांगा

विधानसभा में हंगामा करने पर अध्यक्ष ने विधायक को निलंबित किया, कांग्रेस विधायक धरने पर बैठे

- हंगामा हुआ तो अध्यक्ष वासुदेव दवनानी ने मुकेश भाकर के निलंबन का प्रस्ताव लाने को कहा
- मुख्य सचेतक गर्ग लाए निलंबन प्रस्ताव, मार्शलों के जरिए विधायक को निकालने की कोशिश, तो विधायक और मार्शलों में हुई धक्का-मुक्की

जयपुर, (वि.सं.)। विधानसभा में आज जमकर हंगामा हुआ और कांग्रेस के एक विधायक को निलंबित कर दिया गया। इस दौरान विधायक को बाहर निकालने के लिए मार्शल बुलाए गए तो कांग्रेस विधायक आड़े आ गए। इस दौरान धक्का मुक्की हुई। बाद में सदन की कार्यवाही मंगलवार तक के लिए स्थगित कर दी गई, लेकिन कांग्रेस विधायक सदन में ही अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए।

विधानसभा में सोमवार को जमकर हंगामा हुआ। करीब एक घंटे बाधित रहने के बाद विधानसभा की कार्यवाही 4 बजे फिर से शुरू हुई तो निलंबित विधायक मुकेश भाकर को सदन से बाहर निकालने के लिए सभापति संदीप शर्मा ने मार्शल बुला लिए। मार्शल भाकर को सदन से बाहर निकालने के लिए आगे बढ़े तो कांग्रेस के विधायक मार्शल से उलझ गए। इस दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक हरिमोहन शर्मा धक्का-मुक्की के कारण नीचे गिर गए। हालांकि, सभापति संदीप शर्मा ने इस बीच सदन की कार्यवाही मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। अब नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के नेतृत्व में विपक्ष के सदस्य सदन में धरने पर बैठे हैं। उनकी मांग है कि मुकेश भाकर का निलंबन बहाल किया जाए और मंत्री के बेटे को सरकारी अधिवक्ता बनाए जाने के मामले में सरकार सदन में जवाब दे।

हंगामा उस समय शुरू हुआ, जब भोजनावकाश के बाद सदन की कार्यवाही शुरू हुई। उस दौरान नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने एक मंत्री के बेटे को सरकारी अधिवक्ता के रूप में नियुक्ति का मुद्दा उठाया और सरकार से जवाब दिलवाने की मांग की। इस पर हंगामा हुआ तो स्पीकर वासुदेव देवनानी ने सत्ता पक्ष से विधायक के निलंबन का प्रस्ताव लाने को कहा। इस पर सत्ता पक्ष के मुख्य सचिव तक जोगेश्वर गर्ग ने मुकेश भाकर के निलंबन का प्रस्ताव रखा, जिसे पारित कर दिया गया। इसके बाद कांग्रेस विधायक मुकेश भाकर को बजट सत्र की शेष बैठकों के लिए निलंबित कर दिया गया। इस पर हंगामा शुरू हो गया। हंगामे के चलते दो बार सदन की कार्यवाही एक घंटे तक बाधित रही। जब वापस कार्यवाही शुरू हुई तो मुकेश भाकर को सदन से बाहर निकालने के लिए आसन पर मौजूद सभापति संदीप शर्मा ने मार्शल बुला लिए। लेकिन कांग्रेस विधायक मार्शलों से भिड़ गए। इस दौरान धक्का मुक्ति में वरिष्ठ विधायक हरिमोहन शर्मा गिर गए। वहीं एक महिला विधायक की चूड़ी भी टूट गई।

इस घटना के बाद सभापति संदीप शर्मा ने सदन की कार्यवाही मंगलवार सुबह 11 बजे तक स्थगित कर दी। इसके बाद मार्शल संजय चौधरी खुद पहुंचे और अपने प्रतिनिधियों को हटाया। मार्शल बुलाए जाने से नाराज कांग्रेस विधायक सदन में ही धरने पर बैठ गए। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली का कहना है कि मुकेश भाकर का निलंबन खत्म होने और मंत्री के बेटे को सरकारी अधिवक्ता बनाए जाने पर सरकार के जवाब की व्यवस्था तक सदन में उनका धरना जारी रहेगा।

सदन में हंगामे को लेकर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने मीडिया से बातचीत में कहा कि आज सरकार के सामने संवैधानिक संकट है। सरकार ने पीपी और एपीपी की नियुक्ति सीआरपीसी के तहत की है और भारतीय न्याय संहिता लागू होने के बाद यह नियुक्तियां शून्य हो जाती हैं। हमने आसन से यह मांग की थी कि इस पर सरकार का जवाब आ जाना चाहिए। सरकार इस पर कोई जवाब नहीं देना चाहती। उन्होंने कहा कि सत्ता पक्ष के लोग उन्हें उकसाते हैं, जिससे गतिरोध हो जाता है। उन्होंने कहा कि मुकेश भाकर का निलंबन निंदनीय है। हम सदन में धरना देंगे, जो रात को भी जारी रहेगा।

इधर सरकार का पक्ष रखते हुए विधि एवं कानून मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि बिना नियमों में आए उन्होंने विषय उठाने का प्रयास किया है। सरकारी अधिवक्ता नियुक्त करने की प्रक्रिया पुराने कानून में शुरू हो चुकी थी और कई जगह प्रक्रिया पूरी भी हो चुकी है। इस बात को अनावश्यक रूप से मुद्दा बनाकर सदन में व्यवधान किया है। एक सदस्य ने आक्रामक रूप से आसन की ओर बढ़ने का प्रयास किया, इसलिए उन्हें निलंबित किया गया। मंत्री के बेटे की नियुक्ति के सवाल पर उन्होंने कहा कि लिखित जो दिया गया है। उसमें इसका कोई जिक्र नहीं है। वह नियुक्ति एक प्रक्रिया के तहत आज से सात महीने पहले हुई थी। आज उसका कोई मुद्दा ही नहीं है।

डमी अभ्यर्थी बैठाने वाला मुख्य आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने कार्रवाई करते हुए वरिष्ठ अध्यापक प्रतियोगी परीक्षा-2022 में स्वयं के स्थान पर डमी अभ्यर्थी बैठाने वाले मुख्य आरोपित को गिरफ्तार किया है। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

एटीएस और एसओजी के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक वीके सिंह ने बताया कि वरिष्ठ अध्यापक प्रतियोगी परीक्षा-2022 में स्वयं के स्थान पर डमी अभ्यर्थी बैठाने वाले मुख्य आरोपित रमेश कुमार राणा (37) निवासी रानीवाड़ा जिला जालौर को गिरफ्तार किया है। अब तक की जांच में सामने आया है कि आरोपित रमेश कुमार राणा द्वारा वरिष्ठ अध्यापक संस्कृत शिक्षा विभाग प्रतियोगी परीक्षा-2022 में स्वयं द्वारा आवेदन पत्र जारी किया गया। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा रमेश कुमार राणा के नाम से जारी प्रवेश पत्र को आरोपित द्वारा कांट-छांट कर प्रतियोगी परीक्षा में सामान्य ज्ञान एवं हिन्दी की परीक्षा के लिए स्वयं के स्थान पर डमी अभ्यर्थी के रूप में सुरेश कुमार गोदारा एवं दिनेश कुमार को बैठाया। एसओजी की पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।

70 प्रतिभाएं सम्मानित

जयपुर। राष्ट्रीय सामाजिक गौरव सम्मान पुरस्कार समारोह-2024 में गणमान्यों ने हिस्सा लिया और प्रोत्साहित किया। इस मौके पर न्यास के क्षेत्र में अच्छा काम करने वाली 70 प्रतिभाओं को सम्मानित किया तो वे रोमांचित हो उठे।

अध्यक्ष ने नेता प्रतिपक्ष को पांच बार नियमों के तहत विषय उठाने को कहा

'प्रतिपक्ष की हठधर्मिता, प्रतिपक्ष विधायक का गरिमापूर्ण आसन की ओर अभद्र व्यवहार शर्मनाक व निन्दनीय'

- 'प्रतिपक्ष को ऐसे सदस्य का बचाव करना, अलोकतांत्रिक और विकास विरोधी सोच का घोतक'

जयपुर, (वि.सं.)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने राजस्थान विधान सभा में नियमों और परम्पराओं के विपरीत प्रतिपक्ष के हठधर्मिता वाले व्यवहार को बेहद दुःखद बताया है। उन्होंने कहा कि विधानसभा जैसे पवित्र व गरिमापूर्ण सदन में किसी सदस्य के द्वारा आसन की ओर अभद्र इशारों का प्रदर्शन शर्मनाक है। प्रतिपक्ष द्वारा ऐसे सदस्य का पक्ष लेना बेहद निन्दनीय है और ऐसे सदस्य का बचाव किया जाना भी अशोभनीय है। देवनानी ने कहा कि आसन द्वारा सदस्य का निलंबन किये जाने का कदम सदन की गरिमा की रक्षार्थ उठाया गया। प्रतिपक्ष ने लगातार आसन के निर्देशों की अवहेलना की है। प्रतिपक्ष के सदस्य का सोमवार को सदन में व्यवहार और प्रतिपक्ष द्वारा ऐसे सदस्य का बचाव संसदीय परम्पराओं की अवहेलना की पराकाष्ठा है।

सदन में अध्यक्ष वासुदेव देवनानी द्वारा उदार रुख दिखाते हुए आसन से पाँच बार प्रतिपक्ष नेता को नियमों के तहत विषय उठाने के लिए कहा गया। इसके बावजूद भी विधानसभा में प्रतिपक्ष का हठधर्मिता का प्रदर्शन करते हुए वेल में आना, सदन की गरिमा के अनुकूल नहीं है। उल्लेखनीय है कि सदन में प्रतिपक्ष नेता द्वारा उठाया गया विषय न्यायालय में विचाराधीन है। राजस्थान विधान सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियमों के तहत न्यायालय में विचाराधीन विषयों पर सदन में चर्चा की अनुमति नहीं होती है। न्यायालय में विचाराधीन विषयों को बार-बार सदन में उठाया जाना नियमों ही नहीं परम्पराओं के भी विपरीत होता है। विधानसभा में सोमवार को विधायकों के अनुभवों और नवाचारों पर विचार के दौरान विधि विभाग द्वारा 12 जिलों में कुछ लोक अभियोजक और अपर लोक अभियोजकों की नियुक्ति के सन्दर्भ में 27 जुलाई को हुए आदेश में दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 24 के उल्लेख का विषय प्रतिपक्ष नेता द्वारा व्यवस्था के प्रश्न के नाम से उठाया गया जो कि नियमों के विपरित था। राजस्थान विधान सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियमों के नियम 294 के तहत यह व्यवस्था का प्रश्न ही नहीं था। विधान सभा सदन में किसी विषय को उठाने से पूर्व राजस्थान विधान सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियमों के नियम 295 के तहत लिखित में विधान सभा के प्रमुख सचिव को सूचना दिये जाने के तत्पश्चात ही कोई विषय सदन में उठाया जा सकता है।

सदन में चल रहे गतिरोध के दौरान ही विधायक मुकेश भाकर द्वारा आसन के प्रति अशोभनीय व्यवहार और हाथों के इशारे से अमर्यादित प्रदर्शन किया गया, जो विधानसभा में सन 1952 से लेकर अब तक के इतिहास में ऐसे किसी व्यवहार की नजीर नहीं है और प्रतिपक्ष नेता का भी बैल में आने की परम्परा नहीं रही है। इसकी प्रतिपक्ष नेता व प्रतिपक्ष विधायको को घोर निन्दा करनी चाहिए, ताकि विधान सभा सदन की गरिमा और पवित्रता कायम रखी जा सके। विधान सभा के सभी सदस्यों का सदन की पवित्रता व गरिमा को बनाये रखने का महत्वपूर्ण दायित्व होता है।

उल्लेखनीय है कि प्रतिपक्ष द्वारा सदन में नियमौ व आसन के निर्देशों की अवहेलना करके सदन संचालन में व्यवधान डालना और अपमानजनक भाषा के प्रयोग किये जाने के मामले गत दिनों में अनेक बार हुए हैं, जो आसन द्वारा सदन की समृद्ध परम्पराओं के अनुरूप स्वीकार योग्य नहीं है। पूर्व में भी प्रतिपक्ष नेता द्वारा आसन को धृतराष्ट्र कहना, विधायक शांति धारिवाल द्वारा सदन में सभापति को धमकाया जाना और अपशब्द के उपयोग किये जाने के साथ प्रतिपक्ष द्वारा लगातार नियमों की अवहेलना उनका लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं और संसदीय परम्पराओं में आस्था नहीं होना प्रदर्शित करता है।

'नीमच-बड़ीसादड़ी रेल लाइन से प्रभावित 18 जमीनों का भू-रूपांतरण कर बढ़ा दिया 20 करोड़ रु. का मुआवजा'

मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने बांसवाड़ा संभागीय आयुक्त नीरज के.पवन. पर अधिग्रहित जमीनों का मुआवजा तय करने की आड़ में करोड़ों का घोटाला करने और राजकोष को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया

-कार्यालय संवाददाता-

- किरोड़ीलाल मीणा ने राज्य सरकार को शिकायती पत्र लिखकर, नीरज के.पवन को तुरंत फील्ड पोस्टिंग से हटाने की मांग उठाई है। उन्होंने कहा कि 20 करोड़ का घोटाला तो हो चुका है, अभी करीब 125 और मामलों में नीरज के.पवन. मुआवजा इसी प्रकार निर्धारित करने पर तुले हुए हैं, जिससे रेलवे प्रशासन को करीब 130 करोड़ का चूना लगेगा।

जयपुर । मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने बांसवाड़ा संभागीय आयुक्त पर 'नीमच-बड़ीसादड़ी नई रेल लाइन से प्रभावित 18 जमीनों (जिनका भू-रूपांतरण रेल मंत्रालय की अधिसूचना के बाद में हुआ) का मुआवजा 20 करोड़ रु. बढ़ाने का आरोप लगाया है। मंत्री करोड़ीलाल का कहना है कि रेलवे को जो अधिग्रहित भूमि 2 करोड़ में प्राप्त हो सकती थी, अब उस जमीन के बदले 22 करोड़ रु. से ज्यादा की रकम चुकानी पड़ेगी।

किरोड़ीलाल मीणा ने राज्य सरकार को शिकायती पत्र लिखकर, बांसवाड़ा संभागीय आयुक्त नीरज के.पवन पर जमीनों के मुआवजे की आड़ में करोड़ों रुपए का घोटाला करने और राजकोष को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाते हुए तुरंत फील्ड पोस्टिंग से हटाने की मांग रखी है। उन्होंने कहा कि 20 करोड़ का घोटाला तो हो चुका है, अभी करीब 125 और मामलों में नीरज के.पवन. मुआवजा इसी प्रकार निर्धारित करने पर तुले हुए हैं, जिससे रेलवे प्रशासन को करीब 130 करोड़ का चूना लगेगा।

किरोड़ीलाल ने कहा है कि नीरज.के.पवन का नाम पहले भी राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन घोटाला, नर्सिंग कॉलेज घोटाला और नगर निगम बी.वी.जी. कंपनी घोटाले में सामने आ चुका है। राजस्थान सरकार के कार्मिक विभाग ने भी सर्कुलर जारी कर रखा है कि, जिन अधिकारियों पर भ्रष्टाचार के आरोप लंबित हों, उन्हें फील्ड पोस्टिंग नहीं दी जाए।

मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने बताया कि मध्यप्रदेश के नीमच और राजस्थान में छोटी-बड़ी सादड़ी क्षेत्र को नई रेल लाइन से जोड़ने के लिए रेल मंत्रालय ने 12 अगस्त 2022 को अधिसूचना जारी की थी। इसके बाद जिन-जिन जमीनों में से होकर रेलवे लाइन गुजरती, उनका आनन-फानन में कृषि से आवासीय भू-रूपांतरण करने का खेल शुरू हुआ। अक्टूबर-2022 में अधिकांश लोगों ने एक साथ अपनी जमीनों को कृषि से आवासीय में रूपांतरित करवा लिया, जिनमें यह 18 लोग भी शामिल थे। जबकि नियमानुसार, जमीन अवाप्ति की अधिसूचना जारी होने के बाद भूमि किस्म में बदलाव नहीं किया जा सकता।

उन्होंने बताया कि रेलवे मंत्रालय ने 12 अगस्त को अधिसूचना जारी करते हुए "नीमच-बड़ीसादड़ी नई रेल लाइन परियोजना" के लिए नीमच के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व तथा प्रतापगढ़ व चित्तौड़गढ़ उपखंड अधिकारी को सक्षम प्राधिकारी घोषित किया था।

इस रेलवे लाइन की घोषणा के बाद पूरे क्षेत्र में व्यापक स्तर पर रेलवे विभाग व स्थानीय प्रशासन ने सर्वे किया। इसी दौरान प्रकरण संख्या 14/2024 जी.सी.एम.एस. नंबर 2024/2016 मेघराज बनाम भारत सरकार में उपखंड अधिकारी प्रतापगढ़ ने मुआवजा राशि 12 लाख 46 हजार 994 रुपए तय की थी।

किरोड़ीलाल ने बताया कि "रेलवे अधिनियम-1989 की धारा 20(च)(6) के तहत किसी भी भूमि अधिग्रहण के मुआवजे से कोई व्यक्ति संतुष्ट नहीं होता है तो वह मध्यस्थ के समक्ष आवेदन कर सकता है। चूंकि बांसवाड़ा संभागीय आयुक्त नीरज.के.पवन इन मामलों की मध्यस्थता कर रहे थे। उनके समक्ष जब यह प्रकरण पहुंचा तो उन्होंने कृषि भूमि से आवासीय कन्वर्जन को सही ठहराते हुए मुआवजा राशि 12.46 लाख रुपए से बढ़ाकर 1 करोड़ 45 लाख 64 हजार 477 रुपए तय कर दी। इससे सिर्फ एक मामले में ही रेलवे विभाग को 1.33 करोड़ रु. का नुकसान हुआ।"

इसके बाद गत 20 जून 2024 को प्रतापगढ़ जिले के छोटी सादड़ी उपखंड अधिकारी व भूमि अवाप्ति के सक्षम प्राधिकारी प्रवीण कुमार मीणा ने उत्तर-पश्चिम रेलवे उदयपुर के उप मुख्य इंजीनियर (निर्माण-4) को पत्र लिखकर इस प्रकरण में खातेदार को देने के लिए 1.33 करोड़ रु. की मुआवजा राशि और मांगी है।

किरोड़ीलाल ने संभागीय आयुक्त नीरज.के.पवन. द्वारा 18 जमीनों के प्रकरणों में बढ़ाई गई 20 करोड़ रु. की मुआवजा राशि की सूची जारी करते हुए सभी प्रकरणों की जानकारी भी साझा की है। जिसमें उन्होंने खातेदारों के नाम, केस नंबर, खसरा नंबर, जमीन अवाप्ति का एरिया, भूमि रूपांतरण की तारीख बताई है। इसके साथ ही कृषि भूमि के हिसाब से दिये जाने वाले करीब 2 करोड़ की मुआवजा राशि को प्रकरणवार बताया है। इसके अलावा वर्तमान में आवासीय भूमि के हिसाब से 22 करोड़ रु. की जो मुआवजा राशि दी जाने वाली है, उसकी भी पूरी जानकारी दी है।

किरोड़ी लाल के मुताबिक मेघराज पिता भुवानीराम निवासी केसुंदा के खसरा नम्बर 2914/1496, जगदीश पिता हेमराज निवासी केसुंदा के खसरा नम्बर 2916/1109, टीना पुत्री विपुल कुमार निवासी केसुंदा खसरा नम्बर 2918/1910, जगदीश चंद्र पिता मोहनलाल निवासी खेड़ाकेसुंदा खसरा नम्बर 102, दशरथ, राजेश पिता मेघराज निवासी केंसुंदा खसरा नम्बर 2912/1495, अभिषेक पिता बाबूलाल निवासी धामनिया रोड खसरा नम्बर 517/34, कानाबाई पुत्री कारूलाल निवासी केसुंदा खसरा नम्बर 1066, धापू पुत्री भेरु पारम पिता भेरु निवासी राजपुरा खसरा नम्बर 304/104, रामचंद्र पिता बजेराम निवासी चान्दोसी खसरा नम्बर 1514/300, नानाराम पिता गवरीलाल निवासी चान्दोसी खसरा नम्बर 1520/358, सीताराम पिता पर्चा निवासी हमेरपुरा उर्फ दूधतलाई खसरा नम्बर 807/103, टीना पुत्री विपुल कुमार निवासी केसुंदा, गंगाबाई पुत्री भेराजी निवासी जलोदा जागीर खसरा नम्बर 2475/2011, चेतना पिता बाबुलाल निवासी धमानिया रोड खसरा नम्बर 518/34, आशाबाई पुत्री बाबूलाल निवासी धमानिया रोड खसरा नम्बर 519/34, रामलाल पिता मोती निवासी हमेरपुरा उर्फ दूधतलाई खसरा नम्बर 805/95, प्रकाश चंद्र पिता कानीराम निवासी जालोदा जागीर खसरा नम्बर 2477/1982, सुमित्राबाई पुत्री गोपाललाल निवासी राजपुरा खसरा नम्बर 310/309, ईश्वरनाथ पिता गोपीनाथ निवासी चांदोसी खसरा नम्बर 1516/708।

राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे ने दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की। राज्यपाल ने उनसे राजस्थान के विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। राज्यपाल की उनसे यह शिष्टाचार भेंट थी।

एविएशन सिक्योरिटी कल्चर वीक का शुभारंभ

जयपुर। भारत सरकार की नागर विमान सुरक्षा के तत्वावधान में इंटेलिजेंस ट्रेनिंग अकेडमी जयपुर स्थित एविएशन सिक्योरिटी ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट में एविएशन सिक्योरिटी कल्चर वीक का शुभारंभ सोमवार को आईजी सुरक्षा राजस्थान राजेश मीणा की अध्यक्षता में आयोजित एक समारोह में किया गया। समारोह के शुभारंभ के अवसर पर आईजी मीणा ने बताया कि सोमवार 5 से 11 अगस्त तक एविएशन सिक्योरिटी कल्चर वीक मनाया जा रहा है। मीणा ने हॉटल मैनेजमेन्ट के छात्रों को हवाई सुरक्षा के बारे में बताया। वरिष्ठ नागरिक उड्यन सुरक्षा अधिकारी ईश्वर सिंह द्वारा विमान यात्रा के दौरान केटरिंग सुरक्षा के बारे में व्याख्यान दिया गया। बीसीएएस से आये अधिकारी, इण्डियन इन्स्टीट्यूट ऑफ हॉटल मैनेजमेन्ट के अधिकारी एवं छात्र-छात्राएं तथा उप महानिरीक्षक पुलिस एवं निदेशक, एएसटीआई, राजस्थान दीपक भार्गव सहित इन्टेलीजेंस प्रशिक्षण अकादमी जयपुर के प्रशिक्षणार्थी एवं समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

दो बदमाशों ने की बुजुर्ग से लूटपाट

जयपुर । जयसिंहपुरा खोर इलाके में दो बदमाशों ने एक बुजुर्ग व्यक्ति से लूट की वारदात को अंजाम दिया।

बताया जा रहा है कि रात के समय घर लौटते समय बदमाशों ने वारदात की। मारपीट कर बदमाश कैश छीन ले गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर लुटेरों की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस ने बताया कि लूट की वारदात जमवारामगढ़ निवासी गोविन्द नारायण शर्मा (60) के साथ हुई। रविवार रात वह घर लौट रहे थे। सूगली नदी कचरा प्लांट के पास दो बदमाशों ने उन्हें पकड़ लिया।

हरियालो राजस्थान के लिए बनाए 17 ब्रांड एंबेसडर

जयपुर। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर हरियाली तीज पर हरियालो राजस्थान अभियान को लेकर पिछले लगभग 3 महीने से लगातार प्रदेश का दौरा कर अभियान को सफल बनाने मे जुटे हैं। दिलावर प्रदेश के 17 से अधिक जिलों का दौरा कर 200 से अधिक बैठके ले चुके हैं। अभियान को लेकर मंत्री ने 17 ब्रांड अम्बेसडर भी नियुक्त किए हैं जो निरंतर इस अभियान को सफल बनाने मे जुटे हुए हैं। नियुक्त किए गए सभी ब्रांड एंबेसडर पर्यावरण के लिए काम करने वाली प्रमुख हस्तियां हैं।

हिम्मता राम भांभू नागौर जिले से है। पद्मश्री प्राप्त भांभू ने 7 अगस्त को एक ही दिन मे 11 हजार पौधे लगाने और उनको सुरक्षित रखने का संकल्प लिया है। अजीत सिंह शेखावत पेशे से सॉफ्टवेयर इंजीनियर है। सीकर जिले की लक्ष्मणगढ़ तहसील के छिछलास ग्राम निवासी शेखावत ने स्वयं के निजी खर्चे पर 51000 पौधे पूरे राजस्थान मे नंगे पैर रहकर लगाए हैं। साथ ही 6 छोटे-छोटे ऑक्सीजन पार्क भी विकसित किए हैं। धर्मपाल डोंगीवाल पेशे से शिक्षक है। नागौर निवासी डोंगिवाल अब तक 5 हजार पौधे लगा चुके हैं।

जालोर के शंकर लाल राजपुरोहित ने 11000 पौधे लगाने का संकल्प लिया है।जालोर की जस्ट लाइक यू फाऊंडेशन ने भी 11000 पौधे लगाने का संकल्प लिया है। जोधपुर के निर्मल गहलोत बड़े समाजसेवी हैं। वह कोचिंग संचालक है। गहलोत ने राजस्थान के राज्य वृक्ष खेजड़ी के 11000 पौधे उपलब्ध करवाने तथा उनका कलम करने का संकल्प लिया है। जयपुर के सुभाष गोयल जयपुर व्यापार महासंघ के अध्यक्ष हैं। इन्होंने 100000 पौधे लगाने का संकल्प लिया है। उमेश भंडारी, प्रेसिडेंट रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड जयपुर। इन्होंने 11000 पौधे लगाने और उनको सुरक्षित रखने का संकल्प किया है। जयपुर के सुनील अग्रवाल ने 11000 से ज्यादा पौधे लगा दिए हैं तथा हर महीने औसतन 3 से 4 लख रुपए वृक्षारोपण हेतु खर्च करते हैं। मानस गोस्वामी गोविंद देव जी मंदिर,जयपुर। गोस्वामी ने 21000 पौधे लगाने का संकल्प लिया है। राम अवतार मीणा, सवाई माधोपुर निवासी मीना ने 11000 पौधे लगाने और उनको सुरक्षित रखने का संकल्प लिया है। सीकर निवासी महंत दिनेश गिरि महाराज, पीठाधीश्वर बुद्ध गिरी मढ़ी, फतेहपुर,सीकर ने 21000 पौधे लगाने और उनको सुरक्षित रखते हुए वृक्ष बनाने का संकल्प लिया है। श्याम सुंदर पालीवाल, निवासी राजसमंद। पद्मश्री पुरस्कार प्राप्त हस्ती है। इन्होंने 11000 पौधे लगाने और उनको वृक्ष बनाने का संकल्प लिया है। निलेश जागेटिया, रेलमगरा, राजसमंद निवासी जागेटिया 15000 पौधे लगाएंगे। दिलीप सुराणा, प्रसिद्ध उद्योगपति सुराणा जी माइक्रोलैब्स लिमिटेड ग्राम बाल राय जिला पाली के सीएमडी है। इन्होंने 20000 पौधे लगाने और उनको सुरक्षित रखने का संकल्प लिया है। विजय सिंह राठौड़ हनुमानगढ़ जिला परिषद के सदस्य है। राठौर 11000 पौधे लगाएंगे तथा रामेश्वर मित्तल बारां जिले के शाहाबाद के रहने वाले है।

दौसा में हुई सड़क दुर्घटना पर राज्यपाल की शोक संवेदना

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे ने दौसा में हुए भीषण हादसे में नायब तहसीलदार सहित तीन कार्मिकों की मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने ईश्वर से मृतकों की आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की है। उन्होंने हादसे में घायल तीन कार्मिकों के जल्द स्वस्थ होने की भी कामना की।

हॉस्टल छात्रा से छेड़छाड़

जयपुर। सांगानेर इलाके में एक हॉस्टल छात्रा से छेड़छाड़ करने का मामला सामने आया है। पीड़िता का आरोप है कि पिछले काफी समय से आरोपित उसका पीछा कर बीच रास्ते में पकड़ कर छेड़छाड़ कर रहा है। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दे रहा है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

'श्री शुभम लॉजिस्टिक व भंडारण निगम के अनुबंध की जांच करें ए.सी.बी.'

मंत्री किरोड़ीलाल की शिकायत के बाद भंडारण निगम ने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो को जांच के लिए पत्र लिखा

जयपुर (का.सं.)। मंत्री किरोड़ीलाल मीणा की शिकायत पर राजस्थान राज्य भंडारण निगम ने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (ए.सी.बी.) को पत्र लिखकर कहा है कि, "श्री शुभम लॉजिस्टिक के साथ कृषि उपज को भंडारण निगम व प्राइवेट गोदामों में सुरक्षित रखने के लिए किए गए अनुबंध" के प्रकरण में भारी अनियमितताओं के आरोपों की जांच की जाए।

गौरतलब है कि मंत्री किरोड़ीलाल ने 16 मई को मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर शिकायत दी थी कि जून-2020 में भंडारण निगम ने गोदाम निर्माण, गोदामों को पी.पी.पी. मोड पर देने और उनका प्रबंधन करने के लिए श्री शुभम लॉजिस्टिक और ऑरिगो कंपनी को टैंडर दिया था, लेकिन इन फर्मों ने शर्तों का उल्लंघन करते हुए गोदामों में रखी 3000 करोड़ की बाजार मूल्य वाली कृषि उपज का बीमा नहीं करवाया। इसके अलावा तयशुदा बैंक गारंटी की राशि भी विभाग में जमा नहीं करवायी। इस किरोड़ीलाल मीणा ने 21 जनवरी 2024 की सी.ए.जी. रिपोर्ट का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से इस घोटाले की जांच करवाने, टैंडर निरस्त करने और दोषी बड़े अधिकारियों के खिलाफ सख्त एक्शन लेने की मांग उठाई थी।

गौरतलब है कि भंडारण निगम ने गत 19 जून को कृषि-उद्यानिकी विभाग के प्रमुख शासन सचिव को पत्र लिखा था कि "मंत्री किरोड़ीलाल के गंभीर आरोपों के बाद 14 जून को बोर्ड मीटिंग में श्री शुभम लॉजिस्टिक द्वारा की गई अनियमितताओं पर सख्त कार्रवाई करने का निर्णय लिया था। साथ ही दो वरिष्ठ अधिकारियों पर दंडात्मक कार्रवाई करने का भी फैसला लिया था। बोर्ड मीटिंग में कहा गया था कि प्रतिनियुक्ति पर लगे डिप्टी डायरेक्टर योगेश वर्मा को निलंबित किया जा चुका है। पत्र में बताया गया कि लेखाधिकारी बिंदू भदौरिया के निलंबन के लिए भी वित्त विभाग को फाइल भेजी गई है। इसी संदर्भ में भंडारण निगम ने ए.सी.बी. को पत्र लिखकर यह भी कहा है कि, श्री शुभम लॉजिस्टिक के साथ हुए अनुबंध में कई चौंकानें वाली बातें हैं, जैसे कि भंडारण निगम, इस कंपनी के साथ अपना अनुबंध खत्म भी करना चाहे तो "टर्मिनेशन क्लॉज" (अनुबंध खत्म करने की शर्त) के अनुसार भंडारण निगम को उसे खामियां बताते हुए नोटिस देकर 6 माह में इन गलतियों को सुधारने का मौका देना पड़ेगा। इसके बाद भी अगर हालात नहीं सुधरते हैं तो 3 माह का अतिरिक्त समय देते हुए पुनः नोटिस देना पड़ेगा। एसीबी को भेजी गई शिकायत के साथ इस एकतरफा "टर्मिनेशन क्लॉज" के बारे में भी जानकारी दी गई है। हैरानी की बात है कि तत्कालीन अधिकारियों व उनके वित्तीय सलाहकारों ने श्री शुभम लॉजिस्टिक के साथ ऐसा अनुबंध करने के लिए क्यों विवश थे?

कांग्रेस शासन में महिलाओं की स्थिति बहुत दयनीय रही : मदन राठौड़

जयपुर। केंद्र सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण को लेकर शुरू की गई मिशन शक्ति योजना पर भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष अध्यक्ष सांसद मदन राठौड़ ने राज्यसभा में सवाल लगाया। राठौड़ ने महिला सशक्तिकरण हेतु मिशन शक्ति योजना को लेकर राजस्थान राज्य का 2021 से लेकर 2023-24 तक का ब्योरा मांगा। सवाल के जवाब में महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी द्वारा बताया गया कि भारत सरकार ने 15वें वित्त आयोग की अवधि 2021-22 से 2025-26 के दौरान राजस्थान राज्य सहित संपूर्ण देश में महिलाओं की सुरक्षा, संरक्षा और सशक्तिकरण के लिए अम्ब्रेला स्कीम के रूप में एक्रीकृत महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम मिशन शक्ति शुरू किया गया। इसके अन्तर्गत राजस्थान राज्य को पिछले तीन वर्ष 2021-22 में 123.84 करोड़, 2022-23 में 90 करोड़ और 2023-24 में 144.18 करोड़ का बजट जारी किया।

शिक्षिका ने छात्रा को चोटी पकड़कर जमीन पर पटका

जयपुर । राजधानी के बनीपार्क स्थित महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय में 10 साल की मासूम छात्रा को टीचर ने चोटी पकड़ कर बेंच से नीचे पटक दिया। इससे बच्ची के हाथ में भी मोच आ गई। ये घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसका फुटेज अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। वहीं, इस मामले पर अब शिक्षा मंत्री ने जांच के आदेश देते हुए दोषी शिक्षिका पर कार्रवाई की बात कही है।

एक तरफ शिक्षा महकमा प्रदेश के सरकारी स्कूलों में गुणवत्ता लाने के प्रयास में जुटा है।

जुआ खेलते 5 जुआरी गिरफ्तार

धौलपुर। धौलपुर शहर की कोतवाली थाना पुलिस ने जुआ सट्टे के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 5 जुआरियों को गिरफ्तार किया है। जिनसे 15 हजार रुपये की जुआ राशि को भी जब्त करते हुए बरामद किया गया है। अचानक हुई कार्रवाई से जुआरियों और सटोरियों में हडकंप मच गया।

थाना प्रभारी प्रमेंद्र रावत ने बताया कि रविवार रात्रि गश्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर हैड कांस्टेबल कृष्णा पूनियां ने जाब्ते के साथ सागरपाडा अम्बेडकर पार्क धौलपुर के पास से जुआ खेलते हुए जसवंत पुत्र रामभरोसी निषाद निवासी महात्मानन्द की बगीची पुराना शहर धौलपुर, गौरव पुत्र रामचरन जाटव निवासी सागरपाडा धौलपुर, आकाश पुत्र हरिओम जाटव निवासी सागरपाडा, जीतेन्द्र पुत्र हरिओम जाटव निवासी सागरपाडा और बन्ना पुत्र कप्तानसिंह गुर्जर निवासी शैतानपुरा मौहल्ला पुराना शहर धौलपुर को गिरफ्तार किया है।थाना प्रभारी रावत ने बताया कि इन जुआरियों के कब्जे से 15 हजार रूपये की जुआ राशि व ताश के पत्तों को भी जब्त किया है।

जुआरियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करते हुए कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

उन्होंने कहा कि जुआरियों और सटोरियों के खिलाफ पुलिस की यह कार्रवाई जारी रहेगी।

राशन विक्रेता संघर्ष समिति ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

करौली(नि.स.)। राजस्थान राज्य राशन विक्रेता संघर्ष समिति करौली के पदाधिकारी ने मुख्यमंत्री के नाम का जिला कलेक्टर को ज्ञापन पेश कर मांगों से अवगत कराया।

राशन विक्रेता संघर्ष समिति के अध्यक्ष अभिमन्यु कौशिक, जमनालाल, मोहम्मद शाकिर, जिला उपाध्यक्ष रमेश बालोती सहित दर्जनों की संख्या में आए राशन विक्रेताओं ने

- चार सूत्रीय मांगों लेकर करौली के पदाधिकारी ने मुख्यमंत्री के नाम का जिला कलेक्टर को ज्ञापन पेश सौपा

कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री के नाम का जिला कलेक्टर को ज्ञापन पेश कर बताया कि राशन डीलर उपभोक्ताओं को गेहूं वितरण करके सेवा करते आ रहे हैं कोरोना काल हो या अन्य आपदा महामारी हो राशन डीलर्स ने हमेशा सहयोग किया है उसके पश्चात खाद्य विभाग के ऐसे आदेश जिसे विक्रेता को मानसिक आघात पहुंच रहा है जिसके कारण एक राशन डीलर स्वर्गीय रामेश्वर मीणा उक्त आदेश से ऐसा मानसिक आहत हुआ कि उनका

करौली कलेक्ट्रेट मे प्रदर्शन करते राशन विक्रेता ।

हृदय गति रूकने से निधन हो गया इसलिए सरकार मानवीय मूल्य को दृष्टिगत रखते हुए उनके परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी एवं 50 लाख रुपए का मुआवजा दिया जाए। उन्होंने बताया कि राजस्थान के उचित मूल्य दुकानदार गत एक अगस्त से अपनी चार सुत्रीय मांगों को लेकर कार्य बहिष्कार पर हैं जिनके संबंध में सरकार और प्रशासन द्वारा हमारी मांगों पर सहानुभूति पूर्वक कोई विचार नहीं किया गया एवं इसके विपरीत प्रशासन द्वारा उचित मूल्य दुकानदारों के स्थान पर जीएसएस एवं अन्य संगठनों के द्वारा राशन वितरण करने के आदेश जारी किये उक्त आदेश के चलते हमारे एक उचित मूल्य दुकानदार रामेश्वर मीणा को गहरा सदमा लगने से उनका निधन हो गया। उन्होंने ज्ञापन के माध्यम से मांग कि है कि हमारी चार सूत्रीय मांगों के अलावा हमारे शहीद हुए उचित मूल्य दुकानदार मीणा के परिवार को 50 लाख रुपए कि आर्थिक सहायता तथा परिवार के एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी दी जाए और जल्द से जल्द उचित मूल्य दुकानदारों कि वर्तमान मांगो का निराकरण किया जाएं।

अभियान का पहला चरण शुरू

करौली (नि.स.)। मानसून के दौरान व बाद में मच्छर जनित डेंगू मलेरिया आदि बीमारियों के नियंत्रण व रोकथाम को लेकर जिले में अभियान स्वास्थ्य दल आपके द्वार का प्रथम चरण 5 से 31 अगस्त तक चलाया जाएगा। इस दौरान विभिन्न विभागों की सहभागिता से मच्छररोधी गतिविधियां की जाएंगी। अतिरिक्त मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य शुभ्रा सिंह ने अभियान में अंतर विभागीय समन्वय कर सभी संबंधित विभागों से आवंटित कार्य करवाने के निर्देश सभी जिला कलेक्टर को जारी किए हैं। सीएमएचओ डॉ दिनेश चंद मीना ने बताया कि अभियान में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की सर्वे टीमों द्वारा घर.घर जाकर सोर्स रिडक्शन, एंटीलारवल, एंटीएडल्ट व आईईसी गतिविधियां करवाने, बुखार के रोगियों की रक्त पट्टिका बनाने, गतिविधियों की रिपोर्टिंग मरुधर एप के माध्यम से करवाने आदि अन्य कार्य सम्पादित किए जाएंगे। नगर निगम को नालियों की सफाई, गंदे पानी के स्त्रोंतों में एमएलओ डलवाने, फॉगिंग करवानेए गड्ढे भरवानेए लार्वा मिलने पर नोटीस व चालान की कर्रवाई करवाने सहित अन्य कार्य आवंटित किए गए हैं।डिप्टी सीएमएचओ स्वास्थ्य ओपी मीना ने बताया कि अभियान में अन्य विभागों नागरिक सुरक्षा, शहरी विकास एवं हाउसिंग बोर्ड व आवासन मंडल, नर्सेज कॉउंसिल, शिक्षा विभाग को भी विभिन्न कार्य आवंटित किए गए हैं।

सार-समाचार

धूमधाम के साथ निकाली कावड़ यात्रा

करौली के प्रमुख मार्गो से होकर गुजरती काबड यात्रा

करौली (नि.स.)। इन दोनों श्रावण मास के दौरान शिव मंदिरों में विशेष पूजा अर्चना के कार्यक्रम चल रहे हैं इसी कडी में शहर के साइनाथ खिडकियां बाहर स्थित नर्मदेश्वर महादेव मंदिर पर कावड यात्रा निकालकर सहस्त्र जलधारा की । कार्यक्रम से जुडे गिर्राज तिवाडी ने बताया कि सोमवार को प्रात: 6:00 बजे शिव भक्त करौली मे पांच नदियों के संगम से बने पवित्र पांचना बाध पर पहुंचें जहां से 31 कावड भरकर महिला पुरुष श्रद्धालु डीजे की धुन पर बज रहे मधुर भजनों पर नाचते गाते हुए श्रद्धालु मासलपुर चुंगी नाका,स्टेडियम रोड,गुलाब बाग तिराहा होते हुए अस्पताल रोड,हिंडौन गेट,फूटाकोट,सदर बाजार,अनाज मंडी,बडा बाजार होते हुए साइनाथ खिडकियां बाहर स्थित तिवाडीयो की बगीची मे बने नर्वदेश्वर महादेव मंदिर पर पहुंचे इस दौरान कावड यात्रियों का जगह लोगों ने शीतल पेय पिलाकर एवं पुष्प वर्षा कर स्वागत किया इसके पश्चात मंदिर पहुंचने पर जलाभिषेक किया गया। इस अवसर पर गिर्राज तिवाडी, हेमराज तिवाडी, बली प्रसाद शर्मा, दीनदयाल शर्मा दीनू, सोनू शर्मा, संतु तिवाडी रेवती प्रसाद शर्मा, मोहन तिवाडी, राम निवास व्यास रोधई सहित भारी संख्या में महिला पुरुष श्रद्धालु उपस्थित थे।

आरोपी की सजा हाईकोर्ट से हुई स्थगित

करौली (नि.स.)। राजस्थान हाईकोर्ट जयपुर ने गैंगरेप के आरोपी बिष्णु कि सजा स्थगित कर जमानत प्रदान की है। न्यायलय विशिष्ट न्यायाधीश एस.सी.एस.टी कोर्ट करौली ने 18 जनवरी 2023 को आरोपी को सामूहिक दुष्कर्म के मामले में 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई थी। उल्लेखनीय है कि करौली महिला थाने में 2013 में परिवादिया ने दो लोगों के खिलाफ गैंगरेप का मामला 376 डी में दर्ज करवाया जिसमें अनुसंधान करके दोनों के खिलाफ पुलिस ने चार्जशीट पेश की। सहअभियुक्त के विचारण के दौरान फरार होने पर अपीलार्थी बिष्णु को 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। बाद में सह अभियुक्त भगवान सिंह भी विचारणीय न्यायालय के सामने पेश हुआ जिसकी ट्रायल में उसे न्यायलय द्वारा बरी कर दिया। अपीलार्थी के अधिवक्ता हरिराम गुर्जर ने न्यायालय को बताया कि प्रथम सूचना रिपोर्ट देरी से दर्ज हुई है तथा अपीलार्थी पर दुष्कर्म का आरोप साबित नहीं हुआ है। मैडिकल साक्ष्य भी अपीलार्थी के खिलाफ नहीं है। सहअभियुक्त बरी हो चुका है। अपीलार्थी दो साल से अधिक समय से जेल में बंद हैं। अपील की सुनवाई में समय लगेगा इसलिए सजा स्थगित की जाये। सरकारी वकील ने घोर विरोध किया। अपीलार्थी के अधिवक्ता हरिराम गुर्जर की बहस से संतुष्ट होकर नयायधिपति अनिल कुमार उपमन ने सजा स्थगन प्रार्थना पत्र को मंजूर कर लिया।

महिला मोर्चा ने की शिरकत

करौली(नि.स.)। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा करौली जिला संयोजक विद्या वैष्णव के नेतृत्व में भाजपा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड के पदभार ग्रहण समारोह में बस द्वारा महिलाएं जयपुर पहुंची। प्रदेश अध्यक्ष राठौड के पद ग्रहण समारोह में भाजपा महिला मोर्चा करौली से सुशीला शर्मा,रामदुलारी,कमला शर्मा,ज्योति शर्मा,मेघा शर्मा,पप्पी जादौन,अनसुइया शर्मा, अनीता,चुना, सुमन वैष्णव, लक्ष्मी,रामा,राजकुमारी पचैरी, गुड्डी गौड, उषा, माया, मंजू, सीमा, परी,अन्नपूर्णा. अनेकों महिलाएं कार्यकर्ताए शामिल हुई।

22 हजार 88 सीवरेज कनेक्शन जारी

भरतपुर (निस)। शहर में सीवरेज के कार्य में राज्य सरकार द्वारा चार चरणों में अब तक 242.75 किमी सीवरेज लाइन डाली जाकर 22 हजार 88 सीवरेज कनेक्शन जारी किये जा चुके हैं। तृतीय व चतुर्थ चरण में मैनहोल, आईसी चैम्बर निर्माण एवं रोड रेस्टोरेशन का कार्य प्रगति पर है, इसके बाद हाउस सीवर कनेक्शन के शेष कार्य पूरे किये जायेंगे। नगर निगम आयुक्त रिछपाल सिंह बुरडक ने बताया कि भरतपुर शहर में सीवरेज का कार्य चरणबद्ध रूप से करवाया जाना प्रस्तावित है। जिसमें अब तक 22 हजार 88 सीवरेज कनेक्शन जारी किये जा चुके हैं तथा 378.3 किमी स्वीकृत में से 242.75 किमी सीवरलाइन बिछायी जा चुकी है। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण में 2009 में 74 किमी सीवरलाइन का कार्य स्वीकृत हुआ था जिसके तहत 13 हजार 742 सीवर कनेक्शन, 8 एमएलडी, 1 एसटीपी एवं 3 एसपीएस का निर्माण 2018 में पूर्ण किया गया है। उन्होंने बताया कि इस कार्य में 11 हजार 746 कनेक्शन करवाये जाने की निविदा की गई जिसमें 8 हजार 481 सीवर कनेक्शन पूर्ण कर शेष कार्य प्रगति पर है। उन्होंने बताया कि द्वितीय चरण में भरतपुर के सरकूलर रोड के बाहर बसी आवासीय कॉलोनियों में 119.75 किमी सीवरलाइन, 6 एमडब्ल्यूपीएस, 1 एसटीपी, 5 एमएलडी का निर्माण तथा 15 हजार 85 सीवर कनेक्शन कार्य व 10 वर्ष का रखरखाव व संचालन किया जाना था। उन्होंने बताया कि इसके तहत 13 हजार 607 सीवर कनेक्शन किये जा चुके हैं। शेष भूखण्डों में भवन नहीं बनने के कारण सीवर कनेक्शन नहीं किये गए हैं। आयुक्त ने बताया कि तृतीय चरण में शहर के बाहर बसी आवासीय कॉलोनियों में 103.51 किमी सीवरलाइन, एसपीएस निर्माण, एसटीपी अपग्रेडेशन एवं रखरखाव कार्य किया जाना प्रस्तावित है।

हिंडौन में जीप और टैंपो की भिड़त, 2 घायल

हिंडौन सिटी । महवा रोड स्थित क्यारदा में एक रिसोर्ट के पास रविवार रात 8 बजे टैंपो टैक्सी और जीप की आमने सामने भिंडत हो गई। हादसे में जीप ड्राइवर सहित एक सवारी गम्भीर रूप से घायल हो गई।

मौके पर पहुंची नई मंडी थाना पुलिस के जाब्ते ने घायलों को उपचार के लिए सरकारी जीप से जिला अस्पताल पहुंचाया।जहां जीप चालक की स्थिति गम्भीर होने पर चिकित्सक ने उसे जयपुर रैफर कर दिया। नई मंडी थाने के एएसआई बनय सिंह ने घायलों में जीप चालक दौसा के खेडला निवासी भागसिंह है।

दूसरा घायल सलेमपुर थाना निवासी किरोडी सिंह गुर्जर है। उन्होंने बताया कि रविवार को गश्त के दौरान सूचना मिली कि क्यारदा में एक रिसोर्ट के पास दो वाहनों की परस्पर टक्कर हो

- जीप चालक की स्थिति गम्भीर होने पर चिकित्सक ने उसे जयपुर रैफर कर दिया

गई। जिसके बाद जाब्ता लेकर मौके पर पहुंचे।मौके पर जीप और टैंपो ट्रैक्सी भिडंत की स्थिति में खडे हुए मिले। वही दो जने गंभीर रूप से घायल थे। जिन्हें जिला अस्पताल लाया गया। घायलों की जानकारी मिलने पर उनके परिजनों को सूचना दी। जिला अस्पताल में उपचार के दौरान दोनों घायलो के परिजन भी पहुंच गए। इधर सर्जन डॉ जेपी मीना ने बताया घायल जीप चालक भाग सिंह के सिर पर गंभीर चोट आई है। गम्भीर हालात होने पर प्राथमिक उपचार के बाद रैफर किया गया है।

नोटिस जारी होने के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई

धौलपुर। धौलपुर में सार्वजनिक निर्माण विभाग की ओर से किए गए घोटाले के सामने आने के बाद दोषियों के खिलाफ कार्रवाई को लेकर सवाल उठने लगे हैं। दो महीने पहले विजिलेंस की टीम ने मामले की जांच की थी। जांच रिपोर्ट में गड़बड़ी सामने आने के बावजूद दोषियों के खिलाफ कोर्ट भी कार्रवाई नहीं की गई है।जानकारी के मुताबिक धौलपुर जिले के पीडब्ल्यूडी में तैनात उच्च अधिकारियों ने ठेकेदारों से मिलीभगत करके आठ गांव की सड़कों को कागजों में डलवाकर करीब ढाई करोड़ रुपए का भुगतान कर दिया था। विभाग के अधिकारियों ने हिनौदा से पुरानी छावनी, पथेना से गुर्जा और करीमपुर के पुरा से जीएसएस करीमपुर तक की सड़कों को कागजों में दर्शाकर ठेकेदारों को बिना सड़क डाले ही ढाई करोड़ रुपए का भुगतान कर दिया।

सावन माह के तीसरे सोमवार को भक्तो ने किया जलाभिषेक

गंगापुर सिटी । सावन के महीने में शहर सहित आसपास के इलाकों में धार्मिक आयोजन किए जा रहे हैं। शहर सहित आसपास के क्षेत्र में श्रावण माह के तीसरे सोमवार को मंदिरों में हर हर महादेव, बम बम भोले के जयकारे गूंजे। दिन भर मंदिरों में शिव भक्तों की भीड लगी रही।

श्रद्धालुओं ने श्रावण माह के तीसरे सोमवार को भगवान शिव का जलाभिषेक, रुद्राभिषेक कर भगवान शिव की विधिवत मंत्रोच्चार के साथ में पूजा अर्चना की।

साथ ही भगवान शिव और शिव परिवार को बेलपत्र चढाकर पूजा अर्चना के बाद शिव चालीसा, रुद्राष्टक का पाठ कर आरती की। श्रावण माह के चलते इन दिनों शहर के प्रसिद्ध मंदिरों बालाजी

- शहर सहित आसपास के क्षेत्र में सावन माह के तीसरे सोमवार को मंदिरों में हर हर महादेव, बम बम भोले के जयकारे गूंजे।

चौक, श्री कल्याण जी मंदिर, उधाडमल बालाजी, बंदरिया का बालाजी, उदेई मोड स्थित मनोरथ सिद्ध हनुमान जी मंदिर, सैनिक नगर स्थित संकटमोचन हनुमान मंदिर, तहसील स्थित चक्रपाणि का मंदिर, पुरानी अनाजमंडी स्थित सीतारामजी का मंदिर, ट्रक यूनियन स्थित गणेश मंदिर में श्रावण माह के तीसरे सोमवार को अन्य दिनों की अपेक्षा श्रद्धालुओं की अधिक भीड दिखाई दी। वहीं सोमवार को पंचायत समित परिसर स्थित ममलेश्वर महादेव मंदिर पर सहस्त्रघट कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें सैकडो लोगो ने भाग लिया। इस दोरान विष्णुचंद शास्त्री के सानिध्य में विद्वानो ने चटक मटक के साथ रूद्री पाठ कर शिवजी का जलाभिषेक कराया। मंदिरों में सुबह 4 बजे से ही श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला शुरू हुआ। जो पूरे दिन भर चलता रहा। मंदिरों में दिनभर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। इस दौरान शिव भक्तों ने भगवान शिव और शिव परिवार के साथ-साथ हनुमानजी, गणेशजी और ठाकुरजी का जलाभिषेक के बाद पंचामृत अभिषेक और इसके बाद में रुद्राभिषेक किया।

डीसीए की अंडर-16 टीम के लिए खिलाड़ियों ने किया खेल कौशल का प्रदर्शन

हिंडौन सिटी। जिला क्रिकेट संघ की अंडर- 16 टीम का चयन करने के लिए समीप के गांव खेड़ा जमालपुर स्थित सौरभ एजुकेशन कैंपस में खिलाड़ियों के खेल कौशल को परखा और जिले की टीम का चयन किया गया जिला क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष ओम प्रकाश पाठक ने जानकारी देते हुए बताया कि राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से आयोजित होने वाले आगामी अंडर-16 टूर्नामेंट के लिए जिले की टीम का ट्रायल के आधार पर चयन किया गया। उन्होंने बताया कि टीम में चयन के लिए जिलेभर से पांच दर्जन से अधिक खिलाड़ी सौरभ एजुकेशन कैंपस के खेल मैदान पर पहुंचे। जहां खिलाड़ियों के दस्तावेजों की जांच कर पंजीयन किया गया। इसके बाद मौजूद खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए अध्यक्ष पाठक एवं उपाध्यक्ष वासुदेव शर्मा ने कहा कि गांव, ढाणी, गली-मोहल्ले एवं छोटे मैदानों पर खेले जाने वाले मनोरंजन के खेल खेलकर आए खिलाड़ी अपने खेल कौशल का प्रदर्शन करते समयआरसीए की प्रतियोगिताओं के 50 ओवर के मैच को ध्यान में रखते हुए अपनी खेल क्षमता और खेल कौशल का प्रदर्शन करें । उन्होंने बताया कि ज्यादातर खिलाड़ियों को मैदान पर उतरते ही गेंदबाज को समझे बिना केवल हिट करने की जो आदत है यह अच्छे खिलाड़ी की पहचान नहीं है । क्रिकेट के विशेषज्ञ प्रियाकांत बेनीवाल की ओर से खिलाड़ियों को दिए गए आवश्यक दिशा निर्देश के बाद उनकी रुचि के अनुरूप उनके खेल कौशल का प्रदर्शन करने का मौका दिया गया। इस दौरान मौजूद खेल विशेषज्ञों ने खिलाड़ियों के खेल कौशल का बारीकी से निरीक्षण किया। बताया है कि चयनित खिलाड़ियों को उनके मोबाइल नंबर पर सूचना देकर अवगत करा दिया जाएगा जो आरसीए की ओर से आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।

विरोध प्रदर्शन किया

हिंडौन सिटी । जलदाय विभाग कार्यालय में सोमवार को तकनीकी कर्मचारियों ने निजीकरण की योजना के विरोध में प्रदर्शन किया। इसी के साथ सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी की गई। जलदाय विभाग तकनीकी कर्मचारी संघ के अध्यक्ष सुरेश डागुर ने बताया कि राज्य सरकार जलदाय विभाग को निजीकरण किए जाने की योजना बना रही है। जिसके विरोध में कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया है। उपखंड क्षेत्र के तकनीकी कर्मचारियों ने कार्यालय परिसर में एकत्र होकर राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी की। निजी करण करने से विभाग में कार्यरत ठेकाकर्मी की मनमानी से आमजन प्रभावित होगा। इस दौरान जलदाय विभाग के तकनीकी कर्मचारी संघ के अध्यक्ष सुरेश कुमार डागुर,कपिल शर्मा आदि कर्मचारियों ने प्रर्दशन किया।

मुख्यमंत्री का प्रस्तावित दौरा 7 अगस्त को

करौली (नि.स.)। जिला कलक्टर नीलाभ सक्सेना ने कहा कि प्रदे'ा के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के 7 अगस्त को उपखण्ड क्षेत्र सपोटरा के नारेश्वर धाम पर प्रस्तावित दौरा के संबंध में अधिकारीयों को सौपें गये कार्यो को समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिये।

जिला कलेक्टर सोमवार को समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरा के संबंध में तैयारीयों की बैठक को संबोधित करते हुए बोल रहे थे।

जिला कलेक्टर ने बताया कि मुख्यमंत्री के द्वारा मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान हरियालो-राजस्थान अभियान के दौरान पौधारोपण करेंगे एवं इस दौरान आमसभा को भी संबोधित करेंगे। उन्होंने इस संबंध में पौधों की उपलब्धता, दिये गये लक्ष्य अनुसार विभागों को लक्ष्यों की पूर्ति करने, आवश्यकतानुसार गड्ढे खुदवाने, पौधे लगाने पश्चात संरक्षण एवं देखभाल करने एवं गुगल प्ले स्टोर से जीओट्री एप डाउनलोड करने एवं लगाये गये पौधो की जीओ टैगिंग करने के भी निर्देश दिये।

इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर राजवीर सिंह चैधरी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी उदय भानू चारण, उपखण्ड अधिकारी पिंकी गुर्जर सहित संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहें।

रेलवे क्वार्टर की गिरी छत, लोको पायलट व उसकी बेटी घायल

गंगापुर सिटी । रेलवे स्टेशन के पास स्थित रेलवे कॉलोनी में सोमवार सुबह एक रेलवे क्वार्टर की छत भरभरा कर गिर गई। हादसे में रेलवे क्वार्टर में रह रहे सहायक लोको पायलट और उसकी बेटी घायल हो गई। दोनों को रेलवे हॉस्पीटल में भर्ती कराया। जहां उनका

- गनीमत यह रही कि छत की पट्टियां परिवार के सदस्यों पर सीधी नहीं गिरी, अन्यथा बडा हादसा हो सकता था।

इलाज चल रहा है। सूचना पर रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी और यूनियन पदाधिकारी मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। जानकारी के अनुसार रेलवे स्टेशन पर टीआरडी रेलवे कॉलोनी स्थित क्वार्टर में सहायक लोको पायलट धर्मसिंह अपने परिवार सहित निवास करता है। ड्यूटी से आने के बाद सोमवार को सुबह वह अपने परिवार के साथ ही था। इसी दौरान 8 से करीब 8.30०बजे एकाएक रेलवे क्वार्टर की छत अचानक भरभराकर गिर गई। गनीमत यह रही कि छत की पट्टियां परिवार के सदस्यों पर सीधी नहीं गिरी, अन्यथा बडा हादसा हो सकता था। हालांकि छत गिरने के बाद धर्मसिंह के अलावा उसकी बेटी गंभीर घायल हो

गंगापुर सिटी मे घायल लोको पायलट का इलाज करते चिकित्सक।

गई। घटना के बाद आसपास रहने वाले लोगों में भी एकाएक हुए हादसे को लेकर दहशत हो गई और सभी लोग सकते में आ गए।

छत गिरने के बाद छत का मलबा पूरे क्वार्टर में जहां-तहां फैल गया। वहीं गंभीर घायल धर्मसिंह व बेटी को रेलवे की एम्बुलेंस से दोनों को रेलवे हॉस्पीटल में भर्ती कराया, जहां धर्म सिंह और उसकी बेटी का इलाज चल रहा है। सूचना पर रेलवे के एडीएन एके जैन, आईडब्ल्यूओ शहबाज अख्तर, वेस्ट सेंट्रल रेलवे इम्प्लॉइज यूनियन के पदाधिकारी नरेन्द्र जैन, श्रीप्रकाश, राजूलाल आदि मौके पर पहुंचे और घटना स्थल का मौका मुआयना कर जायजा लिया।

साथ ही घायलों की कुशलझेम पूछी और समुचित उपचार के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि रेलवे विभाग ने यहां रेल कर्मचारियो को रहने के लिए आवास बना रखे है लेकिन समय समय पर उनकी देखभाल नहीं करने के कारण व रेल आवास करीब 6० से 7० साल पुराने होने के कारण क्षतिग्रस्त हो चुके है जिनकी कई बार यूनियनो के द्वारा उच्च स्तर पर शिकायत की जा चुकी है। लेकिन नींद में सोए अधिकारियो को इससे कोई सरोकार नहीं है। वहीं वेस्ट सेन्टर रेलवे एम्पलाईज यूनियन के मण्डल उपाध्यक्ष नरेन्द्र जैन ने कहा कि कई बार रेलवे अधिकारियो को अवगत कराने के बाद भी मरम्मत का कार्य नहीं कराने से ये हादसा हुआ है। यूनियन इस मामले को मण्डल स्तर पर उठा कर रेल आवासो की मरम्मत कराने की मांग उच्चाधिकारियो से करेगें जिससे कि रेल कर्मचारियो को जान माल की हानि नहीं उठानी पडे।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप के परिवारों ने मनाया हरियाली अमावस महोत्सव

गंगापुर सिटी । दिगंबर जैन सोशल ग्रुप के सदस्य परिवारों ने नसिया जी स्थित जैन मंदिर के प्रांगण में हरियाली महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम संयोजक मोनिका जैन ने बताया कि कई प्रकार के गेम्स , डांस एवं मनोरंजन कार्यक्रम किए गए। कार्यक्रम के पश्चात विजेताओं को पुरस्कार वितरण किया गया। कार्यक्रम में विमल कुमार गौधा, के के जैन, धर्मेन्द्र पाण्डया, प्रवीण गंगवाल, पंकज पाण्डया, मनोज शाह, अभिनव, हार्दिक विद्या देवी, मोनिका जैन, निशा जैन, प्रीति, शालिनी, स्वीटी, मधु, दीप्ति, रुचि, नीरा, अंजू , रेशु, पीहू, एरा जैन एवं दर्जनों महिला पुरुष उपस्थित थे।

विप्र सेना द्वारा प्रतिभाओं का किया सम्मान

करौली(नि.स.)। करौली विप्र सेना द्वारा एक निजी होटल मे ब्राह्मण समाज कि प्रतिभाओ का स्वागत करते हुए सम्मान किया गया। विप्रसेना के वीरेंद्र शर्मा, अंकुश शुक्ला, विक्की शुक्ला, प्रमोद महेरा,रमाकांत शर्मा एव समाज के प्रमुख लोगो द्वारा नव नियुक्त नगरपरिषद सभापति प्रतिनिधि मुकेश पचैरी, विधायक पुत्र विश्वेन्द्र सिंह, तहसीलदार बलबीर शर्मा,पुष्पेंद्र शर्मा, मोहन शर्मा,आकाश शर्मा, मदन मोहन शर्मा उर्फ बल्लू,मनोज शर्मा फार्मासिस्ट का भव्य आयोजन कर स्वागत एवं सम्मान किया गया कार्यक्रम का संचालन पूर्व पार्षद राजेन्द्र सारस्वत ने किया। इस अवसर पर समाज के वयोव्रद्ध समाजसेवी रामस्वरूप शर्मा रिटायर्ड कंपाउंड,बजरंग लाल शर्मा, दीनदयाल शर्मा कंचनपुर, रामेश्वर पंडितपुरा का भी विप्र सेना करौली कि ओर से माला पहनाकर स्वागत किया। समारोह मे विष्णु शर्मा,मुकुट बिहारी शोत्रिय,हेमंत शर्मा, विनोद शर्मा मेडिकल वाले, आशीष कांत कौशिक, मनोज चतुर्वेदी, प्रमुख समाजसेवी बबलू शुक्ला, महेंद्र सुरोठीया,प्रदीप शुक्ला, अशोक शर्मा संजय शर्मा अध्यापक, संजय पाराशर,योगेश मुद्गल कैलादेवी,आकाश शर्मा पत्रकार,गोपाल शर्मा कंपाउंडर,देवेंद्र शर्मा नितिन शर्मा, कैलाश शर्मा, बबलू चतुर्वेदी, मनोज व्यास अध्यापक, हर्ष शर्मा, कृष्णा गुलपारिया, डल्लू पराशर सहित समाज के लोग उपस्थित थे।

'वर्षा के मौसम के देखते हुए अधिकारी एवं कर्मचारी सतर्क रहकर कार्य करें'

करौली(नि.स.)। जिला कलेक्टर नीलाभ सक्सेना ने कहा कि वर्षा के मौसम को देखते हुए चिकित्सा, विद्युत, सार्वजनिक निर्माण विभाग, सिंचाई विभाग सहित अन्य संबंधित विभाग अत्यधिक वर्षा को देखते हुए वर्तमान समय में संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी सक्रिय एवं सतर्क रहकर कार्य करना सुनिश्चित करें।

जिला कलेक्टर सोमवार को कलेक्टेट सभागार मे साप्ताहिक समीक्षा व समन्वय समिति की बैठक को संबोधित करते हुए बोल रहे थे।उन्होने बैठक मे समस्त उपखण्ड अधिकारी को उपखण्ड स्तर पर नियंत्रण कक्ष स्थापित करने, सिंचाई विभाग के अधिशाषी अभियन्ता को आवश्यकता अनुसार नावों की व्यवस्था करने नावों पर रक्षा पेटीयां, रस्सों, मशालों, टोर्चो की व्यवस्था करने इसके अलावा बाढ बचाव के संसाधनों की व्यवस्था करनें, वर्षा के मौसम में नदीयों, नहरों, बाधों एवं तालों पर नियंत्रण मोनिटरिंग करने सहित आवश्यक दिशा निर्देश दियें। पीएचईडी के अधीक्षण अभियन्ता को पेयजल की समुचित व्यवस्था रखने, पंप सेटों एवं जनरेटरों की व्यवस्था सुनिश्चित करने, जिला रसद अधिकारी को बाढ व अतिवृष्टि के समय पर्याप्त मात्रा में खाद्य सामग्री आरक्षित रखने, नगर परिषद आयुक्त एवं नगर पालिका क्षेत्र के अधिकारी को इस दौरान नालों व नालियो की नियमित साफ-सफाई रखने, जर्जर भवनों की पहचान हेतु टीम गठित कर पहचान करने एवं आवश्यक कार्यवाही करने, सीएमएचओं को मौसमी बीमारियों के संबंध मे सतर्क व सक्रिय रहकर कार्य करने एवं चिकित्सालयों में दवाईयों की पूर्ण उपलब्धता बनाये रखने के निर्देष दिये, पुलिस विभाग के अधिकारी को पुलिस की व्यवस्था सुनिश्चित करने एवं विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियन्ता को क्षितग्रस्त विद्युत लाइनो को शीघ्र ठीक करने सहित सुचारू रूप से विद्युत आपूर्ति जारी रखने, ढीले तारों को टाईट करने सहित अन्य आवश्यक दिशा निर्देश दियें, पशुपालन विभाग के अधिकारी को पशुओं को फैलने वाली मौसमी बीमारी के बचाव व उपचार समय पर करने, सानिवि के अधीक्षण अभियन्ता को वर्षा के मौसम को देखते हुए सार्वजनिक भवनों की पहचान की जावे जो वर्षा काल में गिर सकते है नियमानुसार मरम्मत करने, शिक्षा विभाग के अधिकारी को जिले के राजकीय व निजी विद्यालय भवनों की जॉच कर आगामी बरसात में जर्जर या डूब तालाब किनारे भवनों को किसी प्रकार की क्षित ना हो यह सुनिश्चित कर लिया जायें, पंचायती राज विभाग एवं राजस्व विभाग के अधिकारी को इस दौरान सतर्क एवं सक्रिय रहकर कार्य करने के निर्देश दिये। बैठक में जिला कलेक्टर ने पीएचईडी के अधिकारी को पेयजल व्यवस्था सुचारू रखने, उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारी को जिले मे सूचारू रूप से विद्युत आपूर्ति रखने, आमजन की विद्युत संबंधी समस्याओं का समय सीमा मे निस्तारण करने,ढीले तारों को टाईट करने, के निर्देष दिये। नगर परिषद को शहर में नियमित साफ सफाई करवाने,वर्षा के मौसम में जिन विभागों को पौधारोपण के लक्ष्य आवंटित किये गये है उनको समय पर पूर्ण करने एवं प्रतिदिन रिपोर्ट भिजवाने के भी निर्देश दिये एवं 7 अगस्त को मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान हरियालो-राजस्थान अभियान के तहत विभिन्न विभागों को अधिक से अधिक पौधे लगाने एवं आवंटित लक्ष्य अनुसार संबंधित विभाग समय पर पूर्ण करने के निर्देश दियें। बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर राजवीर सिंह चैधरी ने राजस्थान संपर्क पोर्टल पर 6 माह से लंबित चल रहे प्रकरणों, मुख्यमंत्री कार्यालय से प्राप्त प्रकरण, लोकायुक्त कार्यालय, जनसुनवाई मे प्राप्त प्रकरणों का समय पर निस्तारण करने, इसके अलावा ई-फाईल एवं ई-डाक की शत प्रतिषत पालना करने के निर्देष दिये, गत दिनों रात्रि चैपाल एवं जनसुनवाई में प्राप्त प्रकरणों व परिवादों को समय सीमा में निस्तारण करने कि बात कही।

इस लीग के शुरुआती दो सत्र कमाल के रहे हैं जिसमे दुनिया के कुछ सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ रोमांचक युवा प्रतिभाओं ने वैश्विक मंच पर शानदार प्रदर्शन किये है।

- दिनेश कार्तिक

भारत के पूर्व विकेटकीपर, एसए-20 लीग के दूत नियुक्त किये जाने पर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

वाशिंगटन सुंदर

भारतीय ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर को इंग्लैंड के गस एटकिंसन और स्कॉटलैंड के चार्ली कासेल के साथ जुलाई के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के रूप में नामित किया गया है। पिछले कुछ समय से चोटों से जूझने के बाद सुंदर ने आखिरकार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खुद को स्थापित किया है। सुंदर उस युवा भारतीय टीम का हिस्सा थे जिसने पांच मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए जिम्बाब्वे का दौरा किया था। इस युवा ऑलराउंडर ने भारत की वापसी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

क्या आप जानते हैं ?... 19वीं सदी तक बॉक्सिंग को दुनिया में हिंसक खेल माना जाता था और इस पेशेवर खेल पर प्रतिबंध था जो 1901 में हटा।

माहेश्वरी-नरूका कांस्य मेडल से चूके, चीनी जोड़ी से 44-43 से मिली हार

नई दिल्ली, 5 अगस्त। भारतीय निशानेबाज महेश्वरी चौहान और अनंत जीत सिंह नरूका पेरिस ओलंपिक2024 स्कीट मिश्रित टीम स्पर्धा के कांस्य पदक के मुकाबले में सोमवार को यहां चीन की यितिंग जियांग और लियू जियानलिन की जोड़ी से एक अंक से हार का सामना करना पड़ा।

भारतीय जोड़ी को 48 निशाने के फाइनल मैच में 44-43 से शिकस्त मिली। महेश्वरी अपने 24 निशाने में से तीन में चूक गयी जबकि नरूका दो निशाने चूके। चीन की यितिंग चार निशाने चूक गयी लेकिन उनके पुरुष खिलाड़ी जियानलिन ने अपने सभी निशाने सटिक लगाकर इसकी भरपाई कर दी। इससे पहले क्वालीफिकेशन में भारतीय जोड़ी ने 146 स्कोर कर कांस्य पदक मुकाबले के लिए क्वालीफाई किया था।

भारतीय जोड़ी क्वालीफिकेशन के पहले चरण के बाद 49 अंक लेकर संयुक्त दूसरे स्थान पर थी। पहले दौर में नरूका ने 25 में से 25 और महेश्वरी ने 24 अंक बनाये। दूसरे दौर में महेश्वरी ने 25 अंक बनाये लेकिन नरूका दूसरी और पांचवीं सीरिज में चूककर 23 अंक ही बना सके। तीसरे दौर में महेश्वरी ने 25 और नरूका ने 24 अंक बनाये।

लक्ष्य सेन के हाथ से फिसला कांस्य पदक

मलेशियाई खिलाड़ी से मिली हार

नई दिल्ली, 5 अगस्त। पेरिस ओलंपिक 2024 में भारत के लिए 9वां दिन भी निराशाजनक रहा। जहां लक्ष्य सेन के हाथ से मेडल फिसल गया। भारतीय शटलर लक्ष्य सेन को ब्रॉन्ज मेडल मुकाबले में बढ़त लेने के बाद भी हार झेलनी पड़ी। उन्हें मलेशिया के ली जी जिया ने हरा दिया और मेडल अपने नाम कर दिया। लक्ष्य सेन की हार के साथ ही भारत का पेरिस ओलंपिक में चौथा मेडल जीतने का इंतजार भी बढ़ गया है।

22 वर्षीय लक्ष्य सेन के लिए इस हार के बावजूद पेरिस ओलंपिक ऐतिहासिक साबित हुआ। वे ओलंपिक के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले भारत के पहले पुरुष बैडमिंटन खिलाड़ी बने हैं। पहला गेम एकतरफा अंदाज में 21-13 से जीतने के बाद दूसरे गेम में भी लक्ष्य का दबदबा साफतौर पर देखा जा सकता था। पूरे मैच में मलेशिया के ली जी जिया पहली बार दूसरे गेम में ही लीड ले पाए, जब उन्होंने पीछे से आते हुए स्कोर 9-8 किया, ये लीड देखते ही देखते उनके पक्ष में 12-18 हो गई, लक्ष्य सेन ने लगातार चार पॉइंट लेते हुए वापसी की पूरी कोशिश की, लेकिन दूसरा गेम वह 16-21 से हार गए। तीसरे गेम में ली जी जिया ज्यादा अटैकिंग हो गए। 10-5 से बढ़त बनाने के बाद उन्होंने 21-11 से लक्ष्य को हरा दिया।

गौरतलब है कि, ओलंपिक इतिहास में बैडमिंटन को अब तक जो तीन मेडल मिले हैं, वो सभी महिला शटलर्स के गले में ही सजे हैं। लंदन ओलंपिक 2012 में साइना नेहवाल ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। तो पीवी सिंधु ने रियो और टोक्यो में सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल जीता था।

निशा का अंतिम आठ में उत्तरी कोरिया की पाक सोल गम से मुकाबला होगा

पेरिस, 5 अगस्त। भारतीय महिला टेबल टेनिस टीम ने सोमवार को पेरिस ओलंपिक में अपने अभियान की शुरुआत रोमानिया पर जीत के साथ की है। साउथ पेरिस एरिना में आज खेले गए रोमांचक राउंड ऑफ-16 मुकाबले में भारतीय टीम ने रोमानिया को 3-2 से हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई। अर्चना कामथ और श्रीजा अकुला ने महिला राउंड ऑफ 16 टेबल टेनिस मुकाबले के पहले मैच में एडिना डायकोनू और एलिजाबेटा समारा को 11-9, 12-10, 11-7 से हराकर भारत को 1-0 की बढ़त के साथ शानदार शुरुआत दिलाई। इसके बाद मनिका बत्रा ने रोमानिया की बर्नडेट स्जोक्स के खिलाफ 11-5, 11-7, 11-7 से जीत दर्ज की और भारत को 2-0 से आगे कर दिया। इस दौरान तीसरे गेम में श्रीजा अकुला को रोमानिया की एलिजाबेटा समारा के खिलाफ पांच गेम में हार का सामना करना पड़ा।

आर्म रेसलिंग चैम्पियनशिप में राजस्थान ने जीते 13 स्वर्ण पदक

भरतपुर, 5 अगस्त। छत्तीसगढ़ के रायपुर में सम्पन्न 46वीं नेशनल आर्म रेसिलिंग चैम्पियनशिप में राजस्थान के खिलाड़ियों ने महिला एवं पुरूष वर्ग के विभिन्न भार वर्गों में 13 स्वर्ण, चार रजत एवं पांच कांस्य पदक के साथ कुल 22 पदक जीते। यहां प्राप्त जानकारी के अनुसार एक से पांच अगस्त तक आयोजित इस चैम्पियनशिप में राजस्थान के 13 महिला एवं 35 पुरुषों सहित 48 खिलाड़ियों ने भाग लिया। सीनियर महिला वर्ग में राजस्थान पुलिस की मनीषा चाहर और सारा चौधरी ने स्वर्ण पदक एवं सीनियर पुरूष वर्ग में प्रमोद तुहिया ने रजत पदक, सायर चौधरी और मोहित सिनसिनवार ने कांस्य पदक जीते। यूथ बालक वर्ग में राज चौधरी ने स्वर्ण, आदेश चौधरी, कुनाल पहाड़िया, हिमालय चौधरी ने रजत पदक जबकि महिला यूथ वर्ग में रूचि फौजदार ने स्वर्ण और किरण चारण ने कांस्य पदक जीते। जूनियर बालक वर्ग में प्रशान्त चाहर, सुधान्सु एवं प्रिन्स चौधरी ने स्वर्ण पदक, इसी भार वर्ग में आदित्य सिंह और मोहित पूनियां ने कांस्य पदक एवं जूनियर बालिका वर्ग में स्नेहा ने स्वर्ण पदक जीता। इसी प्रकार सब जूनियर बालक वर्ग में समीर चाहर ने स्वर्ण पदक, सब जूनियर बालिका वर्ग में मनीषा गुर्जर और पायल ने स्वर्ण पदक जीते। मास्टर पुरूष वर्ग में डॉ0 दीपक सिंह ने स्वर्ण पदक एवं पुरूष दिव्यांगजन कैटेगरी में जयपाल गुर्जर ने स्वर्ण पदक जीते। सात स्वर्ण एवं एक कांस्य के साथ उपविजेता रही राजस्थान महिला आर्म रेसलिंग टीम की कप्तान राजस्थान पुलिस की सहायक उपनिरीक्षक. मनीषा चाहर एवं अन्य महिला टीम की महिला खिलाड़ियों को भारतीय आर्म रेसलिंग फैडरेशन के सचिव मनोज नायर ने उपविजेता ट्रॉफी प्रदान की। राजस्थान आर्म रेसलिंग संघ के सचिव लोकेश चाहर टीम के मुख्य कोच एवं नेशनल चैम्पियनशिप में मुख्य तकनीकी अधिकारी रहे।

तेलंगाना के अधिकारियों का प्रतिनिधिमंडल पेरिस रवाना

हैदराबाद, 5 अगस्त। तेलंगाना के खेल अधिकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल सोमवार को ओलंपिक 2024 खेलों का दौरा करने के लिए पेरिस रवाना हुआ। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के निर्देशों के बाद प्रतिनिधिमंडल में तेलंगाना खेल प्राधिकरण के अध्यक्ष के शिवसेन रेड्डी, सरकारी सलाहकार (खेल) जितेन्द्र रेड्डी, विधान परिषद के सदस्य महेश कुमार गौड़, वीसी और एमडी ए सोनी बालादेवी-आईएफएस, एन प्रकाश रेड्डी-आईपीएस, पूर्व केंद्रीय मंत्री एस वेणुगोपाल चारी और एम रविंदर रेड्डी शामिल हैं। प्रतिनिधिमंडल का उद्देश्य खेल स्टेडियमों, ओलंपिक प्रतियोगिताओं की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करना और भविष्य में ओलंपिक के आयोजन की संभावनाओं का पता लगाना है। प्रतिनिधिमंडल खेल विकास को प्राप्त करने के लिए विभिन्न देशों द्वारा अपनाई गई नीतियों की जांच करेंगे और पदक तालिका में उनकी सफलता में योगदान देने वाले कारकों का विश्लेषण करेंगे। प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री रेड्डी और प्रबंध निदेशक ए सोनी बालादेवी ने कहा कि यह दौरा तेलंगाना में खेलों के विकास के लिए आवश्यक उपायों की पहचान करने में मदद करेगा। उनका मानना है कि प्राप्त अंतर्दृष्टि राज्य के लिए एक मजबूत खेल नीति बनाने में योगदान देगी। एक आधिकारिक बयान में बताया गया कि यह दौरा तेलंगाना में सर्वश्रेष्ठ खेल नीतियों को लाने के सरकार के प्रयासों का हिस्सा है जिसका उद्देश्य खेल विकास को बढ़ावा देना।

किरण 400 मीटर हीट में सातवें स्थान पर रही

सेमीफाइनल में जगह के लिए रेपेचेज में लेगी हिस्सा

नई दिल्ली, 5 अगस्त। भारत की किरण पहल सोमवार को पेरिस ओलंपिक की अपनी हीट रेस में सातवें स्थान पर रहने के बाद महिलाओं की 400 मीटर में स्वत: सेमीफाइनल में जगह बनाने में असफल रहीं। अब वह रेपेचेज दौर में दौड़ेंगी। अपना 24वां जन्मदिन मना रही किरण ने 52.51 सेकेंड का समय लिया जो उनके सत्र के 50.92 सेकेंड के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ से काफी कम था।

डोमिनिका की विश्व चैंपियन मारिलिडी पॉलिनो ने 49.42 सेकेंड के समय के साथ हीट जीती, उसके बाद अमेरिका की आलिया बटलर (50.52) और ऑस्ट्रिया की सुजैन गोगल-वाल्ली (50.67) क्रमश: दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं। छह हीटों में से प्रत्येक में शीर्ष तीन ने सेमीफाइनल में जगह पक्की की जबकि डीएनएस (रेस शुरू नहीं करने वाले) डीएनएफ (रेस खत्म नहीं करने वाले) और डीक्यू (अयोग्य) को छोड़कर अन्य सभी मंगलवार को होने वाले रेपेचेज दौर में भाग लेंगे।

किरण ने जून में राष्ट्रीय अंतर-राज्य चैंपियनशिप में अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 50.92 सेकंड का समय निकालकर पेरिस ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई किया था। इस ओलंपिक खेल में बाधा दौड़ स्पर्धाओं सहित 200 मीटर से 1500 मीटर तक की सभी व्यक्तिगत ट्रैक स्पर्धाओं में रेपेचेज राउंड शुरू किया जाएगा। अब प्रत्येक हीट में शीर्ष पर रहने वाले खिलाड़ियों को सेमीफाइनल में सीधे प्रवेश मिलेगा जबकि अन्य खिलाड़ियों को रेपेचेज के जरिए यहां पहुंचने का मौका मिलेगा।

मांडविया और सिंधिया ने पेरिस ओलंपिक के लिए स्मरणीय डाक टिकट किए जारी

नई दिल्ली, 5 अगस्त। केंद्रीय युवा कार्यक्रम, खेल, श्रम और रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया और केंद्रीय संचार और उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने 33वें ओलंपिक पेरिस 2024 के उपलक्ष्य में सोमवार को संयुक्त रूप से स्मरणीय डाक टिकट जारी किए। आज यहां आयोजित कार्यक्रम में डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा, खेल केवल एक स्पर्धा नहीं हैं, बल्कि जीवन जीने का एक तरीका होते हैं। इन डाक टिकटों का जारी होना खेलों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो राष्ट्रीय गौरव और एथलीटों के लिए प्रोत्साहन का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि खेल एक स्वस्थ राष्ट्र को बढ़ावा देते हैं जो कि धन और समृद्धि के लिए आवश्यक है। खेल लोगों को एक साथ लाते हैं, जिससे व्यक्तिगत फिटनेस और राष्ट्रीय कल्याण दोनों में वृद्धि होती है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि सरकार का प्राथमिक ध्यान एथलीटों पर रहा है और सरकार ने सुनिश्चित किया है कि उन्हें सफल होने के लिए जरूरी तमाम सहायता और सुविधाएं मिलें। उन्होंने कहा कि सरकार ने संसाधनों की कमी को दूर करने के लिए पूरी लगन से काम किया है ताकि एथलीट बिना किसी बाधा के उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें। उन्होंने कहा, इन डाक टिकटों को जारी करके हमने अपने खिलाड़ियों और अपने राष्ट्र को याद किया है। आइए हम सभी चीयर4 भारत करें और अपने एथलीटों को प्रोत्साहित करें। केन्द्रीय संचार मंत्री सिंधिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 33वें ओलंपिक पेरिस 2024 पर एक डाक टिकट जारी करना भारत की ऐतिहासिक खेल विरासत को एक ट्रिब्यूट है। इस टिकट के साथ हम अपने खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत को मान देते हैं और उसे सेलिब्रेट करते हैं।

उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री के विजन के अनुसार आज खेल और खेलों का बुनियादी ढांचा आखिरी मील तक पहुंच रहा है। यहां तक कि हमारे डाक विभाग के कर्मचारी भी खेलों के क्षेत्र में अविश्वसनीय उपलब्धियां दिखा रहे हैं। मुझे यकीन है कि इस टिकट के जरिए हम डाक टिकट संग्रहण के अपने समृद्ध इतिहास में इज़ाफा करेंगे और युवा खिलाड़ियों को खेल क्षमताओं का निर्माण करने और वैश्विक मंच पर भारत को गौरवान्वित करने के लिए प्रेरित करेंगे। मैं पेरिस ओलंपिक 2024 में भाग लेने वाले भारतीय दल को अपनी शुभकामनाएं देता हूं। कार्यक्रम में हाल ही में ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले सरबजोत सिंह, पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा और स्टीपलचेज एथलीट सुधा सिंह सहित खेल जगत की जानी-मानी हस्तियों के साथ-साथ डाक टिकट संग्रहकर्ता और स्कूली बच्चे भी शामिल हुए।

डिंडीगुल ने जीता टीएनपीएल का खिताब

चेन्नई, 5 अगस्त। डिंडीगुल ड्रैगन्स ने रविचंद्रन अश्विन के अर्द्धशतक (52) और गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत तमिलनाडु प्रीमियर लीग के फाइनल मैच में लायक कोवई किंग्स को छह विकेट से हराकर अपना पहला खिताब जीत लिया।

लगातार तीसरी बार फाइनल में पहुंची लायक कोवई किंग्स ने पहली बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर 129 रन बनाए। डिंडीगुल की ओर से संदीप वारियर, वरुण चक्रवर्ती और पी विग्नेश ने दो-दो विकेट चटकाए। अश्विन ने भी अपने चार ओवरों में कसी हुई गेंदबाजी करते हुए केवल 13 रन ही दिए। कोवई की टीम को एक कम स्कोर पर रोकने के बाद जवाब में डिंडीगुल ने 10 गेंदें शेष रहते यह मुकाबला छह विकेट से जीत लिया। हालांकि पहले बल्लेबाजी करते हुए कोवई की टीम ने अच्छी शुरुआत की थी और पहले पांच ओवर में महज एक विकेट के नुकसान पर 48 रन जोड़े।

लेकिन पावरप्ले के अंतिम ओवर में वरुण ने लगातार दो विकेट ले लिए। क्वालिफायर एक में 123 रनों की नाबाद पारी खेलने वाले बी साई सुदर्शन भी कुछ खास नहीं कर पाए और बैकवर्ड प्वाइंट के हाथों में सीधा कैच थमा बैठे। सुदर्शन के विकेट के बाद कोवई की टीम 51 के स्कोर पर अपने चार विकेट गंवा चुकी थी। इसके बाद अतीक़ उर रहमान और राम अरविंद के बीच 28 गेंदों में 36 रनों की साझेदारी हुई लेकिन सुबोत भाटी द्वारा साझेदारी तोड़े जाने के बाद कोवई की टीम वापसी नहीं कर पाई, उनके कप्तान शाहरुख खान भी फाइनल में अपनी छाप नहीं छोड़ पाए।

हालांकि शुरुआत में डिंडीगुल के लिए भी लक्ष्य का पीछा करना आसान प्रतीत नहीं हो रहा था। उनके दोनों सलामी बल्लेबाज 15 गेंदों के भीतर ही पवेलियन लौट गए थे। लेकिन इसके बाद अश्विन और बी इंद्रजीत के बीच 65 गेंदों में हुई 65 रनों की साझेदारी के चलते डिंडीगुल की पारी संभल गई। अश्विन ने अपनी अर्धशतकीय पारी में एक चौका और तीन छक्के लगाए।

इस सीजन में यह अश्विन का लगातार तीसरा अर्धशतक था। अंत में सरत कुमार ने 15 गेंदों पर दो चौकों और दो छक्कों की मदद से 27 रनों की पारी खेलकर डिंडीगुल की जीत सुनिश्चित कर दी अश्विन को उनके शानदार खेल के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड से नवाजा गया जब्जी शाहरुख को उनके हरफनमौला प्रदर्शन के चलते प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। शाहरुख ने इस संस्करण में 182.92 के स्ट्राइक रेट से 225 रन बनाए और 13 विकेट भी लिये।

दिनेश कार्तिक एसए-20 लीग के दूत नियुक्त

नई दिल्ली, 5 अगस्त। भारत के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक को सोमवार को एसए-20 लीग का लीग दूत (एम्बेसडर) नियुक्त किया गया। कार्तिक दक्षिण अफ्रीका में खेले जाने वाले इस फ्रेंचाइजी टूर्नामेंट से जुड़ने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी हैं।

उन्होंने इस साल की शुरुआत में क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया था। एसए20 की ओर से जारी मीडिया विज्ञिप्त में कार्तिक के हवाले से कहा गया, " इस लीग के शुरुआती दो सत्र कमाल के रहे हैं जिसमे दुनिया के कुछ सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ रोमांचक युवा प्रतिभाओं ने वैश्विक मंच पर शानदार प्रदर्शन किये है।"

विज्ञिप्त के मुताबिक, "कार्तिक लीग के वैश्विक प्रशंसक आधार को मजबूत करने और भारत तथा इंग्लैंड के प्रमुख रणनीतिक बाजारों में ब्रांड जागरूकता को मजबूत करने में मदद करने के लिए साथी खिलाड़ी और एसटी20 के अन्य दूत एबी डिविलियर्स और प्रबंधन टीम के साथ मिलकर काम करेंगे।"

अमेरिका को 20 साल बाद 100 मीटर में गोल्ड

पेरिस ओलिंपिक में लायल्स ने 9.79 सेकेंड में दौड़ पूरी की, जमैका के थॉम्पसन को सिल्वर

नई दिल्ली, 5 अगस्त। अमेरिका के स्प्रिंटर नोआ लायल्स ने पेरिस ओलिंपिक में एथलेटिक्स की मेंस 100 मीटर रेस का गोल्ड जीत लिया है। उन्होंने 9.79 सेकेंड में दौड़ पूरी की। इसी के साथ ने 20 साल बाद ओलिंपिक की 100 मीटर रेस का गोल्ड हासिल किया। 2004 के एथेंस ओलिंपिक में अमेरिका के जस्टिन गैटलिन ने इस कैटेगरी का गोल्ड जीता था।

सोमवार रात जमैका के किशाने थॉम्पसन (9.79 सेकेंड) ने सिल्वर और के

फ्रेड कर्ली (9.81 सेकेंड) ने ब्रॉन्ज हासिल किया। लायल्स ने 9.79 (.784) सेकेंड और थॉम्पसन ने 9.79 (.789) सेकेंड में रेस पूरी की।

ओलिंपिक मेडल टैली में अमेरिका की टीम 19 गोल्ड, 26 सिल्वर और 26 ब्रॉन्ज मेडल जीतकर नंबर वन है। दूसरे नंबर पर चीन और तीसरे नंबर पर फ्रांस है।

भारत 3 मेडल की साथ 57वें स्थान पर है। मनु भाकर ने विमेंस इंडिविजुअल 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट, मनु और सरबजोत सिंह की जोड़ी ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम इवेंट में भारत के लिए ब्रॉन्ज मेडल जीते। साथ ही स्वप्निल कुसाले ने 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन में ब्रॉन्ज दिलाया।

साल 2017 में नोआ ने 200 मीटर रेस में अपना पहला डायमंड लीग खिताब जीता। इसके बाद साल 2019 में उन्होंने वर्ल्ड चैंपियनशिप में 200 मीटर और 400 मीटर रिले में गोल्ड मेडल जीता। साल 2020 में टोक्यो ओलिंपिक में नोआ ने 200 मीटर रेस में ब्रॉन्ज मेडल जीता। साल 2022 में वर्ल्ड चैंपियनशिप में 200 मीटर में गोल्ड और 400 मीटर रिले सिल्वर मेडल जीता।

वाशिंगटन सुंदर जुलाई के आईसीसी के माह के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के लिए नामित

नई दिल्ली, 5 अगस्त। भारतीय ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर को इंग्लैंड के गस एटकिंसन और स्कॉटलैंड के चार्ली कासेल के साथ जुलाई के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के रूप में नामित किया गया है। पिछले कुछ समय से चोटों से जूझने के बाद सुंदर ने आखिरकार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खुद को स्थापित किया है। सुंदर उस युवा भारतीय टीम का हिस्सा थे जिसने पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए जिम्बाब्वे का दौरा किया था।

टी20 विश्व कप जीत के बाद नियमित खिलाड़ियों का आराम दिए जाने पर 24 वर्षीय सुंदर को टीम में जगह मिली और वह टीम के प्रमुख स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर के रूप में उभरे। उन्होंने अपनी योग्यता साबित की और उन पर किए गए विश्वास को सही ठहराया। सुंदर ने पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत की अप्रत्याशित हार के दौरान प्रभावित किया। उन्होंने 11 रन देकर दो विकेट चटकाने के लिए 27 रन भी बनाए लेकिन टीम 115 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 13 रन से हार गई।

इस युवा ऑलराउंडर ने भारत की वापसी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने बाकी बचे चार मैच में छह विकेट चटकाए और भारत को 4-1 से श्रृंखला जिताने में मदद की। तीसरे मैच में 15 रन देकर तीन विकेट चटकाने के लिए उन्हें मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भी चुना गया। संयुक्त रूप से सबसे अधिक विकेट (आठ) लेने के लिए सुंदर को श्रृंखला का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भी चुना गया। श्रीलंका श्रृंखला के लिए नियमित खिलाड़ियों की वापसी के साथ सुंदर को सिर्फ एक मैच खेलने का मौका मिला लेकिन उन्होंने इसका फायदा उठाया और सुपर ओवर में भारत की जीत के बाद उन्हें मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।

लॉर्ड्स मेंएटकिंसन ने जेम्स एंडरसन के विदाई अंतरराष्ट्रीय मैच में अपने टेस्ट करियर की शानदार शुरुआत की। तेज गेंदबाज एटकिंसन ने अपने पहले टेस्ट में शानदार प्रदर्शन करते हुए 12 विकेट चटकाए। उन्होंने दोनों पारियों में पांच या इससे अधिक विकेट चटकाए। उन्होंने वेस्टइंडीज के बल्लेबाजी क्रम को ध्वस्त करते हुए पहली पारी में 45 रन देकर सात विकेट चटकाए जिससे मेहमान टीम सिर्फ 121 रन पर सिमट गई। इस 26 वर्षीय खिलाड़ी ने दूसरी पारी में भी 61 रन देकर पांच विकेट चटकाए जिससे इंग्लैंड ने पारी और 114 रन से जीत दर्ज की।

कासेल ने डुंडी में ओमान के खिलाफ अपने एकदिवसीय पदार्पण में सुर्खियां बटोरीं। उन्होंने 21 रन देकर सात विकेट चटकाए और एकदिवसीय पदार्पण में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी का कागिसो रबाडा (16 रन पर छह विकेट) का नौ साल पुराने रिकॉर्ड तोड़ा। कासेल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी पहली दो गेंद पर दो विकेट चटकाए। यह तेज गेंदबाज 18वें ओवर तक पांच विकेट चटका चुका था। कासेल का यह प्रदर्शन पदार्पण में विश्व रिकॉर्ड के साथ एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास में सातवां सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन भी है। उनके बेहतर प्रदर्शन सिर्फ एंडी बिकेल, वानिंदु हसरंगा, राशिद खान, ग्लेन मैकग्रा, शाहिद अफरीदी और चमिंडा वास ने किया है।

राजनीतिक अस्थिरता के कारण बांग्लादेश में होने वाले टी-20 महिला विश्व कप पर संशय

नई दिल्ली, 5 अगस्त। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की आंतरिक सुरक्षा टीम बांग्लादेश में फैली अराजकता पर नजर बनाये हुये है क्योंकि इस देश में अक्टूबर में महिला टी20 विश्व कप का आयोजन होना है। पहले से तय कार्यक्रम के मुताबिक बांग्लादेश को तीन से 20 अक्टूबर तक महिला टी20 विश्व कप की मेजबानी करनी है। बांग्लादेश में फैली हिंसा के कारण प्रधानमंत्री शेख हसीना को इस्तीफा देकर देश से भागना पड़ा। सेना प्रमुख जनरल वकार-उज-जमा ने सोमवार को ढाका में हसीना सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन के बीच कहा कि बांग्लादेश में एक अंतरिम सरकार सत्ता संभालेगी। देश में फैली हिंसा में पिछले दो दिनों में 100 से अधिक लोगों की जान चली गई। आईसीसी इस मुद्दे पर अभी इंतजार करने की नीति अपना रहा है। आईसीसी बोर्ड के एक सदस्य ने गोपनीयता की शर्त पर कहा, "आईसीसी के पास अपने सभी सदस्य देशों में एक स्वतंत्र सुरक्षा निगरानी प्रणाली है। स्थिति पर करीब से नजर रखी जा रही है, लेकिन टूर्नामेंट शुरू होने में सात सप्ताह बाकी हैं। ऐसे में इस पर टिप्पणी करना जल्दबाजी होगी कि टूर्नामेंट को बांग्लादेश से स्थानांतरित किया जाएगा या नहीं।" बांग्लादेश में विवादास्पद आरक्षण प्रणाली को समाप्त करने की मांग को लेकर प्रदर्शन हो रहा है।

इसके तहत 1971 में बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम में हिस्सा लेने वाले लड़ाकों के रिश्तेदारों को सरकारी नौकरियों में 30 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान किया गया था। आईसीसी सूत्र ने कहा कि मार्च 2022 में श्रीलंका में अशांति की ऐसी ही स्थिति थी जब प्रदर्शनकारियों ने भ्रष्टाचार और मुद्रास्फीति का हवाला देते हुए पूर्व राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे के आधिकारिक आवास पर धावा बोल दिया था।

हॉकी में ग्रेट ब्रिटेन के गोलकीपर की चालाकी

शूटआउट के समय टैबलेट के इस्तेमाल को लेकर मचा बवाल

नई दिल्ली, 5 अगस्त। भारतीय हॉकी टीम का सेमीफाइनल का मुकाबल जर्मनी के साथ 6 अगस्त को होगा। लेकिन उससे पहले रविवार को हुए ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ मुकाबले में भारत ने शूटआउट में शानदार प्रदर्शन कर ब्रिटेन पर 4-2 से जीत दर्ज की। निर्धारित 60 मिनट के इस मैच में टीमें 1-1 की बराबरी पर रहीं। इसके बाद शूटआउट के जरिए विजेता का फैसला हुआ। पीआर श्रीजेश एक बार फिर अपनी स्मार्ट गोलकीपिंग से टीम की जीत के हीरो बने। लेकिन इस मैच में काफी विवाद भी देखने को मिले। कुछ तो ऐसे नजारे थे जिन्हें देखकर हर कोई हैरान रह गया।

दरअसल, हुआ यूं कि शूटआउट के शुरुआत होने से पहले ग्रेट ब्रिटेन के गोलकीपर को अपने साथ आईपैड रखने की अनुमति दी गई थी जिसे देखकर भारतीय हॉकी खिलाड़ी हैरान रह गए। उन्होंने रेफरी के सामने इसका विरोध किया। भारतीय खिलाड़ियों के विरोध करने के बाद रेफरी ने ब्रिटेन के गोलकीपर से डिवाइस जब्त कर ली। जिसके बाद भारत ने दूसरा पेनल्टी शॉट मारा।

बता दें कि, हॉकी इंडिया के रेफरी को लेकर सवाल खड़े किए हैं। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने इस घटना पर अपनी राय व्यक्त करते हुए कहा कि ये एक ऐसा व्यवधान है जिससे बचा जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में विभिन्न विकासकर्ताओं के साथ आयोजित बैठक को संबोधित किया।

पम्प भण्डारण परियोजनाओं के लिए राज्य सरकार लाएगी नीति- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री ने कहा, नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन एवं पर्यावरण संरक्षण में पम्प भंडारण परियोजनाओं का अहं योगदान है

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विकासकर्ताओं के साथ मीटिंग की और प्रदेश को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने पर चर्चा की।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि पम्प भंडारण परियोजना के लिए बनाई जाने वाली नीति से नवीकरणीय ऊर्जा को प्रोत्साहन मिलेगा।

जयपुर, 5 अगस्त (का.सं.)। सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित विभिन्न विकासकर्ताओं की बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए संकल्पित होकर कार्य कर रही है। इस लक्ष्य की प्राप्ति में नवीकरणीय ऊर्जा का अहम योगदान है। इसलिए राज्य सरकार प्रदेश में पम्प भण्डारण परियोजनाओं को प्रोत्साहन देने के लिए नीति लाने वाली है। उन्होंने कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन एवं पर्यावरण संरक्षण में पम्प भण्डारण परियोजनाओं का महत्वपूर्ण योगदान है। ऐसी परियोजनाओं को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार एक स्पष्ट और ठोस नीति बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी नीति से निवेशकों को पम्प भण्डारण परियोजनाओं की स्थापना एवं संचालन के संबंध में स्पष्ट मार्गदर्शन मिलेगा और वे इस क्षेत्र में निवेश करने के लिए आकर्षित होंगे। उन्होंने विकासकर्ताओं से कहा कि वे अपने सुझाव राज्य सरकार को प्रेषित करें, जिनका उचित परीक्षण कर राज्य सरकार आगामी नीति में शामिल करेगी। बैठक में राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम के प्रबंध निदेशक नथमल डिडेल ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से पम्प भण्डारण परियोजनाओं की प्रगति के बारे में मुख्यमंत्री को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम ने प्रदेश में 8 संभावित स्थानों पर 7100 मेगावाट की पम्प भण्डारण परियोजनाओं को चिन्हित किया है। साथ ही, कई विकासकर्ता भी पम्प भण्डारण परियोजनाओं से जुड़े हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान में, राजस्थान विंड एंड हाइब्रिड एनर्जी पॉलिसी- 2019, एवं राजस्थान अक्षय ऊर्जा नीति- 2023 के प्रावधानों के अंतर्गत पम्प भण्डारण परियोजनाओं पर कार्य किया जाता है।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव वन एवं पर्यावरण अपर्णा अरोरा, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल एवं प्रमुख सचिव आलोक गुप्ता सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी एवं निजी विकासकर्ताओं के प्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

भारत ने बांग्लादेश के लिए विमान व रेल सेवा पर रोक लगाई

बांग्लादेश में मची भारी हिंसा व राजनैतिक उथलपुथल के कारण यह फैसला लिया गया है

- एयर इंडिया ने उड़ानों के पुनर्निर्धारण व टिकट कैंसल किए जाने पर छूट का आश्वासन दिया है।
- रेल्वे के सूत्रों ने बताया कि कोलकाता से चार यात्री रेल बांग्लादेश जाती हैं जिन्हें स्थगित कर दिया गया है। हालात सामान्य होने पर ट्रेन सेवा बहाली पर विचार किया जाएगा।

नयी दिल्ली, 05 अगस्त। बंगलादेश में राजनीतिक संकट को देखते हुए, एयर इंडिया ने सोमवार को ढ ाका से आने-जाने वाली सभी उड़ानों को तत्काल स्थगित करने की घोषणा की। इसी प्रकार भारतीय रेलवे ने भी कोलकाता से ढ ाका एवं खुलना के लिये चलने वाली चारों यात्री ट्रेन सेवायें और मालगाड़ियों का परिचालन तत्काल प्रभाव से स्थगित कर दिया है।

एयरलाइन ने यात्रियों को उड़ानों के लिए पुनर्निर्धारण और रद्दीकरण शुल्क पर एक बार की छूट का आश्वासन भी दिया। एयर इंडिया ने एक्स पर अपनी पोस्ट में कहा, बंगलादेश में उभरती स्थिति को देखते हुए हमने ढ ाका से आने-जाने वाली अपनी उड़ानों के निर्धारित संचालन को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है।

पोस्ट में कहा गया, हम लगातार स्थिति की निगरानी कर रहे हैं और ढ ाका से आने-जाने के लिए कन्फर्म बुकिंग वाले अपने यात्रियों को पुनर्निर्धारण और रद्दीकरण शुल्क पर एक बार की छूट के साथ सहायता प्रदान कर रहे हैं। पोस्ट में कहा गया, हमारे मेहमानों और चालक दल की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। अधिक जानकारी के लिए, कृपया हमारे 247 संपर्क केंद्र पर 011-69329333 / 011-69329999 पर कॉल करें। रेलवे के सूत्रों के अनुसार कोलकाता-खुलना-कोलकाता बंधन एक्सप्रेस तथा ढ ाका-न्यू जलपाईगुड़ी- ढ ाका, मिताली एक्सप्रेस ट्रेन सेवाओं को तत्काल प्रभाव से स्थगित कर दिया गया है।

सूत्रों ने बताया कि माल ढ ुलाई परिचालन को भी रोक दिया गया है। इस समय बंगलादेश में भारतीय रेलवे के 168 लोडेड वैगन 187 खाली वैगन हैं। इसके अलावा बंगलादेश के लिये आठ लोडेड रेक भारत में रोके गये हैं।

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने कहा है कि भारत-बंगलादेश सीमा पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है और स्थिति अभी सामान्य है। बी.एस.एफ. ने बंगलादेश में सेना की ओर से सोमवार को शेख हसीना सरकार का तख्तापलट किए जाने के बीच सोशल मीडिया के माध्यम से कहा कि, बी.एस.एफ. के महानिदेशक (डीजी) दलजीत सिंह चौधरी, पूर्वी कमान में डीजी पहले से ही मौजूद हैं। भारत-बंगलादेश सीमा पर स्थिति अभी सामान्य है।

बीएसएफ ने कहा, भारत-बंगलादेश सीमा पर स्थिति पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है, ताकि किसी भी अप्रत्याशित स्थिति से निपटा जा सके।

विपक्षी नेता खालिदा जिया की रिहाई

- बांग्लादेश के राष्ट्रपति ने पूर्व प्रधानमंत्री और विपक्षी नेता खालिदा जिया को रिहा करने के आदेश दिए।
- सेना ने मंगलवार से कर्फ्यू खत्म होने और स्कूल, व्यवसाय खुलने की बात कही।

ढ ाका, 05 अगस्त। बांग्लादेश में मचे हंगामे के बीच एक बड़ी खबर सामने आई है। राष्ट्रपति ने जेल में बंद पूर्व पीएम और विपक्षी नेता खालिदा जिया को रिहा करने का आदेश दिया है।इसके अलावा सेना की तरफ से एक और बड़ा अपडेट सामने आया है। सेना ने कहा है कि बांग्लादेश में मंगलवार सुबह कर्फ्यू खत्म हो जाएगा। स्कूल और व्यवसाय फिर से खुलेंगे।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद जॉय ने सोमवार को कहा कि उनकी मां अब राजनीति में नहीं लौटेंगी। हसीना के पूर्व आधिकारिक सलाहकार रहे जॉय ने कहा कि उनकी मां ने परिवार के आग्रह पर अपनी सुरक्षा के लिए देश छोड़ दिया। हसीना (76 वर्ष) ने अपनी सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों के बीच इस्तीफा दे दिया और लंदन के लिये रवाना हो गईं।

'बीबीसी वर्ल्ड सर्विस' पर 'न्यूजअावर' को दिए एक इंटरव्यू में जॉय ने कहा कि उनकी मां की कोई राजनीतिक वापसी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि हसीना रविवार से ही इस्तीफा देने पर विचार कर रही थीं और परिवार के आग्रह के बाद अपनी सुरक्षा के लिए देश छोड़कर चली गईं।

खबर के मुताबिक, जॉय ने कहा कि 15 साल तक बांग्लादेश पर शासन करने वालीं उनकी मां बहुत निराश थीं कि उनकी इतनी मेहनत के बाद भी लोग उनके खिलाफ उठ खड़े हुए। हसीना की निराशा को अभिव्यक्त करते हुए उन्होंने कहा, उन्होंने बांग्लादेश को बदल दिया है। जब उन्होंने सत्ता संभाली थी, तो इसे एक असफल राष्ट्र माना जाता था। यह एक गरीब देश था। लेकिन आज इसे एशिया के उभरते देशों में से एक माना जाता था। वह बहुत निराश हैं।

जयपुर ग्रामीण ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सिर्फ 1615 मतों से पराजित होना बताया गया। वहीं, जब उन्होंने पोस्टल बैलेट के मतों की पुन: गणना करने को कहा तो यह कहते हुए इन्कार कर दिया गया कि पोस्टल बैलेट की संख्या कम है, जबकि वास्तव में इनकी संख्या 1615 से काफी ज्यादा थी। यदि उनकी पुन: गणना होती तो वे विजयी हो जाते। इसलिए मतों की पुन: गणना कराई जाए और उन्हें विजयी घोषित किया जाए।

गौरतलब है कि चुनाव में भाजपा के राव राजेन्द्र सिंह को 6 लाख 17 हजार 877 मत मिले थे, जबकि अनिल चोपड़ा को 6 लाख 16 हजार 262 मत प्राप्त हुए थे। उस समय अनिल चोपड़ा ने पोस्टल बैलेट के मतों में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए पुन: मतगणना की मांग की थी, लेकिन उनकी मांग को खारिज कर दिया गया, जिसके बाद चोपड़ा रिटर्निंग ऑफिसर के कमरे में धरने पर भी बैठ गए थे।

कांग्रेस ने शिवराज ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उसकी 50 प्रतिशत अधिक राशि बतौर एम.एस.पी. मिल रही है वहीं, सुप्रीम कोर्ट में 6 फरवरी 2015 में दायर एक हलफनामा में भाजपा सरकार ने कहा था कि यह संभव नहीं है। हम जानना चाहते हैं कि वास्तव में सच क्या है।

कांग्रेस ने केन्द्रीय कृषि मंत्री के इस दावे को भी चुनौती दी कि किसानों को एम.एस.पी. की जरूरत नहीं है, क्योंकि उन्हें विभिन्न फसलों पर एम.एस.पी. से ज्यादा मूल्य मिल रहा है।

मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने आरोप लगाया कि चौहान को झूठ बोलने की आदत है। उन्होंने चौहान के इस दावे पर भी सवाल उठाया कि जब 2003 में जब दिग्विजय सिंह ने राज्य की सत्ता छोड़ी थी, तब मध्यप्रदेश की 7 लाख हैक्टयर जमीन ही सिंचित थी। जबकि 1997-1998 में राज्य की 33 लाख हैक्टेयर भूमि सिंचित थी।

उन्होंने चौहान के इस दावे पर भी सवाल उठाया कि कांग्रेस सरकार ने किसानों को कभी भी कर्ज में राहत नहीं दी, जबकि जब कमलनाथ मुख्यमंत्री बने थे, तब महज मध्यप्रदेश के 37 लाख किसानों को कर्ज माफ हुआ था।

'पर्यटन की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कमेटी ने पर्यटन के लिहाज से न्यूनतम प्रभावकारी गतिविधियां करने का सुझाव दिया, साथ ही कचरा, यातायात व जल उपयोग पर सख्त नियम लागू करने का सुझाव दिया था। उपरोक्त सभी मदों से संबंधित रिपोर्ट को वहां की राज्य सरकार ने खारिज कर दिया था। इसमें केरल भी शामिल है और सरकार ने वर्ष 2013 में इस मामले पर एक नई समिति का गठन किया था जिसने पहाड़ी सीमा में संरक्षित एरिया को घटाकर 60 प्रतिशत के बजाए 37 प्रतिशत कर दिया था।

विशेषज्ञों ने पर्यटन बढ़ाने के लिए किए जा रहे विकास की आलोचना की, परन्तु बहुत सारे स्थानीय निवासियों ने तर्क दिया कि पर्यटन से जरूरी रोजगार मिलेगा जो कि यहां पर प्लान्टेशन के बाद दूसरा सबसे बड़ा रोजगार माध्यम है। हालांकि, इस दृष्टिकोण को गलत नहीं कहा जा सकता लेकिन इस समस्या को बढ़ाने में इस उद्योग की भूमिका को स्वीकार करने की हिम्मत की जरूरत है। यह ऐसा समय है, जब ऐसी भयावह गलतियों से सबक सीखने की जरूरत है।

बांग्लादेश...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चीजों पर हुआ है। उनकी मूर्ति गिरा दी गई है। शुरुआती संकेत बता रहे हैं कि देश अब बहुत उग्र और कट्टर इस्लामिक व्यवस्था की तरफ तेज़ी से बढ़ेगा। सबसे बुरी बात यह होगी कि भारत को इन घटनाक्रमों से बहुत नुकसान होगा। उल्लेखनीय है कि पूरे बाँग्लादेश में मंदिरों पर हमले हो रहे हैं। रामकृष्ण मिशन की इकाइयाँ एवं मंदिरों पर हमले हो रहे हैं। 'भारत सेवाश्रम संघ' पर हमला हुआ है।

बेसमेंट में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अभ्यर्थियों की दुखद मौत का हवाला देते हुए कोचिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा दायर एक अन्य याचिका पर सुनवाई की। यह याचिका दिल्ली उच्च न्यायालय के उस आदेश के खिलाफ दायर की गई थी, जिसमें दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) को, (बेसमेंट में हुई) घटना के बाद अग्निशमन विभाग से वैध अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) के बिना राज्य में चल रहे कोचिंग सेंटरों को बंद करने का निर्देश दिया गया था।

उच्च न्यायालय ने दो अगस्त को घटना की जांच दिल्ली पुलिस से लेकर केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दी थी। एक निजी कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में 27 जुलाई को अचानक बारिश का पानी घुसने के बाद वहां तीन विद्यार्थियों की डूबकर मृत्यु हो गई थी।

इस घटना के बाद से दिल्ली के राजेंद्र नगर और मुखर्जी नगर क्षेत्र में यूपीएससी की परीक्षा की तैयारी कर रहे सैकड़ों विद्यार्थी लगातार विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

सी.बी.आई. मुकदमे में केजरीवाल को राहत नहीं

नयी दिल्ली, 05 अगस्त। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कथित आबकारी नीति घोटाले के मामले में आरोपी, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से दर्ज मुकदमा रद्द किये जाने और जमानत के लिए दायर उनकी याचिकाएं सोमवार को खारिज कर दीं। न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा की एकल पीठ ने अपना आदेश सुनाते हुए कहा कि सीबीआई के पास केजरीवाल को गिरफ्तार करने का पर्याप्त कानूनी आधार था। उन्होंने कहा, यह नहीं कहा जा सकता कि गिरफ्तारी बिना किसी न्यायोचित कारण के की गई। उच्च न्यायालय ने गुण-दोष के आधार पर इस मामले में कोई निर्णय लेने से इन्कार कर दिया, लेकिन याचिकाकर्ता को निचली अदालत का दरवाजा खटखटाने की छूट दी।

आर.सी.ए...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

याचिकाकर्ता के अधिवक्ता प्रतीक कासलीवाल ने बताया कि पूर्व में हाईकोर्ट ने अपील को मंजूर करते हुए सुनवाई के लिए दो बिंदु तय किए थे, कि क्या अपीलीय अधिकारी मामले में सुनवाई करने के लिए सक्षम थे और क्या सुनवाई का वैकल्पिक विकल्प मौजूद होने के बावजूद अदालत प्रकरण में सुनवाई कर सकती है? सुनवाई के दौरान दोनों बिंदुओं पर जवाब पेश करने के लिए महाधिवक्ता ने समय मांगा। इस पर अदालत ने प्रकरण की सुनवाई 13 अगस्त तक टाल दी है।

बांग्लादेश का...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बनर्जी की इस टिप्पणी का बांग्लादेश सरकार ने भारी विरोध किया था। ऐसा लगता है कि सेना ने पूर्व प्रधानमंत्री को देश से बाहर भागने में मदद की है। नाराज़ लोगों ने प्रधानमंत्री के कार्यालय और आवास में भारी तोड़-फोड़ की। शेख मुजीबुर रहमान की मूर्ति भी तोड़ दी, जबकि उन्होंने ही बांग्लादेश को एक स्वयंभू राष्ट्र बनाया था।

शेख हसीना दिल्ली पहुंच गई हैं। हालांकि उन्होंने भारत में राजनैतिक शरण नहीं मांगी है, पर, ब्रिटेन ने स्थायी आवास की उनकी अपील ठुकरा दी है। कोई अन्य व्यवस्था होने तक वे भारत में ही रहेंगी। यह भारत के लिए दुविधा की स्थिति मानी जा रही है। अगर भारत ने हसीना को शरण दी तो बांग्लादेश के साथ रिश्ते खराब हो सकते हैं। विदेश मंत्री एस. जयशंकर पहले ही बांग्लादेश की स्थिति के बारे में प्रधानमंत्री को बता चुके हैं।

खबर है कि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने शेख हसीना से मुलाकात की है। हालांकि, इसके बारे में विदेश मंत्रालय ने कोई अधिकृत सूचना जारी नहीं की है।

बांग्लादेश में भारी बवाल, प्रधानमंत्री शेख...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कार्यकर्ताओं ने इस दौरान ऑटोमैटिक हथियारों का भी प्रयोग किया।

सरकारी नौकरियों एवं शिक्षण संस्थानों में कुछ चुने हुए समूहों को आरक्षण देने के खिलाफ सप्ताहों तक चले विरोध प्रदर्शनों का सीधा परिणाम यह हुआ कि हसीना को देश छोड़कर भागना पड़ा। ढ़ाका में सोमवार को हजारों की तादाद में प्रदर्शनकारी प्रधानमंत्री हसीना के सरकारी आवास में घुस गए।

आरक्षण कोटा सिस्टम के विरुद्ध छात्रों का प्रदर्शनकारी आन्दोलन जून माह में शांतिपूर्वक तरीके से प्रारम्भ हुआ था। हालांकि, बाद में यह आन्दोलन हिंसक हो गया था इसके परिणामस्वरूप दर्जनों लोगों की मृत्यु हो गई थी। एक अल्पकालिक शांति के बाद, हिंसक विरोध-प्रदर्शन पिछले सप्ताह फिर भड़क गया था। गत दो दिनों में इसके चलते 100 से अधिक लोगों की मृत्यु हो गई थी।

बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट द्वारा 21 जुलाई को सरकारी नौकरियों में भर्ती संबंधी विवादित आरक्षण कोटा को रद्द करने, जिसे कम करके 56 प्रतिशत से 30 प्रतिशत कर दिया गया था, के बाद से उम्मीद की जा रही थी कि आन्दोलन समाप्त हो जाएगा, लेकिन यह तो और भी खतरनाक हो गया था।

शेख हसीना ने आन्दोलनकारियों के वार्ता के प्रस्ताव को ठुकरा दिया था, जिसमें उन्होंने कोटा सिस्टम का उचित समाधान बातचीत से सुलझाने का आह्वान किया था। परन्तु हसीना ने आरोप लगाया कि आन्दोलनकारी उन्हें बलपूर्वक पद से हटाने की योजना बना रहे थे तथा इस शंका के चलते उन्होंने हजारों की संख्या में विद्यार्थियों एवं कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी को जारी रखा। हसीना ने कट्टरपंथी धार्मिक संगठन जमात-ए-इस्लामी पर पाबंदी लगा दी और आन्दोलन की छवि को खराब करने के लिए उसे पाकिस्तान समर्थित बताया तथा कट्टरपंथी इस्लामिक रंग देने की कोशिश की। छात्रों ने एक सूत्रीय कार्यक्रम अपनाया था-सरकार को पद छोड़ने के लिए बाध्य करना और लोकतंत्र बहाली।

स्टूडैन्ट प्लेटफॉर्म फॉर नॉन कोऑपरेशन मूवमैंट के समन्वयक नाहिद इस्लाम ने शनिवार को ढाका की शहीद मीनार से घोषणा की थी कि हम इस निर्णय पर पहुंचे हैं कि इंसानी जान की सुरक्षा और समाज में न्याय सुनिश्चित करने के लिए हम एक सूत्रीय मांग करेंगे कि प्रधानमंत्री शेख हसीना वाजेद और मौजूदा सरकार सत्ता छोड़े तथा फासीवाद खत्म हो।

बांग्लादेश के सतत ग्रोथ मॉडल ने क्रोनी कैपिटलिज्म को बढ़ावा दिया है तथा कुछ खास समूहों के हितों को ध्यान में रखकर बनाई जाने वाली आर्थिक नीतियां संरक्षणवाद का प्रतिबिम्ब हैं।

सरकार ने पूर्व में इन्टरनैट शटडाउन का आदेश दिया था क्योंकि विरोधियों ने आम जनता से "लॉन्ग मार्च टू ढाका" की अपील की थी। हालांकि एक सरकार एजेंसी ने मौखिक आदेश देकर सोमवार को सवा बजे इन्टरनैट चालू करवा दिया।

बांग्लादेश मीडिया के एक सूत्र ने बताया कि अपनी सुरक्षा टीम की सलाह पर शेख हसीना ने देश छोड़ दिया, उन्हें तैयारी का समय भी नहीं मिला। वे कार से रवाना हुई तथा बाद में हैलीकॉप्टर से देश के बाहर चली गईं।

उनके देश छोड़ने के बाद उत्साही भीड़ ने झंडे लहराए, नृत्य किया। उन्होंने हसीना के पिता शेख मुजीबुर रहमान की मूर्ति तोड़ दी जो कि बांग्लादेश की आज़ादी के महानायक रहे हैं।

शेख हसीना के जाने के बाद अमेरिका में रह रहे उनके बेटे सजीब वाजेद ने सेना से सरकार को बचाने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि "हमारी जनता और देश की सुरक्षा व संविधान की गरिमा बनाए रखना आपकी जिम्मेवारी है। इसका अर्थ है कि एक मिनट के लिए भी कोई गैर निर्वाचित सरकार सत्ता न संभालने पाए।

शेख हसीना वाजेद कहां जाएंगी, इस बारे में काफी अटकलें हैं। भारत, यू.के. और फिनलैंड जैसे देशों का नाम चर्चा में है।

"इस पॉलिसी में निवेश पोर्टफोलियो में निवेश का जोखिम पॉलिसीधारक द्वारा वहन किया जायेगा"

सबसे पहले लाइफ इंश्योरेंस

एक बार बचाएं... और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करें

चुनने की आजादी:
- बचत धनराशि: आप कम से कम रु. 1 लाख या जीवन के बड़े लक्ष्यों के लिए उससे बड़ी कोई रकम निवेश कर सकते हैं।
- 4 फंड विकल्प: आप 4 फंड विकल्पों–बांड, सुरक्षित, संतुलित एवं वृद्धि में से कोई चुन सकते हैं।
- निःशुल्क फण्ड परिवर्तन: आप अपना धन वर्ष में चार बार निःशुल्क एक फंड से दूसरे फंड में परिवर्तित कर सकते हैं।
- आवश्यकता पर निकासी : 5 वर्ष उपरांत आप आंशिक निकासी कर सकते हैं।*
- जोखिम सुरक्षा विकल्प : प्रीमियम भुगतान का 1. 25 गुना अथवा 10 गुना जोखिम सुरक्षा चुनने का विकल्प।

पॉलिसी के लाभ:
- गारंटीकृत लाभ: यूनिट फंड वैल्यू के साथ गारंटीकृत लाभ*
- पॉलिसी परिपक्वता: यूनिट फंड वैल्यू

पात्रता :
- प्रवेश की आयु: न्यूनतम आयु: 90 दिन अधिकतम आयु: 35 वर्ष / 70 वर्ष (चयनित जोखिम सुरक्षा के अनुसार)
- परिपक्वता आयु: न्यूनतम आयु: 18 वर्ष अधिकतम आयु: 50 वर्ष / 85 वर्ष (चयनित जोखिम सुरक्षा के अनुसार)
- पॉलिसी अवधि: 10 – 25 वर्ष

योजना सं: 849 UIN:512L317V01
यूनिट लिंक्ड, असहभागी, एकल प्रीमियम, व्यक्तिगत जीवन बीमा योजना

अधिक विवरण के लिए अपने अभिकर्ता/एलआईसी की नजदीकी शाखा से संपर्क करें
एसएमएस करें अपने शहर का नाम 56767474 पर
कॉल सेंटर सेवा (022) 6827 6827
डाउनलोड करें एलआईसी मोबाइल एप "MyLIC"
विज़िट करें www.licindia.in पर; हमें फॉलो करें LIC India Forever

करार के प्रथम पाँच वर्ष में यूनिट से संबद्ध बीमा पॉलिसियां समाप्त नहीं की जा सकती। पाँचवे वर्ष के अंत तक यूनिट से संबद्ध बीमा पॉलिसियों को पॉलिसीधारक न समर्पण कर सकता है और न ही उनमें निवेश किये गए धन को आंशिक या पूर्ण रूप से निकाल सकता है।

नियम व शर्तों की विस्तृत जानकारी के लिए बिक्री समापन से पूर्व बिक्री-पुस्तिका ध्यानपूर्वक पढ़ लें। * शर्तें लागू

भ्रामक/धोखाधड़ी वाले फोन कॉल्स से सावधान
आईआरडीएआई बीमा पॉलिसी विक्रय, बोनस की घोषणा अथवा प्रीमियम संबंधी गतिविधियों से संबंध नहीं रखता है। ऐसे फोन कॉल्स के प्राप्त होने पर आपसे निवेदन किया जाता है कि तुरन्त पुलिस से शिकायत दर्ज करवायें।

LIC भारतीय जीवन बीमा निगम LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA
IRDAI Regn No.: 512
हर पल आपके साथ
LIC/AR/19-20/39/HIN

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2008/27147 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908